THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 275 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष शु. 12 2082 बुधवार, 31 दिसंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

प्रधानमंत्री मोदी ने 2026-27 के बजट से पहले अर्थशास्त्रियों से मुलाकात की

नई दिल्ली, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को बजट 2026 पर विचार-विमर्श करने के लिए देश के प्रख्यात अर्थशास्त्रियों और आर्थिक क्षेत्र विशेषज्ञों से मुलाकात की। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह बैठक सुबह 11 बजे शुरू हुई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी, नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम, आयोग के अन्य सदस्य, अर्थशास्त्री और क्षेत्रीय विशेषज्ञ भी बैठक में उपस्थित हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से 1 फरवरी को 2026-27 का केंद्रीय बजट पेश किए जाने की संभावना है।

बंगाल की सियासत पर बोले अमित शाह

'आम नागरिकों में चिंता का माहौल'

> घुसपैठ रोकने के मुद्दे पर होगा 2026 का चुनाव > यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला

कोलकाता, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा के चुनाव को लेकर राज्यभर में सियासी गर्माहट तेज हो गई है। राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारियां भी तेज कर दी है। दूसरी ओर आरोप-प्रत्यारोप भी अपने चरम पर पहुंच गया है। इसी बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कोलकाता में प्रेस वार्ता की। जहां उन्होंने राज्य की तृणमूल कांग्रेस पार्टी पर जमकर निशाना साधा। घुसपैठ, भ्रष्टाचार, प्रशासन समेत कई मुद्दों को लेकर शाह ने ममता सरकार को आड़े हाथ लिया।

शाह ने कहा कि ममता बनर्जी चुनावी लाभ के लिए बांग्लादेशियों की घुसपैठ को बढ़ावा दे रही हैं। पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा हमें जमीन न दिए जाने के कारण हम बांग्लादेश सीमा की बाड़बंदी पूरी नहीं कर पाए हैं। साल 2026 में बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि घुसपैठ रोकने के मुद्दे पर ही होगा 2026 का पश्चिम बंगाल चुनाव। शाह ने आगे कहा कि बंगाल के लिए आज से अप्रैल तक का समय बेहद अहम है, क्योंकि

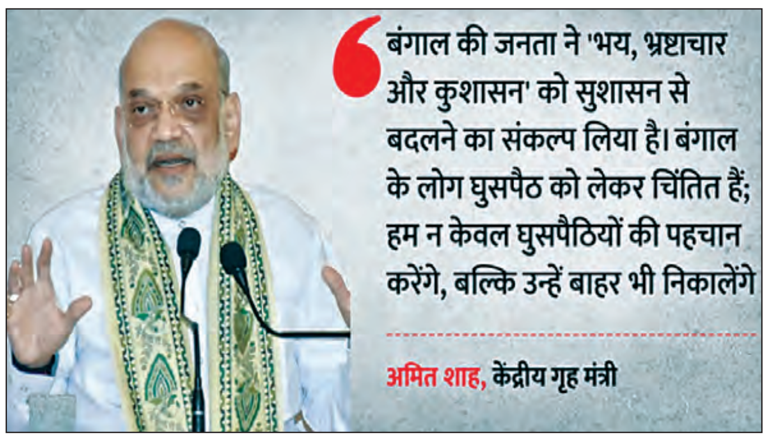

इस दौरान राज्य में विधानसभा चुनाव होने हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 15 साल में टीएमसी सरकार के शासन में राज्य में भय, भ्रष्टाचार और गलत प्रशासन फैला है, जिसके कारण बंगाल में आम नागरिकों में चिंता का माहौल बन गया है। शाह ने कहा कि भ्रष्टाचार के कारण बंगाल का विकास रुक गया है। प्रधानमंत्री मोदी की जनकल्याण योजनाएं यहां टोल सिंडिकेट की भेंट चढ़ गई हैं। पिछले 14 वर्षों से बंगाल की पहचान डर और भ्रष्टाचार बन गई है।

क्यों हो रही घुसपैठ की समस्या, क्या बोला शाह ने :

अमित शाह ने आगे पश्चिम बंगाल सरकार पर बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन नहीं देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए राज्य सरकार जमीन नहीं दे रही, जिसकी वजह से घुसपैठ की समस्या बनी हुई है। अमित शाह ने सवाल किया कि त्रिपुरा, असम, राजस्थान, पंजाब, कश्मीर और गुजरात की सीमाओं पर घुसपैठ क्यों रुक गई, लेकिन पश्चिम बंगाल में क्यों नहीं। उन्होंने कहा कि बंगाल में राज्य सरकार की जानकारी में घुसपैठ हो रही है और इसका मकसद जनसंख्या में बदलाव कर वोट बैंक मजबूत करना है।

अंडमान की धरती पर गृह मंत्री का दौरा

नई दिल्ली, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार की नीतियों और आंतरिक सुरक्षा से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो जनवरी को अंडमान और निकोबार द्वीप के दौरे पर पहुंचेंगे। इस दौरे को प्रशासनिक और रणनीतिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, गृह मंत्री दो जनवरी को अंडमान पहुंचेंगे और यहां कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने नए जोनल कमिश्नरों को कड़ा संदेश

हैदराबाद को स्मार्ट और स्वच्छ बनाने के लिए कार्रवाई तेज

हैदराबाद, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने नए जोनल कमिश्नरों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि शहर के कोर अर्बन रीजन को योजनाबद्ध ढंग से विकसित किया जाए। सरकार ने तेलंगाना राइजिंग 2047 विजन डॉक्यूमेंट जारी कर राज्य और शहर के दीर्घकालिक विकास के लिए रोडमैप तैयार किया है मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासन पर कड़ी पकड़ बनाए रखना प्राथमिकता है। इस दिशा में सीयूआरई क्षेत्र को 12 जोन, 60 सर्किल और 300 वार्डों में पुनर्गठित किया गया है और ज़ोनल कमिश्नरों को हर दिन फील्ड में सक्रिय रूप से मौजूद रहने का निर्देश दिया गया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि हैदराबाद में सबसे बड़ी चुनौतियों में कचरा प्रबंधन और नालों की सफाई शामिल है। शहर को स्वच्छ बनाने और पर्यावरण संरक्षित करने के लिए प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध, झीलों और नालों को अवैध कब्ज़ों से मुक्त करना और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना प्रमुख कदम होंगे। साथ ही सभी नालों, झीलों और कचरा डंपिंग स्थानों पर सीसीटीवी निगरानी स्थापित करने, महीने में तीन दिन विशेष सैनेटेशन ड्राइव आयोजित करने और सड़कें कचरा व गड्ढों से मुक्त रखने का निर्देश दिया गया। मुख्यमंत्री ने ऑनलाइन सेवाओं को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र, ट्रेड लाइसेंस और अन्य दस्तावेजों के लिए तकनीक का अधिकतम उपयोग किया जाएगा और नागरिकों को पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। कॉलोनी वेलफेयर और अपार्टमेंट एसोसिएशन के साथ नियमित संवाद सुनिश्चित करने और गुड गवर्नेंस से स्मार्ट गवर्नेंस की ओर संक्रमण करने पर भी बल दिया गया। जीएचएमसी, वाटर वर्क्स और अन्य विभाग जनवरी से नालों की सफाई और जल निकासी कार्य शुरू करेंगे और सड़क प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि मच्छर नियंत्रण और संक्रामक रोगों पर सक्रिय कार्रवाई, हर 10 दिन में गैर्बेज क्लीयरेंस ड्राइव और समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए टोल-फ्री नंबर पर शीघ्र प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जाए।

युवा कैडर अफसरों को आधे सेवाकाल में भी पहली पदोन्नति नहीं

अब 30 दिन में मांगा 'कैडर समीक्षा प्रपोजल'

नई दिल्ली, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के कैडर अधिकारी (ग्रुप-ए), विशेषकर युवा अफसरों को अपने सेवाकाल के 15 वर्ष बीतने के बावजूद पहली पदोन्नति नहीं मिल सकी है। खास बात है कि कैडर अफसरों ने पदोन्नति एवं वित्तीय हितों की यह लड़ाई सुप्रीम कोर्ट से जीत ली है, लेकिन उन्हें फायदा नहीं दिया गया। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के कैडर अफसरों की तरफ से छह दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका लगाई गई। नतीजा, गत सप्ताह केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी छह बलों 'सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी और असम राइफल' से तीस दिन के भीतर 'कैडर समीक्षा प्रपोजल' मांगा है। इस प्रपोजल में 'ग्रुप ए' कैडर का विस्तृत एवं गहराई से रिव्यू करना होगा। शुरू से लेकर अब तक कैडर रिव्यू की क्या स्थिति रही है, नए रिक्रूटमेंट रूल्स व 'संगठित समूह ए सेवा' (ओजीएएस) का दर्जा, ये सब बातें कैडर रिव्यू प्रपोजल में शामिल रहेंगी।

2026 में भारत-पाक युद्ध संभव, अमेरिकी थिंक टैंक का दावा

कश्मीर में आतंकी गतिविधियां वजह बनेगी

वॉशिंगटन, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के बड़े थिंक टैंक काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस (सीएफआर) ने चेतावनी दी है कि 2026 में भारत और पाकिस्तान के बीच फिर युद्ध हो सकता है। सीएफआर की रिपोर्ट 'कॉन्फ्लिक्ट्स टू वॉच इन 2026' के अनुसार, कश्मीर में आतंकी गतिविधियां बढ़ने से दोनों देशों के बीच टकराव की मध्यम संभावना है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष होता है, तो उसका असर अमेरिका के हितों पर भी मध्यम स्तर तक पड़ सकता है। हालांकि जम्मू-कश्मीर में अभी कोई बड़ा आतंकी हमला नहीं हुआ है, लेकिन खुफिया एजेंसियों के अनुसार इस सर्दी में जम्मू क्षेत्र में 30 से ज्यादा पाकिस्तानी आतंकी सक्रिय हैं। इधर भारत-पाकिस्तान के बीच 10 मई को हुए संघर्षविराम के बावजूद दोनों देशों ने हथियारों की खरीद तेज कर दी है। भारत में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने हाल ही में 79 हजार करोड़ रुपये के रक्षा सौदों को मंजूरी दी है, जिसमें ड्रोन, एयर-टू-एयर मिसाइल और गाइडेड बम शामिल हैं। उधर पाकिस्तान ने भी तुर्किये और चीन से नए ड्रोन और एयर डिफेंस सिस्टम खरीदने के लिए बातचीत शुरू की है, ताकि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सामने आई कमजोरियों को दूर किया जा सके। रिपोर्ट में एक और बड़े खतरे की ओर इशारा किया गया है। सीएफआर के मुताबिक, 2026 में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच भी सशस्त्र संघर्ष की मध्यम संभावना है, हालांकि इसका असर अमेरिकी हितों पर कम होगा।

अक्टूबर में 2600 किलोमीटर लंबी डूरंड लाइन पर पाकिस्तान और तालिबान शासित अफगानिस्तान के बीच भीषण झड़पें हुई थीं। दोनों देशों की सेनाओं ने कई इलाकों में एक-दूसरे पर गोलीबारी की थी और सीमा चौकियां तबाह होने के दावे किए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने पेश होने वाले वकीलों के लिए जारी की एसओपी, तेज होगी न्याय की प्रक्रिया

नई दिल्ली, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने सामने पेश होने वाले वकीलों के लिए दलीलें रखने और लिखित नोट जमा करने की समय-सीमा तय की। शीर्ष कोर्ट ने इसके लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है। इस कदम का मकसद कोर्ट के कामकाज को बेहतर बनाना और न्याय की प्रक्रिया को तेज करना है।

मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और सुप्रीम कोर्ट के अन्य जजों ने सोमवार को एक नोटिस जारी किया, जिसमें सभी मामलों में मौखिक दलीलों को तय समय में पूरा करने के लिए एसओपी तय की गई है।

यह एसओपी तत्काल प्रभाव से लागू हो गई। इस एसओपी के तहत कहा गया है कि नोटिस के बाद और नियमित सुनवाई वाले सभी मामलों में वरिष्ठ वकील, बहस करने वाले वकील या रिकॉर्ड पर वकील को सुनवाई शुरू होने से कम से कम एक दिन पहले मौखिक दलीलों की समय-सीमा जमा करनी होगी। यह जानकारी रिकॉर्ड पर वकील को दिए गए ऑनलाइन पोर्टल के जरिये माननीय न्यायालय को भेजी जाएगी।

बीएनपी की प्रमुख बेगम खालिदा जिया का निधन

ढाका, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की प्रमुख बेगम खालिदा जिया का मंगलवार को 80 वर्ष की उम्र में ढाका में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके निधन के बाद से देशभर में शोक का माहौल है।

इसी बीच बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने बताया कि खालिदा जिया को अंतिम विदाई बुधवार को दी जाएगी और उन्हें पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनके पति बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति और बीएनपी के संस्थापक जियाउर रहमान के बगल में दफनाया जाएगा। बता दें कि खालिदा जिया बांग्लादेश की तीन बार प्रधानमंत्री रह चुकी थीं। देश की राजनीति में उनके अतुल्य योगदान को देखते हुए बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने तीन दिनों के लिए राजकीय शोक और एक दिन की छुट्टी का एलान किया है। इस बात की घोषणा अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस ने की। उन्होंने मंगलवार को कहा कि खालिदा जिया का पार्थिय शरीर कल यानी बुधवार को सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने देश में तीन दिन का राजकीय शोक और एक दिन की छुट्टी का भी एलान किया है। कानून सलाहकार आसिफ नजरुल के अनुसार, खालिदा जिया की नमाज-ए-जनाजा (अंतिम नमाज) बुधवार को जोहर की नमाज के बाद संसद भवन के साउथ प्लाजा और मणिक मिया एवेन्यू में होगी।

इसके बाद उन्हें ढाका के शेर-ए-बांग्ला नगर स्थित जिया उद्यान में उनके पति की कब्र के पास दफन किया जाएगा। इस संबंध में अंतरिम सरकार की सलाहकार परिषद की एक विशेष बैठक हुई, जिसमें बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर भी विशेष आमंत्रित के रूप में शामिल हुए। बीबीसी बांग्ला के अनुसार, शोक अवधि के दौरान सभी सरकारी, अर्ध-सरकारी और स्वायत्त संस्थानों शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी और निजी इमारतों और विदेशों में बांग्लादेश के मिशनों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा।

पीएम ने खालिदा जिया के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के निधन पर शोक जताया। उन्होंने भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों में उनकी भूमिका का जिक्र करते हुए करीब 10 साल पहले हुई पहली मुलाकात की स्मृतियां भी साझा कीं। पीएम मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर साल 2015 में खालिदा जिया के साथ हुई मुलाकात और बातचीत की तस्वीरें साझा कर पूर्व प्रधानमंत्री के चाहने वालों और परिजनों के लिए संबल की कामना भी की।

अठावले ने लगाया विश्वासघात का आरोप

नई दिल्ली, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की सियासत में महायुति के भीतर खींचतान खुलकर सामने आ गई है। केंद्रीय मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए) के प्रमुख रामदास अठावने ने बीएमसी चुनाव के लिए सीट बंटवारे में अपनी पार्टी को बाहर रखे जाने को विश्वासघात करार दिया। उन्होंने साफ किया कि उनकी पार्टी 38 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि बाकी सीटों पर भाजपा और शिवसेना को समर्थन देती रहेगी।

रामदास आठवले ने कहा कि महायुति के गठन के बाद से उनकी पार्टी पूरी निष्ठा और मजबूती के साथ गठबंधन के साथ खड़ी रही। लेकिन बीएमसी चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर जो फैसला हुआ, उससे आरपीआई (ए) के कार्यकर्ताओं में भारी नाराज़गी है। उन्होंने कहा कि देर रात केवल सात सीटों का प्रस्ताव देना व्यावहारिक नहीं था और इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। आठवले के मुताबिक, मुंबई में आरपीआई (ए) की ताकत वंचित बहुजन अघाड़ी से ज्यादा है, इसके बावजूद उनकी पार्टी को नजरअंदाज किया गया। इससे पूरे महाराष्ट्र में पार्टी कार्यकर्ताओं में आक्रोश है।

अधीर रंजन चौधरी ने पीएम मोदी से की मुलाकात

> बंगाल समेत कई मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की। इस समय में यह बैठक खास अहमियत रखती है क्योंकि बंगाल में विधानसभा चुनाव अगले साल मार्च-अप्रैल में होने हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस मुलाकात में कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। इसमें बंगाल में मतदाता सूची की विशेष गहन समीक्षा (एसआईआर) को लेकर चिंताएं शामिल थीं। इसके अलावा कई राज्यों में बंगाली भाषी लोगों के खिलाफ हिंसा की अलग-अलग घटनाओं पर भी बातचीत हुई। पीएम मोदी से मुलाकात के दौरान कांग्रेस सांसद ने देश के अलग-अलग हिस्सों, खासकर भाजपा शासित राज्यों में बंगाली भाषा बोलने वाले लोगों पर हो रहे हमलों का मुद्दा उठाया।

प्रियंका गांधी के बेटे रेहान वाड्रा ने की सगाई

लॉन्गटाइम गर्लफ्रेंड अवीवा बेग से करने जा रहे शादी

नई दिल्ली, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी और बिजनेसमैन रॉबर्ट वाड्रा के बेटे रेहान वाड्रा ने अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड अवीवा बेग से सगाई कर ली है। रिपोर्ट के मुताबिक 25 साल के रेहान वाड्रा ने कल दोनों परिवारों की मौजूदगी में अपनी सात साल पुरानी गर्लफ्रेंड अवीवा बेग को प्रपोज किया और उन्होंने हां कर दी। दोनों परिवार इस रिश्ते से खुश हैं और कल राजस्थान के रणथंभौर में एक बड़ी सगाई सेरेमनी होने की उम्मीद है। माना जा रहा है कि शादी कुछ महीनों में होगी। अवीवा बेग और उनका परिवार दिल्ली में रहता है। उनके पिता, इमरान बेग बिजनेसमैन हैं और उनकी मां, नंदिता बेग इंटीरियर डिजाइनर हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा और नंदिता बेग पुरानी दोस्त बताई जाती हैं। खबरों के अनुसार, नंदिता बेग ने कांग्रेस हेडक्वार्टर, इंदिरा भवन के इंटीरियर डिजाइन में प्रियंका गांधी की मदद की थी।

सालों से एक-दूसरे के करीब हैं रेहान और अवीवा :

सूत्रों ने बताया कि दोनों परिवार सालों से एक-दूसरे के करीब हैं, और रेहान और अवीवा एक ही स्कूल में पढ़ते थे। रेहान वाड्रा ने देहरादून के दून स्कूल में पढ़ाई की, उसी स्कूल में जहां राजीव गांधी और राहुल गांधी ने पढ़ाई की थी। इसके बाद वह राजनीति में हायर एजुकेशन के लिए लंदन के स्कूल ऑफ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज (एसओएएस) चले गए। रेहान विजुअल आर्टिस्ट हैं, जो दस साल की उम्र से ही अपने लेंस से दुनिया को कैप्चर कर रहे हैं।

ध्रुव-एनजी हेलिकॉप्टर ने भरी पहली सफल उड़ान

एचएएल के इस नए चॉपर ने रच दिया इतिहास

बेंगलुरु, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के एयरोस्पेस हब बेंगलुरु के आसमान में मंगलवार को एक ऐतिहासिक पल देखने को मिला। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड यानी कि एचएएल के नेक्स्ट जेनरेशन हेलिकॉप्टर 'ध्रुव-एनजी' ने अपनी पहली सफल उड़ान पूरी की। यह उड़ान एचएएल को सिर्फ सैन्य हेलिकॉप्टर बनाने वाली कंपनी की छवि से बाहर निकालकर वैश्विक नागरिक उड्डयन बाजार में मजबूत खिलाड़ी बनाने की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है। इस मौके पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के। राम मोहन नायडू भी मौजूद थे। उन्होंने ध्रुव-एनजी की पहली उड़ान को देश की स्वदेशी विमानन क्षमताओं और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया।

बता दें कि पिछले 2 दशकों से ध्रुव हेलिकॉप्टर भारतीय सैन्य बलों के रोटरक्राफ्ट बेड़े की रीढ़ की हड्डी रहा है। इसने सियाचिन की बर्फीली ऊंची चोटियों से लेकर तटीय सीमाओं की नमी वाली मुश्किल चुनौतियों तक हर जगह सफलतापूर्वक काम किया है। लेकिन ध्रुव-एनजी इस परिवार की पूरी तरह नई कड़ी है, जिसे खास तौर पर नागरिक प्रमाणन की सख्त जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इसका मकसद देश में क्षेत्रीय हवाई संपर्क और आपातकालीन सेवाओं की बड़ी जरूरतों को पूरा करना है। 'मेक इन इंडिया' के तहत बना यह हेलिकॉप्टर आने वाले समय में देश के दूर-दराज के इलाकों तक तेज, सुरक्षित और सस्ती हवाई सेवाएं पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभा सकता है।

तकनीकी विशेषताओं की बात करें तो ध्रुव-एनजी 5.5 टन श्रेणी का हेलिकॉप्टर है। इसका अधिकतम टेक-ऑफ वजन 5,500 किलोग्राम है। इसे 2 स्वदेशी 'शक्ति' इंजनों (अर्डिडेन 1एच1) से चलाया जाता है, जो करीब 250 किलोमीटर प्रति घंटे की क्रूज स्पीड और लगभग 630 किलोमीटर की रेंज देते हैं। यह करीब 6,000 मीटर की ऊंचाई तक उड़ान भर सकता है। इसमें 6 से 14 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था है, जिसे जरूरत के हिसाब से वीआईपी कॉन्फिगरेशन, एयर एम्बुलेंस या सामान्य यात्री सेवा के लिए बदला जा सकता है। ध्रुव-एनजी में अत्याधुनिक ग्लास कॉकपिट और 4-एक्सिस ऑटो फ्लाइट कंट्रोल सिस्टम लगा है, जिससे उड़ान ज्यादा सुरक्षित और आसान हो जाती है।

एचएएल के अधिकारियों के मुताबिक, यह उड़ान सिर्फ तकनीकी परीक्षण नहीं है, बल्कि यह भरोसा भी दिलाती है कि एक पूरी तरह स्वदेशी हेलिकॉप्टर विश्व स्तर की एयर एम्बुलेंस, वीआईपी परिवहन और प्राकृतिक आपदाओं में जीवन बचाने वाले कामों में सफल हो सकता है। ध्रुव-एनजी को विशेष रूप से ऑफशोर ऑयल ऑपरेशंस, सरकार की उड़ान-आरसीएस(रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम) और विभिन्न नागरिक मिशनों के लिए तैयार किया जा रहा है।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि ध्रुव-एनजी की सफल पहली उड़ान से एचएएल ने साफ संकेत दे दिया है कि वह अब सिर्फ रक्षा क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि नागरिक हेलिकॉप्टर बाजार में भी विश्व की बड़ी कंपनियों से मुकाबला करने को तैयार है।

डॉक्टर महिला से वॉट्सएप पर लालच देकर 22.7 लाख की धोखाधड़ी, हरियाणा से दो साइबर ठग गिरफ्तार

नई दिल्ली, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के शाहदरा जिले में साइबर पुलिस ने 22.7 लाख की ऑनलाइन ठगी के मामले का भंडाफोड़ किया है। दिल्ली पुलिस ने हरियाणा के हिसार से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने फर्जी स्टॉक ट्रेडिंग ऐप के जरिए डॉक्टर से लाखों की ठगी की थी। पुलिस के मुताबिक, 13 नवंबर 2025 को डॉक्टर अमिता गर्ग ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्हें एक वॉट्सएप ग्रुप के माध्यम से शेयर निवेश का लालच दिया गया। आरोपियों ने एससीआईआईएचएनडब्ल्यू नाम का फर्जी ऐप डाउनलोड करवाकर पहले छोटी रकम पर मुनाफा दिखाया और बाद में दबाव बनाकर कुल 22.7 लाख रुपये का निवेश करा लिया। रकम निकालने की कोशिश पर शिकायतकर्ता को ऐप से ब्लॉक कर दिया गया। जांच के दौरान, शिकायतकर्ता से उन खातों का विवरण प्राप्त किया गया, जिनमें लेनदेन किए गए थे।

नववर्ष के जश्न पर रहेगी पुलिस की निगाहें

भोपाल, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। नववर्ष के दौरान प्रदेश में कानून-व्यवस्था और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने समस्त जिला पुलिस अधीक्षकों को विशेष निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने पूरे प्रदेश में आगामी 1 जनवरी की रात तक सघन चेकिंग और गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। गत वर्ष पुलिस अधिकारियों एवं मैदानी बल की सक्रियता से असामाजिक एवं उपद्रवी तत्वों पर अभूतपूर्व नियंत्रण रहा था। इसी क्रम को जारी रखते हुए इस वर्ष भी प्रदेश में कानून-व्यवस्था, आमजन की सुरक्षा और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए पुलिस पूर्ण मुस्तैदी के साथ तैनात रहेगी। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी रैंक के फील्ड अधिकारी स्वयं सड़कों पर उतरकर सुरक्षा व्यवस्था का नेतृत्व करेंगे। प्रमुख चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की अधिक तैनाती रहे।

न इंजन, न स्टील, न कील...

भारतीय नौसेना के अनोखे समुद्री जहाज आईएनएसवी कौंडिन्या की खासियत

पोरबंदर, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना के पास एक से एक विशालकाय, मजबूत, खतरनाक हथियारों से लैस समुद्र जहाज और युद्धपोत हैं। आई एन एस कैटेगरी के युद्धपोत हैं, जो समुद्र की लहरों पर थिरकते हैं तो गूंज सुनकर ही दुश्मन थर्र-थर्र कांपने लगते हैं, लेकिन भारतीय नौसेना को पास एक ऐसा जहाज भी है, जो दुनिया के किसी देश के पास नहीं है।

वहीं अब भारतीय नौसेना ने इस जहाज को समुद्र की लहरों पर उतार दिया है, जिसे अब पूरी दुनिया देखेगी और इसके बारे में जानना चाहेगी।

5वीं सदी के जहाजों की तर्ज पर बना

बात हो रही है, गुजरात के पोरबंदर से ओमान के मस्कट की यात्रा के लिए रवाना हुए आईएनएससी कौंडिन्या की, जो 5वीं सदी के जहाजों की तर्ज पर बनाया गया है और जिसका डिजाइन अंजता की गुफाओं में शामिल गुफा नंबर 17 में बनी 5वीं सदी की चित्रकारी से लिया गया है। यह दुनिया का पहला जहाज है, जिसमें न इंजन है, न स्टील-एल्युमीनियम लगा है। न इसमें कोई कील ठोकी गई है और न ही कोई स्क्रू लगाया गया है। बल्कि लकड़ी की तख्तियों को नारियल की रस्सियों से सीलकर बनाया गया है।

2025 में लॉन्च

सिलाई करने की पारंपरिक तकनीक से बनाए गए इस जहाज में पतवार लगी है और इसे चप्पुओं से चलाया जाता है। फरवरी 2025 में इसे लॉन्च किया गया था और 21 मई 2025 को कारवार पोर्ट से इसे नौसेना में कमीशन किया गया था।

यह जहाज युद्धपोत नहीं है और असल में इसे जहाज भी नहीं, नौका कहेंगे जो पालों से स्पीड लेगी और जिसे हवा समुद्र की लहरों पर आगे बढ़ने के लिए पुश करेगी।

प्राचीन भारतीय व्यापार मार्गों को फिर से जीवंत करने के लिए इसे समुद्री यात्रा पर भेजा गया है।

कड़ाके की सर्दी का प्रकोप पारा 4 डिग्री से नीचे

भोपाल, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश इन दिनों भीषण ठंड, घने कोहरे और शीतलहर की गिरफ्त में है। उत्तर भारत से आ रही सर्द हवाओं के चलते प्रदेश के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री के आसपास पहुंच गया है, जबकि दिन का तापमान भी कई शहरों में 20 डिग्री से नीचे बना हुआ है। बीती रात शहडोल जिले के कल्याणपुर में पारा गिरकर 3.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पचमढ़ी, शाजापुर, रायसेन सहित कई जिलों में सुबह के समय ओस की बूंदें जमती नजर आईं।

मंगलवार सुबह उत्तरी मध्यप्रदेश में घना कोहरा छाने से भोपाल, इंदौर और उज्जैन की ओर आने-जाने वाली कई ट्रेनें 4 से 5 घंटे तक देरी से चल रही हैं। तेज सर्दी को देखते हुए प्रदेश सरकार ने 31 दिसंबर से 4 जनवरी तक विंटर वेकेशन घोषित किया है। इस दौरान यूकेजी से लेकर 12वीं तक के सभी शासकीय और निजी स्कूल बंद रहेंगे। स्कूल शिक्षा विभाग ने इसके आदेश भी जारी कर दिए हैं।

उत्तराखंड: रामनगर जा रही बस खाई में गिरी, 7 यात्रियों की मौत

अल्मोड़ा, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। तहसील क्षेत्र के अंतर्गत विनायक के पास सैलापानी के समीप एक यात्री बस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से बड़ा हादसा हो गया। इस दर्दनाक दुर्घटना में सात यात्रियों की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त बस रामनगर की ओर जा रही थी। बताया जा रहा है कि सैलापानी के पास अचानक बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही छह यात्रियों की मौत हो गई। पांच शवों को घटनास्थल से बाहर निकाला गया, जबकि एक अन्य मृतक की पुष्टि बाद में हुई है। वहीं एक घायल महिला की मौत सीएचसी भिकियासैंण अस्पताल में हो गई है, जिसके बाद मरने वालों की संख्या सात पहुंची है। मृतकों की पहचान और पते का पता लगाने का कार्य प्रशासन द्वारा किया जा रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और आपदा प्रबंधन की टीमें मौके पर पहुंच गईं। स्थानीय लोगों ने भी राहत और बचाव कार्य में अहम भूमिका निभाई। पुलिस के अनुसार खाई की गहराई अधिक होने के कारण रेस्क्यू अभियान में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, हालांकि युद्धस्तर पर बचाव कार्य जारी है। घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों में भेजा गया है, जबकि गंभीर रूप से घायल यात्रियों को उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर किया जा रहा है। प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को सूचना देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर सड़क की स्थिति और चालक द्वारा नियंत्रण खोने की आशंका जताई जा रही है। प्रशासन ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया है। दुर्घटना हुई बस रामनगर के कुमाऊं मोटर ऑनर्स यूनियन (केएमओयू) लिमिटेड संस्था की बस संख्या यूके 07 पीए 4025 थी।

सोमवार को पूर्वाह्न 11 बजे द्वाराहाट नोबाड़ा के लिए चली थी। आज सुबह बस साढ़े छह बजे नोबाड़ा से चली थी। करीब आठ बजे बस सैलापानी बैंड के समीप दुर्घटना हो गई। चालक परिचालक ठीक है। बस रामनगर के मोहम्मद अल्ताफ की है।

टीआई ने फंदे से लटके युवक की जान बचाई: सीपीआर देकर दी नई जिंदगी

उज्जैन, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। नागदा में एक युवक ने फांसी लगा ली। ये देख उसके पिता इलाके में गश्त कर रहे नागदा थाना प्रभारी अमृतलाल गवरी के पास दौड़ते हुए पहुंचे। उन्होंने टीआई को बेटे के फंदे से झूलने की बात कही। टीआई गवरी तुरंत मौके पर पहुंचे। कमरे का दरवाजा तोड़ा और युवक को फंदे से नीचे उतारा। परिजन युवक को मृत समझकर विलाप कर रहे थे। इधर, टीआई ने युवक को सीपीआर देना शुरू किया। कुछ ही सेकंड में उसके शरीर में हलचल होने लगी। पुलिस युवक को अस्पताल ले गई। हालात सामान्य होने पर अस्पताल से युवक को छुट्टी दे दी गई है।

फायनेंसकर्मी युवती से छेड़छाड़ के बाद मारपीट

इंदौर, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। भागीरथपुरा में रहने वाली एक युवती ने अपने पूर्व पड़ोसी के खिलाफ छेड़छाड़ और मारपीट को लेकर सोमवार देर रात थाने में शिकायत की है। युवती का कहना है कि उसका पूर्व पड़ोसी उसका पीछा करते हुए आया और उसके साथ छेड़छाड़ की। जब इस बात का विरोध किया तो आरोपी ने मारपीट की। रात में हिंदूवादी संगठन के लोगों को जानकारी लगी। पीड़िता को लेकर वह मामले में थाने पहुंचे हैं। बाणगंगा पुलिस ने 19 साल की युवती की शिकायत पर तरुण पुत्र प्रहलाद सूर्यवंशी के खिलाफ छेड़छाड़ को लेकर एफआईआर की है।

वन विभाग के बीट अफसर ने बेच दिया ईमान, गूगल-पे से ली रिश्वत, विजिलेंस ने रंगे हाथ किया गिरफ्तार

बिलासपुर, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। बीट ऑफिसर ने अपना ईमान बेच दिया। सरकार से सैलरी भी मिल रही थी। लेकिन उससे गुजारा नहीं होता था और अपना जमीर बेच दिया। विजिलेंस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले का है। दरअसल, बिलासपुर जिला में विजीलैंस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वन विभाग के बीट ऑफिसर समीर मोहम्मद को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी बीट ऑफिसर पर खैर के पेड़ों की मार्किंग के बदले ठेकेदार से रिश्वत मांगने का आरोप है।

75 लाख कैश और आलीशान बंगले

सास के घर को बना दिया 'कुबेर का खजाना'! रंगे हाथ फंसे तहसीलदार

भुवनेश्वर, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। ओडिशा विजिलेंस ने साल के अंत में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक और बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक की है। कटक जिले के बारांग तहसील में तैनात एडिशनल तहसीलदार जितेंद्र कुमार पांडा के ठिकानों पर हुई छापेमारी ने सबको सन्न कर दिया है। विजिलेंस की टीम ने तहसीलदार साहब के पास से नोटों का ऐसा पहाड़ बरामद किया है, जिसे गिनते-गिनते मशीनें भी गर्म हो गईं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि उन्होंने अपनी काली कमाई का यह जखीरा अपनी बीमार सास के घर में छिपा रखा था।

बिस्तर पर सास, घर में नोटों का अंबार- विजिलेंस अधिकारियों के मुताबिक, छापेमारी के दौरान भुवनेश्वर के बडगड़ा स्थित ब्रिट कॉलोनी में जितेंद्र कुमार पांडा की सास के घर से लगभग 75 लाख रुपये नकद बरामद हुए हैं। बताया जा रहा है कि उनकी सास बिस्तर पर हैं और तहसीलदार साहब ने इसी का फायदा उठाकर उनके घर को अपनी 'सेफ तिजोरी' बना लिया था।

विजिलेंस को शक न हो, इसलिए उन्होंने भारी मात्रा में नकदी वहां डंप कर दी थी। आलीशान बंगले और लग्जरी कार का शौक: सिर्फ नकदी ही नहीं, तहसीलदार पांडा की संपत्ति का ब्यौरा देखकर अधिकारियों की आंखें फटी रह गईं। अब तक की जांच में उनके और उनके परिवार के नाम पर करोड़ों की चल-अचल संपत्ति का खुलासा हुआ है: इस हाई-प्रोफाइल रेड के लिए विजिलेंस विभाग ने पूरी तैयारी की थी। 4 डीएसपी, 7 इंस्पेक्टर, 1 सब-इंस्पेक्टर और 8 एएसआई की एक बड़ी टीम ने एक साथ 4 ठिकानों पर धावा बोला। बारांग तहसील कार्यालय में भी उनके चैंबर की तलाशी ली गई है। विजिलेंस ने बताया कि एसबीआई में उनका एक लॉकर अभी खुलना बाकी है, जिसमें और भी राज छिपे हो सकते हैं। फिलहाल तहसीलदार पांडा से पूछताछ जारी है कि आखिर एक सरकारी मुलाजिम के पास इतनी अकूत दौलत कहां से आई।

'आप को भ्रष्टाचारियों से इतना प्रेम क्यों है?' दिल्ली के गृह मंत्री ने आप पार्टी पर बोला हमला

नई दिल्ली, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार के मंत्री आशीष सूद ने मंगलवार को प्रेसवार्ता कर आम आदमी पार्टी (आप) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव में हार के दस महीने बाद भी आप पार्टी हार नहीं पचा पाई है और लगातार इंटरनेट मीडिया के जरिए झूठ और दुष्प्रचार फैला रही है। मंत्री आशीष सूद ने कहा कि दिल्ली के सामाजिक ताने-बाने को बिगाड़ने के लिए पूरे दिन योजनाबद्ध कैंपेन चलाया गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि जानबूझकर प्रशासन और सरकार के खिलाफ भ्रम फैलाया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि सोशल मीडिया पर यह झूठ फैलाया गया कि शिक्षकों को आवारा कुत्तों की गिनती के काम में लगाया गया है। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि अगर ऐसा कोई सर्कुलर या आदेश मौजूद है, तो आम आदमी पार्टी उसे सार्वजनिक करे, अन्यथा जनता से माफी मांगे। उन्होंने कहा कि तहसीलदार और सब-इंस्पेक्टर के सस्पेंशन के मामलों में भी प्रशासन के खिलाफ गलत नैरेटिव फैलाया गया। जब भी भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई होती है, आम आदमी पार्टी उनके समर्थन में खड़ी नजर आती है। आशीष सूद ने सवाल उठाया कि आम आदमी पार्टी को भ्रष्टाचारियों से इतना प्रेम क्यों है? उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त और निष्पक्ष कार्रवाई कर रही है और आगे भी यह अभियान जारी रहेगा। मंत्री ने 25 तारीख को फैलाए गए एक और कथित झूठ का जिक्र करते हुए कहा कि यह अफवाह उड़ाई गई कि सांता क्लॉज बनकर आने वाले बच्चों पर कार्रवाई होगी। उन्होंने सवाल किया कि अगर ऐसा कोई आदेश था तो उसे सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया? इसके अलावा डीएसएसएसबी की आयु-सीमा बढ़ाने को लेकर भी आम आदमी पार्टी पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया गया।

मंत्री ने कहा कि डीएसएसएसबी दिल्ली सरकार के अधीन आता है और भर्ती उसकी जिम्मेदारी है, बावजूद इसके केंद्र सरकार का बहाना बनाकर जनता को गुमराह किया गया। प्रेसवार्ता के अंत में मंत्री आशीष सूद ने फिर दोहराया कि अगर शिक्षकों से कुत्तों की गिनती कराने का कोई आदेश है, तो आम आदमी पार्टी उसे सार्वजनिक करे, अन्यथा झूठ फैलाने के लिए माफी मांगे।

'मां की आय ज्यादा तो पिता बच्चों के भरण-पोषण से मुक्त नहीं'

दिल्ली एचसी ने समझाया जिम्मेदारी का चैप्टर

नई दिल्ली, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि केवल इस आधार पर मां की आय ज्यादा है, पिता अपने नाबालिग बच्चों के भरण-पोषण की जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता। अदालत ने कहा कि बच्चों का पालन-पोषण दोनों माता-पिता की कानूनी, नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी है और किसी एक की अधिक आय दूसरे की जिम्मेदारी खत्म नहीं करती। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने कहा कि मां की आय अधिक है और उसकी कस्टडी में बच्चे हैं, वे पहले से ही कमाने के साथ-साथ प्राथमिक देखभालकर्ता की दोहरी जिम्मेदारी निभा रही है। ऐसे में पिता अपनी आय छुपाकर या तकनीकी दलीलों के सहारे जिम्मेदारी से बच नहीं सकता।

अदालत ने कहा कि कानून किसी भी कार्यशील मां को शारीरिक, आर्थिक और मानसिक रूप से थका देने की इजाजत नहीं देता, जबकि पिता अपनी जिम्मेदारी से पीछे हट जाए। यह फैसला उस मामले में आया, जिसमें एक व्यक्ति ने निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी थी। निचली अदालत ने दिसंबर 2023 में पति को तीनों बच्चों के लिए 30 हजार रुपये मासिक अंतरिम भरण-पोषण देने का आदेश दिया था, जिसे सत्र अदालत ने भी बरकरार रखा। पति ने हाई कोर्ट में दावा किया कि उसकी आय केवल नौ हजार रुपये है, जबकि पत्नी की 34,500 रुपये, इसलिए उस पर पूरा भार डालना कानून के सिद्धांतों के खिलाफ है। उसने पत्नी पर कानून के दुरुपयोग का भी आरोप लगाया। पत्नी ने तर्क दिया कि बच्चों की पढ़ाई, देखभाल, इलाज और रोजमर्रा की जिम्मेदारियां पूरी तरह उसी पर हैं और बच्चों के भरण-पोषण की जिम्मेदारी पिता से खत्म नहीं हो सकती। अदालत ने टिप्पणी की कि पत्नी का आचरण निर्भरता नहीं बल्कि जिम्मेदारी का भाव दर्शाता है

रेलवे स्टेशन के बाहर बस हादसे में 4 मौतों का जिम्मेदार कौन?

मुंबई, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई के भांडुप (पश्चिम) रेलवे स्टेशन के पास एक बस ने कई राहगीरों को रौंद दिया। इस हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई और 14 लोग घायल हैं। हादसे की वजह तंग मोड़ को बताया जा रहा है, जहां यू-टर्न लेते समय बस बेकाबू हो गई और फुटपाथ पर कई लोगों को रौंदती चली गई। यह हादसा कुर्ला बस दुर्घटना के ठीक 1 साल बाद देखने को मिला है, जिसमें 9 लोगों की जान चली गई थी। सोमवार की रात वीस्ट बस चालक रूट नंबर 606 पर यू-टर्न लेने की कोशिश कर रहा था, तभी बस एक खंभे से टकराकर फुटपाथ पर चढ़ गई। यह हादसा बीती रात लगभग 10:05 बजे हुआ। स्टेशन के बाहर भारी संख्या में लोग मौजूद थे।

विक्रोली डिपो की वेट लीज इलेक्ट्रिक एसी बस से यह हादसा हुआ, जिसे संविदा पर नियुक्त किया ड्राइवर चला रहा था। पुलिस ने 52 वर्षीय संतोष रमेश सावंत को हिरासत में लिया है। उसके खिलाफ लापरवाही और तेज रफ्तार में बस चलाने के कारण मौत का मुकदमा दर्ज किया गया है। वीस्ट के अधिकारियों ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही उन्होंने ड्राइवर को भी निलंबित कर दिया है।

पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ के नाम पर डिजिटल अरेस्ट

बुजुर्ग महिला से 3.71 करोड़ ठगे, सूरत से एक आरोपी गिरफ्तार

मुंबई/सूरत, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई में 68 साल की एक महिला से 3.71 करोड़ की ठगी हो गई। आरोपियों ने खुद को मुंबई के कोलाबा पुलिस स्टेशन के साथ-साथ केंद्रीय एजेंसियों का कर्मचारी बताया था। इन लोगों ने नकली ऑनलाइन कोर्ट सुनवाई भी की, जिसमें एक व्यक्ति ने खुद को पूर्व सीजेआई चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ बताया था। इस मामले में साइबर पुलिस ने एक आरोपी को सूरत से पकड़ा है। आरोपी के खाते में 1.71 करोड़ रुपए ट्रांसफर हुए थे। उसने यह खाता फर्जी कपड़ा कंपनी के नाम पर खुलवाया था। इसके बदले उसे 6.40 लाख रुपए कमीशन मिला।

साइबर ठगों ने 2 महीने तक धोखे में रखा

महिला मुंबई के अंधेरी वेस्ट में रहती है। महिला पर धोखेबाज लगातार नजर रख रहे थे। 18 अगस्त को महिला को एक कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को कोलाबा पुलिस स्टेशन का अफसर बताया। साथ ही कहा कि उसके बैंक खाते का इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग में हो रहा है। फिर धमकाया कि किसी को कुछ बताया तो कार्रवाई होगी। इसके बाद महिला से बैंक डिटेल्स मांगी गईं। कहा गया कि अब सीबीआई जांच करेगी। आरोपी ने महिला से उसके जीवन पर दो से तीन पेज का निबंध भी लिखवाया। फिर महिला से कहा कि उसे उसकी बेगुनाही पर यकीन हो गया है और वह यह सुनिश्चित करेगा कि उसे जमानत मिल जाए।

महिला से मांगे इन्वेस्टमेंट से जुड़े दस्तावेज

एक आरोपी ने अपना नाम एसके जायसवाल बताया। उसने वीडियो कॉल पर महिला को एक व्यक्ति से मिलवाया, जिसने खुद को सुप्रीम कोर्ट का जस्टिस चंद्रचूड़ बताया। उसने महिला से निवेश से जुड़े दस्तावेज मांगे। महिला ने दो महीने में करीब पौने चार करोड़ रुपए खातों में ट्रांसफर कर दिए। कॉल न आने पर महिला को ठगी का अहसास हुआ। इसके बाद महिला ने वेस्ट रीजन साइबर पुलिस स्टेशन से संपर्क किया। फिर मामला दर्ज हुआ। जांच में पता चला कि उसका पैसा कई म्यूल खातों में ट्रांसफर किया गया था, जिनमें से एक का पता गुजरात के सूरत में चला। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ की तो उसने इस रैकेट के दो मास्टरमाइंड के बारे में जानकारी दी, जो अभी विदेश में हैं। उनमें से एक का इमिग्रेशन और वीजा सर्विस का बिजनेस है।

कौन हैं जस्टिस चंद्रचूड़, जिनके नाम पर ठगी हुई

पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ भारत के 50वें चीफ जस्टिस के रूप में दो साल तक पद पर रहे। जस्टिस चंद्रचूड़ 13 मई 2016 को इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस से सुप्रीम कोर्ट में प्रमोट किए गए थे। अपने कार्यकाल में सीजेआई चंद्रचूड़ 1274 बेंचों का हिस्सा रहे। उन्होंने कुल 612 फैसले लिखे। वे 10 नवंबर 2024 में रिटायर हुए। वर्तमान में वे नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (एन एल यू) दिल्ली में प्रोफेसर के रूप में काम कर रहे हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: सन्तुष्टता व खुशी साथ-साथ रहते हैं। इन गुणों से दूसरे आपकी ओर स्वतः आकर्षित होंगे

तिरुमला में भव्य रूप से वैकुण्ठ द्वार दर्शन प्रारंभ, श्रद्धालुओं का तांता

> मंदिर परिसर भक्तों के गोविन्द नाम की गूंज से गुंजायमान > एआई कमांड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से निरंतर निगरानी

तिरुमला, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला श्रीविरि मंदिर में मंगलवार को प्रतिष्ठित वैकुण्ठ द्वार दर्शन का भव्य उद्घाटन किया गया। मंदिर परिसर भक्तों के गोविन्द नाम की गूंज से गुंजायमान रहा। श्री वेंकटेश्वर के दर्शन के बाद श्रद्धालुओं ने वैकुण्ठ द्वार से प्रवेश किया। टीटीडी के अध्यक्ष बी.आर. नायुडू, कार्यकारी अधिकारी श्री अनिल कुमार सिंघल और अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी श्री च. वेंकैय्या चौधरी ने मंदिर और बाहरी कतार व्यवस्थाओं का व्यक्तिगत निरीक्षण किया। उन्होंने भक्तों से बातचीत कर उनकी प्रतिक्रिया भी ली। टीटीडी अध्यक्ष श्री बी.आर. नायुडू ने मीडिया से बातचीत में कहा कि भक्तों को किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े, इसके लिए अभूतपूर्व व्यवस्थाएं की गई हैं। उन्होंने कहा कि वैकुण्ठ द्वार दर्शन सुचारू रूप से चल रहा है और भक्त व्यवस्थाओं से अत्यंत संतुष्ट हैं। टीटीडी कार्यकारी अधिकारी अनिल कुमार सिंघल ने बताया कि वैकुण्ठ द्वार सुबह 12.05 बजे खोले गए। इसके बाद पुरोहितों ने दैनिक अनुष्ठान किए और फिर दर्शन शुरू हुआ।

मुख्यमंत्री श्री नारा चंद्रबाबू नायुडू के निर्देशानुसार, वैकुण्ठ द्वार दर्शन के दौरान सामान्य भक्तों को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने बताया कि पहले तीन दिनों के लिए केवल ई-डिप टोकन वाले भक्तों को दर्शन की सुविधा रहेगी। टोकन न रखने वाले भक्त 2 जनवरी से 8 जनवरी तक सर्व दर्शन कतार में वैकुण्ठ द्वार दर्शन कर सकते हैं। टीटीडी के दिशानिर्देशों का पालन कर भक्त आसानी से दर्शन कर सकते हैं। सुरक्षा के लिए लगभग 3,500 पुलिस और सतर्कता कर्मियों की तैनाती की गई है। एआई कमांड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से निरंतर निगरानी की जा रही है। टोकनधारियों को पहले तीन दिनों में अपने समय स्लॉट का सख्ती से पालन करने की सलाह दी गई है। वैकुण्ठ एकादशी के अवसर पर मंगलवार को स्वर्ण रथ समारोह का आयोजन तिरुमला में भव्य रूप से किया गया। सुबह 9 बजे से 10.30 बजे तक मलयप्पा स्वामी की रथारंग दौलत माडा स्ट्रीट्स में संपन्न हुई, जिसने भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। भक्तों की बड़ी संख्या ने रथ खींचने में भाग लिया। इस शुभ अवसर पर तिरुमला श्रीविरि मंदिर में सभी अर्जित सेवाएं रद्द कर दी गईं। मंदिर में पुष्प सज्जा ने भक्तों का मन मोह लिया। महाद्वार से लेकर ध्वजस्तंभ और वैकुण्ठ द्वार तक मंदिर को फलों, रंग-बिरंगे फूलों और पत्तियों से पारंपरिक रूप से सजाया गया। भक्तों को दिव्य अनुभव देने के लिए विशेष इंतजाम किए गए। दस दिनों के लिए लगभग 50 टन पारंपरिक फूल, 10 टन फल और 4 टन अतिरिक्त फूल सजावट में उपयोग किए जा रहे हैं। श्रीविरि मंदिर के निकट स्थापित श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर का सेटअप भक्तों को अत्यधिक आकर्षित कर रहा है।

इसे टीटीडी गार्डन विभाग के उप निदेशक श्रीनिवासुलु की देखरेख में दाताओं के सहयोग से सजाया गया है। वैकुण्ठ द्वादशी पर श्री सुदर्शन चक्रथल्वर का चक्र स्नान बुधवार को सुबह 4.30 बजे से 5.30 बजे तक श्री स्वामी पुष्करिणी में संपन्न होगा। ऐसा माना जाता है कि इस शुभ समय पर पवित्र स्नान करने वाले भक्तों को तिरुमला के शेषाचल पर्वत के 66 करोड़ तीर्थों के स्नान के समान पुण्य प्राप्त होगा।

हैदराबाद में नए साल की पूर्व संध्या पर कड़े ट्रैफिक प्रतिबंध

> टैंक बंड, नेकलेस रोड बंद, शहर हाई अलर्ट पर

हैदराबाद, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने 31 दिसंबर की रात नए साल के जश्न के दौरान जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरे शहर में व्यापक ट्रैफिक प्रतिबंध और डायवर्ज़न की घोषणा की है। रात 11 बजे से आवश्यकतानुसार ट्रैफिक प्रतिबंध लागू होंगे, जिसमें टैंक बंड, एनटीआर मार्ग और पीवीएनआर मार्ग (नेकलेस रोड) को रात 11 बजे से 2 बजे तक सभी निजी और सार्वजनिक वाहनों के लिए पूर्ण रूप से बंद किया जाएगा। शहर के 217 प्रमुख चौराहों पर विशेष रूप से बाजारों, मॉल, पब, रेस्टोरेंट और उत्सव स्थलों जैसे बांजारा हिल्स, जूबिली हिल्स, पंजागुट्टा, खैरताबाद और सैफाबाद में भारी पुलिस तैनाती की जाएगी।

हुसैन सागर के आसपास जरूरत के हिसाब से डायवर्ज़न, खैरताबाद, लिबर्टी, रानीगुंज, कारबाला और कावाड़ीगुडा के रास्तों से वैकल्पिक मार्ग होगा। नए साल की रात अधिकांश फ्लाईओवर्स बंद, केवल बेगमपेट और टोलीचौकी खुले रहेंगे। पीवीएनआर एक्सप्रेसवे केवल आरजीआईए जाने वाले यात्रियों के लिए खुला रहेगा। भारी वाहन, लॉरी, निजी बस और एचजीवी/एचपीवी को रात 10 बजे से 2 बजे तक शहर में प्रवेश प्रतिबंधित रहेंगे। टैंक बंड आने वाले पैदल यात्रियों के लिए विशेष पार्किंग सुविधाएं उपलब्ध होगी।

यदाद्री भुवनगिरी के नए एसपी अक्षांश यादव ने कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यदाद्री भुवनगिरी के नए एसपी अक्षांश यादव ने कार्यभार संभाला लिया है। सरकारी आदेशों के अनुसार, अक्षांश यादव ने मंगलवार को यदाद्री भुवनगिरी जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) के रूप में अपने पद की जिम्मेदारियां संभालीं। यादाद्री भुवनगिरी ज़ोन पहले राचकोंडा कमिश्नरेट के अंतर्गत आता था। सरकार के निर्देशानुसार इसे विशेष रूप से यदाद्री भुवनगिरी जिले के रूप में स्थापित किया गया है। इससे पहले अक्षांश यादव डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (डीसीपी) के रूप में जिम्मेदारियां निभा रहे थे और अब उन्होंने एसपी के रूप में पूरी जिले की पुलिस जिम्मेदारी संभाल ली है।

मुख्य आरोपी फर्जी पहचान से चला रहा था नेटवर्क

> आईबोम्मा पायरेसी मामले में बड़ा खुलासा

हैदराबाद, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु राज्यों में हलचल मचाने वाले आईबोम्मा पायरेसी मामले में जांच के दौरान चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने पाया है कि मुख्य आरोपी इम्मांडी (एम्मांडी) रवि फर्जी पहचान के जरिए बड़े पैमाने पर पायरेसी नेटवर्क चला रहा था।

पुलिस के अनुसार रवि ने एक अनजान व्यक्ति के जाली पहचान दस्तावेजों का इस्तेमाल कर पायरेसी से जुड़ी गतिविधियां संचालित कीं। उसने दावा किया था कि उसके पास कैरेबियन द्वीप समूह की नागरिकता है, लेकिन वह हैदराबाद के कुकाटपल्ली इलाके में रह रहा था और फरार नहीं हुआ था। जांच में सामने आया कि रवि ने अपने मित्र वी प्रहलाद के नाम पर धोखाधड़ी से पैन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस बनवाए थे। पहले उसने पुलिस को बताया था कि प्रहलाद उसका पूर्व रूममेट था और उसकी सहमति से नाम का उपयोग किया गया था, लेकिन जांच में यह दावा गलत निकला। बेंगलुरू में कार्यरत सॉफ्टवेयर पेशेवर प्रहलाद को पूछताछ के लिए बुलाया गया।

उसने पुलिस को बताया कि वह कभी रवि से नहीं मिला और न ही कभी साथ रहा। उसे यह जानकर गहरा सदमा लगा कि उसकी जानकारी के बिना उसके नाम पर पहचान पत्र जारी किए गए थे। प्रहलाद ने आरोप लगाया कि रवि ने उसके दस्तावेजों में हेराफेरी कर अवैध गतिविधियों के लिए उनका दुरूपयोग किया। पुलिस को संदेह है कि रवि ने चुपके से प्रहलाद के निजी दस्तावेज चुराकर फर्जी पहचान पत्र बनवाए और उनका इस्तेमाल बैंक खाते खोलने व पायरेसी से जुड़े ऑनलाइन लेनदेन में किया। विशाखापट्टनम निवासी रवि इस मामले में मुख्य आरोपी है और पुलिस उससे हिरासत में कई बार पूछताछ कर चुकी है। जांच में जब्त की गई हार्ड ड्राइव में विभिन्न भाषाओं की करीब 21,000 पायरेटेड फिल्में मिली हैं।

एसपीडीसीएल के लिए नागरिक-केंद्रित बिजली सुधार का मील का पत्थर रहा 2025 : सीएमडी

हैदराबाद, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना साउदर्न पावर डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी लिमिटेड (टीजीएसपीडीसीएल) ने 2025 को नागरिक-केंद्रित पहल और बिजली सुधारों का वर्ष बताया। सीएमडी मुशर्रफ फ़रूकी ने कहा कि करेंटोला प्रजा बाटा कार्यक्रम ने बुनियादी स्तर पर बिजली सेवाओं को बेहतर किया है। इस कार्यक्रम के तहत हर मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को सुबह 8 बजे से फील्ड स्टाफ बस्तियों, कॉलोनियों और गांवों में जाकर ग्राहकों की समस्याओं का समाधान उसी दिन करता है।

कार्यक्रम के तहत लगभग 1,800 क्षतिग्रस्त पोल ठीक किए गए और 800 किमी खतरनाक ओवरहेड लाइन को इंसुलेटेड एब्रील बंच्ड केबल से बदलकर सार्वजनिक सुरक्षा बढ़ाई गई। नगर क्षेत्रों में जगह की कमी को देखते हुए नए ट्रांसफॉर्मर सीधे पोल पर लगाए जा रहे हैं। 304 स्थानों पर ट्रांसफॉर्मर की मंजूरी दी गई, जिनमें से लगभग 150 पहले ही स्थापित हो चुके हैं। अगले वर्ष लगभग 6,500 नए ट्रांसफॉर्मर लगाए जाएंगे। साल 2025 में टीजीएसपीडीसीएल ने 7,531 नए वितरण ट्रांसफॉर्मर और 291 पावर ट्रांसफॉर्मर स्थापित किए। इसके अलावा 97 नए 33/11 केवी सबस्टेशन का निर्माण पूरा करने का लक्ष्य है। सीएमडी ने कहा कि टीजीएसपीडीसीएल के इंजीनियर और स्टाफ उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं और भरोसेमंद बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए और मेहनत जारी रखेंगे।

वैभवपूर्ण ढंग से निकली श्रीवारी स्वर्ण रथ की शोभायात्रा

तिरुमला, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वैकुंठ एकादशी के अवसर पर मंगलवार को तिरुमला में स्वर्ण रथ की शोभायात्रा भव्य रूप से आयोजित की गई। सुबह 9:00 बजे से 10:30 बजे तक मलयप्पा स्वामी का रथरंग डोलोत्सवम् माड़ा सड़कों पर अत्यंत भव्यता के साथ संपन्न हुआ, जिसने भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस रथोत्सव में बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया और रथ खींचने के उत्सव में उत्साहपूर्वक शामिल हुए। इस शुभ दिन पर तिरुमला श्रीवारी मंदिर में सभी अर्जित सेवाएं रद्द कर दी गईं। टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी (ईओ) अनिल कुमार सिंघल, अतिरिक्त ईओ च. वेंकैया चौधरी, सीवीएसओ श्री मुरलीकृष्ण, एसपी सुब्बारायुडु एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME DATE OF BIRTH

I, Army no 17019063W, Rank - CFN/Auto Elect B veh, Diyya Viodh, Unit -110 Engr regt, C/o - 99APO, S/o Diyya Sreehari , Residing at D. No - 4-41, Lingamgunta (V&P), Maddipadu (md), Prakasam (Dt), Andhrapradesh, pin-523262. hereby declare that my fathers name and date of birth was wrongly mentioned in my official record in the department of army.as Diyya Sri Hari and date of birth is 08-11-1968 instead of my father correct name is Diyya Sreehari (as per adhar card)and date of birth is 08-11-1970(as per adhar card) in my service records. Wide affidavit dated 27-12-2025 Sworn before notary at ongole.

CHANGE OF DATE OF BIRTH

I, Army no 17019063W, Rank-CFN/Auto Elect B veh, Diyya Vinodh, Unit -110 Engr regt, C/o 99APO, S/o Diyya Sreehari , Residing at D.No:4-41, Lingamgunta (V&P), Maddipadu(md), Prakasam (Dt), Andhrapradesh, pin-523262. here by declare that my mother Diyya Radha date of birth was wrongly mentioned ,Whose actual/correct date of birth is 27/02/1972 which is correctly mentioned in aadhaar card of my mother. But in my official record in the department of army. Date of birth was wrongly mentioned as 27/02/1970 instead of 27/02/1972 wide affidavit dated 27-12-2025 sworn before notary at ongole.

CHANGE OF NAME

I, N Sakuntala, Spouse of No.14613334F, NK, D Lokanadham, R/o, Dist: Srikakulam, A P, changed my name from N Sakuntala to Dundangi Sakuntala, vide Affidavit No BN 820710 dt. 30.12.2025, before Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

हरीश राव ने सिंचाई परियोजनाओं के लिए 30 करोड़ रुपये की मांग की

सिद्दिपेट, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी से अनुरोध किया कि अनंतगिरि सागर और रंगनायका सागर परियोजनाओं के लिए 15 करोड़ रुपये प्रत्येक की मंजूरी दी जाए, ताकि अधिकारी भूमि अधिग्रहण और लघु व उप-लघु नहरों पर काम शुरू कर सकें। हरीश राव ने पत्र में कहा कि दोनों परियोजनाओं के लिए संयुक्त 30 करोड़ रुपये एक लाख एकड़ क्षेत्र को सिंचित करने में सहायक होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार उनकी बार-बार की गई मांगों को अनदेखा कर रही है और आवश्यक अनुदान जारी नहीं किया गया। उन्होंने याद दिलाया कि बीआरएस शासन के दौरान 2020 से 2023 तक इन परियोजनाओं से एक लाख एकड़ भूमि सिंचित की गई थी और प्रत्येक यशंगी ऋतु में पानी बांधों, झीलों, नालों और नहरों में छोड़ा जाता था। हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर मल्लन्ना सागर, कोंडापोचम्मा सागर, रंगनायका सागर और अनंतगिरि सागर की अनदेखी करने का आरोप भी लगाया।

सीईटी 2026 का कार्यक्रम जारी ईएपीसीईटी 4 मई से

हैदराबाद, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद ने मंगलवार को तेलंगाना कॉमन एंट्रेंस टेस्ट 2026 का कार्यक्रम जारी कर दिया है। कार्यक्रम के अनुसार टीजी ईएपीसीईटी परीक्षा 4 मई से आयोजित की जाएगी। कृषि और फार्मेसी पाठ्यक्रमों के लिए ईएपीसीईटी 4 और 5 मई को होगी, जबकि इंजीनियरिंग स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा 9 से 11 मई तक आयोजित की जाएगी। जारी कार्यक्रम के अनुसार दो वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए एडसीईटी 12 मई को आयोजित की जाएगी। एमबीए और एमसीए में प्रवेश के लिए आईसीईटी परीक्षा 13 और 14 मई को होगी। इंजीनियरिंग और फार्मेसी के द्वितीय वर्ष में लेटरल एंट्री के लिए ईसीईटी 15 मई को आयोजित की जाएगी।

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. DYCEGSUWATENGG 2025012, दिनांक : 11.12.2025

कार्य का नाम: पूर्व तट रेलवे के उर्लाम - श्रीकाकुलम स्टेशनों के बीच कि.मी. 746/15-17 पर मौजूदा मानवयुक्त लेवल क्रॉसिंग के बदले रोड ओवर ब्रिज (ROB) नं 425 का निर्माण, जिसमें 1X51 मीटर CG + 2X18 मीटर CG + 5X30 मीटर PSC गर्डर + RE दीवारें शामिल हैं।

कार्य की अनुमानित लागत (₹): 47,26,02,442.91, EMD (₹): 25,13,000.00,

कार्य पूरा होने की अवधि: 24 (चौबीस) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक : 10.01.2026 को 1400 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : http:// www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा खुलने से कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनःअवलोकन करें। निविदाकारों / बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।

निविदाकारों को निविदाकारों के लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ना चाहिए एवं सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।

उप मुख्य अभियन्ता / GSU / वाल्टियर

PR-206/CI/25-26

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें X @SCRailwayindia पर फालो करें। दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे वेबसाइटः www.scr.indianrailways.gov.in पर भी देखें।

सं. वाय/सी.256/एनएफआर/एक्सप्रेस आफ इंटरेस्ट/2025-26, दि.26-12-2025

PUB/1687

रुचि की अभिव्यक्ति

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, द्वारा हैदराबाद डिवीजन पर, प्रीमियम आउटलेट्स को छोडकर, रेल परिसरों में पृथक ब्राण्ड्स **रेल चाय-हर सफर का जाय-टैग लाइन तथा रेल काफी-सिग्नेचर ब्रू टैग लाइन सहित तत्संबंधित के तहत कल्पना को आगे बढाना या कन्सेप्टुलाइजेशन, मानकीकरण, ब्रांडिंग, आपूर्ति तथा चाय एवं काफी** के गतिशील रुप में संचालन हेतु इंडस्ट्रीज, अकादमिक संस्थानों, स्टार्ट-अप्स, एमएसएमइज, पीएसयूज, एजेंसीज/फ्रांचाईसेज तथा स्थापित प्रीमियम टी/काफी ब्राण्ड्स की ओर से रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआय) आमंत्रित हैं।

भोजन या फूड आयटम्स में मिलावट, गुणवत्ता की असमानता तथा स्वच्छता के समस्याओं से संबंधित बढती चिंताओं के दृष्टिगत यह प्रस्तावित किया गया है कि, भारतीय रेलवे में परोसे जानेवाले चाय तथा काफी का, एक नियंत्रित ब्रांड ढांचे के तहत मानकीकरण किया जाये।

रेल चाय एवम् काफी के प्राथमिक विषय व पहलुओं को नीचे दिया गया है:

* समस्त रेल परिसरों में अव्दितीय स्वाद, एकरुपता, गुणवत्ता तथा उचित मूल्य का स्थिरीकरण करना।
* यात्रियों के लिए सुरक्षित, स्वास्थवर्धक, मिलावट रहित तथा मानकीकृत चाय/काफी व्यवस्था की सुनिश्चितता करना।
* चाय/काफी की आपूर्ति में ब्रांडिंग, ट्रेसेबुलिटी एवं उत्तरदायित्व को प्रारंभ करना।
* गैर-किराया राजस्व को बढाते हुए यात्रियों की संतुष्टि में सुधार करना।
* स्टार्ट-अप्स, एमएमसएमइज, ब्रांड्स तथा एकेडमिया-इंडस्ट्री साझेदारी या कोल्लाबोरेशन को प्रोत्साहित करना।

क्रम सं.	कार्य विवरणः	तिथि व समयः
1.	इओआय की अपलोडिंग तिथि	26-12-2025
2.	एसआर. डीसीएम/एचवायबी कार्यालय में इओआय प्रस्तुति की तिथि	28-12-2025

इस रुचि की अभिव्यक्ति या इओआय का उध्देश्य एकमात्र स्वतंत्र व्यक्तियों, कंपनियों, फर्मों तथा किसी भी व्यापार संगठनों से नये एवं मार्केट से जुडे ढंग या आयडिया से अवगत होना है, तथा तत्संबंधित के एचवायबी के साथ साझेदारी की इच्छा उजागर करना एवं तत्संबंधित के बिजनेस माडल्स में राजस्व पैदा करने में भागीदार होना है। अधिक जानकारी हेतु कृपया अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर किसी भी कार्यालयीन दिन में 10.00 से 17.00 बजे के मध्य संपर्क कर सकते हैं।

कृपया हमारे वेबसाइटःwww.scr.indianrailways.gov.in का अवलोकन करें।

इच्छुक पार्टीज के मुहरबंद लिफाफे डाले हुए इओआय या रुचि की अभिव्यक्तियां, अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर प्रेषित कर सकते हैं अथवा इसे आफिशियल id.srdcm@hyb.railnet.gov.in या srdcmhyb@gmail.com पर मेल कर सकते हैं।

A2149

वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद

विशेष मुख्य सचिव का नए हाईकोर्ट कॉम्प्लेक्स के लिए साप्ताहिक समीक्षा का आदेश

> हाईकोर्ट परियोजना के लिए स्वतंत्र इंजीनियरिंग सहायता पर विचार

हैदराबाद, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन, सड़क और भवन विभाग के विशेष मुख्य सचिव विकास राज ने सोमवार को राजेंद्रनगर स्थित नए हाईकोर्ट कॉम्प्लेक्स के निर्माण से जुड़े अधिकारियों और सलाहकारों को निर्देश दिए कि वे निगरानी तंत्र को सख्त करें, तकनीकी जनशक्ति बढ़ाएं और डिज़ाइन कार्यक्रमों का कड़ाई से पालन करें, ताकि परियोजना समय पर पूरी हो।

साइट कार्यालय में समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए, विभाग के मुख्य अभियंता (भवन और विद्युत) और सुपरिटेंडिंग इंजीनियर की उपस्थिति में श्री राज ने निर्धारित समय से परियोजना में देरी पर चिंता व्यक्त की और कहा कि तुरंत प्रभाव से साप्ताहिक समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी। अब हर शनिवार सुबह 9 बजे से 11 बजे तक परियोजना स्थल पर समीक्षा बैठकें होंगी, जिसमें सलाहकारों, स्ट्रक्चरल और एमईपी सब-सलाहकारों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। उन्होंने सलाहकारों से कहा कि तकनीकी स्टाफ और विशेषज्ञ सब-सलाहकारों की संख्या बढ़ाई जाए, ताकि अब तक हुई देरी को पूरा किया जा सके। विशेष मुख्य सचिव ने मुख्य अभियंता (आरएंडबी) भवन को निर्देश दिया कि मौजूदा समझौते के तहत किसी स्वतंत्र इंजीनियरिंग फर्म को तकनीकी मार्गदर्शन के लिए शामिल करने की संभावना का मूल्यांकन किया जाए।

बेहतर योजना और क्रियान्वयन के लिए, सलाहकार को कहा गया कि सभी ड्राइंग अनुमोदित कार्यक्रम के अनुसार प्रस्तुत करें और कम से कम दो महीने पहले उपलब्ध कराएं, ताकि सामग्री की खरीद और श्रमिकों की तैनाती समय पर की जा सके। श्री राज ने चेतावनी दी कि यदि वर्तमान सलाहकार ड्राइंग समयसीमा का पालन नहीं करता है, तो विभाग परियोजना की प्रगति प्रभावित किए बिना वैकल्पिक सलाहकार को नियुक्त करने के लिए अधिकृत होगा। समन्वय की आवश्यकता पर जोर देते हुए, उन्होंने कहा कि विभाग, ठेकेदार और सलाहकार एक साथ मिलकर परियोजना को निर्धारित समय सीमा में पूरा करें।

उन्होंने नागरिक और विद्युत इंजीनियरिंग टीमों को निर्देश दिया कि वे आर्किटेक्चरल और स्पेशल प्रावधानों, एमईपी शाफ्ट सहित, की संयुक्त समीक्षा करें और सुनिश्चित करें कि सभी अंतिम ड्राइंग नेशनल बिल्डिंग कोड (एनबीसी) के मानकों के अनुरूप हों।

जमीन विवाद में छोटे भाई ने की बड़े भाई की पीट-पीटकर हत्या

हैदराबाद, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगा रेड्डी जिले के जिलेडु चौदरिगुडेम में जमीन के लेन-देन को लेकर हुए विवाद में एक 50 वर्षीय व्यक्ति की उसके छोटे भाई ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना सोमवार देर शाम की है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान वेंकटैया के रूप में हुई है, जो चौदरिगुडेम के पीरजापुर गांव का निवासी था। वेंकटैया ने पहले अपनी कृषि भूमि का एक हिस्सा छोटे भाई रामुलु को बेचा था। तय रकम का कुछ हिस्सा दिया गया था, लेकिन शेष राशि का भुगतान नहीं किया गया। बकाया राशि न मिलने से नाराज वेंकटैया ने जमीन किसी अन्य व्यक्ति को बेच दी थी।

पुलिस के साथ मुठभेड़ में घायल हुए सुहैल और शान, हत्या के आरोप में वॉन्टेड थे दोनों आरोपी

गाजियाबाद, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में पुलिस ने 'ऑपरेशन लंगड़ा' के तहत एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए हत्या के मामले में वॉन्टेड 2 शातिर अपराधियों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। दोनों बदमाशों को पैर में गोली लगी है और वे घायल हालत में पकड़े गए। इन दोनों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, थाना अंकुर विहार पुलिस और स्वाट टीम ग्रामीण जोन ने एक जॉइंट ऑपरेशन के तहत कार्रवाई को अंजाम दिया।

पुलिस के मुताबिक, देर रात दादी भोई मैरिज होम के पास चेकिंग के दौरान पुलिस को एक मुखबिर से बदमाशों के बारे में सूचना मिली थी। आरोपियों की पहचान मन्नू उर्फ सुहैल और शान के रूप में हुई है।

बॉयफ्रेंड के लिए हाईवे पर भिड़ीं 2 लड़कियां

कानपुर, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। कानपुर में एक लड़के के लिए 2 लड़कियां आपस में भिड़ गईं। बीच सड़क दोनों के बीच जमकर मारपीट हुई। एक लड़की ने दूसरी लड़की को सड़क पर पटक दिया। बाल पकड़कर उसे सड़क पर घसीटा। बालों को खींचकर उसे 11 थप्पड़ मारे। फिर उसकी छाती और सिर पर लात-घूसे बरसाए। जबकि तीसरी लड़की घटना का वीडियो बनाती रही। मारपीट का 1 मिनट का वीडियो सामने आया है। पीटने वाली लड़की वीडियो में कह रही है- अभिषेक को तूने छोड़ा था। अब जब वह मेरा हो गया, तो तू उसे बाबू बोलेगी।

बता उसे बाबू बोलेगी। जबकि दूसरी लड़की पैर पकड़कर उससे माफी मांगती रही। मगर सफेद कलर के कपड़े पहने हुए लड़की ने उसे पीटना बंद नहीं किया। घटना कुछ दिन पहले ही यशोदा नगर बाईपास की बताई जा रही है। जबकि वीडियो आज सामने आया है।

महाकुंभ के बाद माघ मेले में भी दिखेगा किन्नर अखाड़ा

प्रयागराज, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। महाकुंभ के बाद अब 2026 के माघ मेले में भी किन्नर अखाड़े का शिविर लगने जा रहा है। जनवरी के पहले सप्ताह में अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर डॉ। लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी व अखाड़े की महामंडलेश्वर ममता कुलकर्णी भी यहां आयेंगी। आज बुधवार को माघ मेला क्षेत्र में शिविर के लिए भूमि पूजन होगा। सेक्टर-6 संगम लोवर - ओल्ड जीटी रोड चौराहे पर यह शिविर तैयार होगा।

भूमि पूजन में किन्नर अखाडा प्रयागराज की महामंडलेश्वर कल्याणी नंद गिरि (छोटी मां) व अखाड़े से जुड़े लोग शामिल होंगे। कल्याणीनंद गिरि ने बताया कि शिविर में कथा, प्रवचन, पूजन, हवन, भण्डारा और सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। उन्होंने बताया कि किन्नर अखाड़ा के आचार्य व शिविर व्यवस्थापक किन्नर अखाडा के संरक्षक / महंत दुर्गादास महराज हैं। जिनकी देखरेख में शिविर तैयार किया जाएगा।बता दें कि प्रयागराज में बीते महाकुंभ में ममता कुलकर्णी किन्नर अखाड़े में महामंडलेश्वर बनाई गई थीं। इसके बाद महाकुंभ में यह अखाड़ा और ज्यादा चर्चाओं में आ गया था।

'सतुआ बाबा की रोटी के चक्कर में मत पड़ो'!

माघ मेले के अधूरे घाट देख डिप्टी सीएम केशव मौर्य का गुस्सा फूटा, डीएम को सरेआम लगाई कड़ी फटकार

प्रयागराज, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज में माघ मेले की तैयारियों को लेकर उस समय हलचल मच गई, जब उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य अचानक निरीक्षण के लिए पहुंच गए। संगम नगरी में चल रही व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए डिप्टी सीएम उस वक्त नाराज हो गए, जब संगम नोज पर स्नान घाटों का काम अधूरा मिला। उनकी नाराजगी साफ तौर पर देखने को मिली। निरीक्षण के दौरान जब डिप्टी सीएम अपनी गाड़ी की ओर लौट रहे थे, तभी उन्होंने जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा से एक टिप्पणी की, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। डिप्टी सीएम ने डीएम से कहा, 'सतुआ बाबा की रोटी के चक्कर में मत पड़ो।' इस बयान को सुनकर मौके पर मौजूद लोग अपनी हंसी नहीं रोक पाए, हालांकि इसके पीछे का संदेश काफी गंभीर था।

अधूरे स्नान घाट बने नाराजगी की वजह

दरअसल, संगम नोज माघ मेले का सबसे अहम स्थान माना जाता है। यहां करोड़ों श्रद्धालु स्नान के लिए पहुंचते हैं। निरीक्षण के दौरान जब डिप्टी सीएम ने देखा कि यहां स्नान घाट अब तक पूरी तरह तैयार नहीं हैं, तो उन्होंने मौके पर मौजूद मेला अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों से सवाल-जवाब किए। उन्होंने पूछा कि जिम्मेदार अधिकारी कहां हैं। इसके बाद जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा आनन-फानन में मौके पर पहुंचे। डिप्टी सीएम ने साफ शब्दों में कहा कि माघ मेला सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा हुआ है। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि काम में देरी अब स्वीकार नहीं की जाएगी।

'सतुआ बाबा की रोटी' बयान के पीछे की कहानी

इस पूरे मामले के पीछे एक वायरल वीडियो की भी चर्चा है। कुछ दिन पहले प्रयागराज के खाक चौक इलाके में संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा के शिविर में डीएम मनीष कुमार वर्मा का एक वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो में डीएम चूल्हे पर बैठकर रोटी बनाते नजर आ रहे थे। इस वीडियो को लेकर सोशल मीडिया पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कुछ लोगों ने इसे प्रशासन की सादगी बताया, तो कुछ ने इसे दिखावा करार दिया। यह वीडियो इतना वायरल हुआ कि इसकी चर्चा लखनऊ तक पहुंच गई। बताया जा रहा है कि डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने भी यह वीडियो देखा था।

व्यवस्थाओं में संतुलन पर दिया जोर

माघ मेले के निरीक्षण के दौरान डिप्टी सीएम ने डीएम को साफ तौर पर कहा कि किसी एक संत या शिविर पर ज्यादा ध्यान देने के बजाय सभी साधु-संतों और कल्पवासियों की मूलभूत सुविधाओं पर बराबर ध्यान दिया जाए। कई कल्पवासी ऐसे हैं, जिन्हें अब तक जमीन, बिजली, पानी और अन्य जरूरी सुविधाएं नहीं मिल पाई हैं। डिप्टी सीएम ने दो टूक कहा कि प्रतीकात्मक गतिविधियों से ज्यादा जरूरी है कि जमीनी स्तर पर व्यवस्थाएं मजबूत हों। उनके इस बयान को प्रशासनिक प्राथमिकताओं पर सीधी टिप्पणी के तौर पर देखा जा रहा है।

कॉलोनी में खुलेआम बांटी गईं दो दर्जन तलवारें

भड़काऊ नारेबाजी भी हुई, हिंदू रक्षा दल के 6 कार्यकर्ता अरेस्ट

गाजियाबाद, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटे गाजियाबाद जिले की शालीमार गार्डन कॉलोनी में खुलेआम तलवारें बांटे गई। साथ ही कॉलोनी के अंदर भड़काऊ नारेबाजी भी की गई। पुलिस ने इस मामले में हिंदू रक्षा दल नामक एक संगठन के 6 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त (ट्रांस हिंडन) निमिष पाटिल ने कहा कि हिंदू रक्षा दल नामक संगठन के अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी उर्फ पिंकी तथा उसके साथियों ने शालीमार गार्डन कॉलोनी स्थित अपने कार्यालय पर लोगों को तलवारें बांटी और जुलूस निकाल कर भड़काऊ नारेबाजी की। इस मामले में पिंकी समेत 17 नामजद तथा 24 से अधिक अज्ञात कार्यकर्ताओं के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि मुख्य अभियुक्त भूपेंद्र चौधरी 'पिंकी' फिलहाल फरार है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 191(2) (दंगा करने का दोषी), 191(3) (दंगा करने का दोषी) 127(2) (गलत तरीके से कैद करना) और आपराधिक कानून संशोधन अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है।

पुलिस की टीम शालीमार गार्डन कॉलोनी में जुलूस निकालने वाले पदाधिकारियों के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। आरोपी हिंदू समर्थक और मुस्लिम विरोधी नारे लगा रहे थे। पदाधिकारियों ने इलाके में घर-घर जाकर लगभग दो दर्जन हथियार बांटे।

लुलु मॉल पर बड़ा एक्शन, इनकम टैक्स विभाग ने सीज किया अकाउंट

लखनऊ, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ के लुलु मॉल के खिलाफ इनकम टैक्स विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है. सूत्रों के मुताबिक आईटी विभाग ने लुलु मॉल के अकाउंट को सीज कर दिया है. बताया जा रहा है कि 27 करोड़ की रकम पर टैक्स नहीं जमा करने की वजह से आयकर विभाग ने ये कार्रवाई की है. लुलु बैंक का अकाउंट लखनऊ के बैंक ऑफ बड़ौदा में हैं. मॉल पर करोड़ों के टैक्स की चोरी का आरोप है, 2025 के टैक्स का निरीक्षण करने के बाद आयकर विभाग ने ये कार्रवाई की है. इस कार्रवाई के बाद हड़कंप मच गया हैं. इस कार्रवाई को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं. जब से ये लुलु मॉल खुला है तभी से कई बार ये विवादों में भी रहा है.

कभी मॉल में नमाज़ पढ़ने तो कभी हलाल की मीट और धर्मांतरण जैसी खबरों को लेकर भी लुलु मॉल सुर्खियों में रहा है. साल 2022 में मॉल में नमाज पढ़ने का मामला सामने आया था जिसके बाद हिन्दू संगठनों ने आपत्ति जताई और मॉल में विशेष धर्म के लोगों को नौकरी में वरीयता देने का आरोप लगाया. इसी साल जुलाई में लुलु मॉल के कैश सुपरवाइजर को सहकर्मी के साथ रेप के आरोप में गिरफ़्तार किया गया था. आरोपी ने पीड़िता को नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म किया और उस पर धर्मांतरण का दबाव बनाया व जान से मारने की धमकी दी. इस घटना के बाद भी लोगों में खासी नाराजगी देखने को मिली थी. बता दें कि लखनऊ का लुलु मॉल देश के सबसे बड़े मॉल में से एक है, इस मॉल का उद्घाटन सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया था. ये मॉल करीब 22 लाख वर्ग फ़ीट में फैला हुआ हैं जिसे क़रीब दो हज़ार करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है.

एसआई बोली-इंस्पेक्टर ने 1 लाख लिए, मुझे कुछ नहीं दिया: नर्स से छेड़छाड़ के 4 आरोपियों के नाम निकाले

आगरा, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। आगरा में महिला से हुई अश्लील हरकत के मामले में पुलिस ने आरोपियों के फेवर में चार्जशीट लगा दी। चार्जशीट के बारे में जांच अधिकारी को पता भी नहीं चला। एसआई नीतू का कहना है कि इंस्पेक्टर ने उनको बिना बताए ही चार्जशीट लगवा दी। महिला एसआई का ऑडियो भी सामने आया है। जिसमें महिला एसआई पीड़िता से बात कर रही हैं। महिला एसआई ने कहा- इंस्पेक्टर ने अपनी मर्जी से चार्जशीट दाखिल कर दी है। मुझे पता नहीं कि इंस्पेक्टर सर इतना झोल कर देते हैं। मैं अपने बीमार बच्चे की कसम खाती हूं कि मैंने चार्जशीट दाखिल नहीं की। इंस्पेक्टर सर ने एक लाख रुपए ले लिए। मुझसे कहा था कि तुझे एक रुपया नहीं मिलेगा। मामला आलाधिकारियों के संज्ञान में आने के बाद महिला जांच अधिकारी को लाइन हाजिर कर दिया गया है। मामला एत्मादपुर थाना क्षेत्र का है।

मंत्री अशोक चौधरी की पीएचडी डिग्री? कांग्रेस के सवाल से सियासी खलबली

पटना, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस का जदयू कोटे के मंत्री अशोक चौधरी को लेकर बड़ा दावा किया है। कांग्रेस का कहना है कि अशोक चौधरी की पीएचडी की डिग्री संदिग्ध लग रही है। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय (पीपीयू) में 280 सीटों की वैकेंसी के विरुद्ध आखिरी रूप से चयनित 274 लोगों की सूची में मंत्री अशोक चौधरी का नाम है। कांग्रेस के अनुसार, जिन 18 लोगों को अंतिम रूप से राजनीति शास्त्र विषय के असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति पत्र दिया गया। उसमें मंत्री अशोक चौधरी का नाम नहीं है। बिहार कांग्रेस प्रवक्ता असित नाथ तिवारी ने कहा कि विभाग ने इनकी डॉक्टरेट उपाधि को संदिग्ध बताया है और उसकी जांच की अनुशंसा की है। सरकार को यह बताना चाहिए कि बिहार में मंत्रियों को बैठे-बिठाए डिग्री बांटने और उनको प्रोफेसर बनने की कोई योजना चल रही है क्या। क्योंकि, यह बिहार की प्रतिभा का मजाक उड़ाना है और बेरोजगारों के अधिकार पर डाका है।

मंत्री अशोक चौधरी प्रामाणिक तौर पर यह जवाब दें कि उनकी डिग्री फर्जी नहीं है। ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी की असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर नियुक्ति क्यों रोकी गयी है। इस पर शिक्षा मंत्री सुनील कुमार (जदयू) ने बताया कि अशोक चौधरी से संबंधित असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति के मामले को आयोग के पास भेजा गया है और उस पर मंतव्य मांगा गया है। इस मामले में विभागीय स्तर पर समीक्षा की गई है और कुछ सर्टिफिकेट में कमियां पायी गई हैं। इस पूरे मामले को गहराई से देखा जा रहा है और जो भी अंतर सामने आए हैं, उनकी जांच की जा रही है।

बजरंग दल के नेता की पुलिस को धमकी हमसे पंगा लेने वालों का पता नहीं लगा

बरेली, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। बरेली के रेस्टोरेंट में मुस्लिम युवकों से मारपीट करने वाले बजरंग दल के नेता ऋषभ ठाकुर ने पुलिस को धमकी दी है। उसने कहा है कि पुलिस का दिमाग खराब हो गया है। जो हमसे पंगा लेने की सोच रही है। हमसे जिन्होंने पंगा लिया, उनका पता भी नहीं लगा। ये बातें उसने सोमवार को इंस्टाग्राम पर रील पोस्ट करके कही हैं। इसके अलावा उसने एक वीडियो भी जारी किया है। जिसमें खुद को निर्दोष बता रहा है। सीएम योगी से जांच कराने की मांग की है। इसका वीडियो अब तेजी से वायरल हो रहा है। वह अभी फरार है। पुलिस ने इस मामले में अब तक 6 युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अब मुख्य आरोपी की तलाश में जुटी है।

महिला आयोग में युवती को बदनाम करने की साजिश!

पति को भेजी फर्जी आवेदन की कॉपी, शादी तुड़वाने का प्रयास

पटना, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। युवती को बदनाम करने और शादी तोड़वाने के लिए महिला आयोग में ही दस्तावेजों से छेड़छाड़ और फर्जीवाड़े की कोशिश का मामला सामने आया है। बख्तियारपुर निवासी पीड़िता पढ़ाई के दौरान अपने फूफा के घर रहती थी। विवाद तब शुरू हुआ, जब परिवार में उसकी शादी की बात चली। सगाई के बाद से ही फूफा लगातार शादी नहीं करने का दबाव बना रहे थे।

इस बीच महिला आयोग में युवती की तरफ से तथाकथित आवेदन दिया गया, जिसमें जबरदस्ती शादी कराने की बात कही गई थी। आयोग के बुलावे पर पहुंची युवती ने आवेदन दिए जाने की बात से सिरे से इंकार किया। उसने कहा कि महिला आयोग में उसने कोई आवेदन नहीं दिया है। उसके नाम, हस्ताक्षर और व्यक्तिगत विवरणों का दुरुपयोग कर यह आवेदन दिया गया है। लगातार फोन कर शादी तोड़ने का दबाव भी बनाया जा रहा है। युवती ने कहा कि फूफा ने एक अज्ञात व्यक्ति को आगे कर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के समक्ष केस दर्ज कराया।

आवेदन में आरोप लगाया गया कि युवती का अपहरण कर जबरन शादी कराई जा रही है और पिता ने सात लाख में लड़की को बेच दिया है। तीन दिसंबर को महिला आयोग से संबंधित आवेदन की प्रति निकलवाई गई और विवरणों से कथित तौर पर छेड़छाड़ की गई। इसके बाद इस फर्जी प्रति को जानबूझकर युवती के पति को भेजा गया।

'यूपी में 2027 में बनेगी बसपा सरकार', बहुजन समाज पार्टी का दावा

कौशांबी, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी शानदार जीत दर्ज कराएगी और बहन मायावती सरकार बनाएगी। विश्वनाथ पाल आज शीतला देवी अतिथि गृह सयारा में जिला स्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज पार्टी ने हमेशा समाज के सभी लोगों का ध्यान रखा हैऔर बहन मायावती के सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय के सिद्धांत को लेकर कार्य किया है। बहुजन समाज पार्टी समाज के सभी लोगों का सम्मान करती है।

उन्होंने कहा कि बहुजन समाज पाटरी जिसकी जितनी संख्या भारी उसकी उतनी भागीदारी के फार्मूले को लेकर आगे बढ़ रही है। उन्होंने समाजवादी पार्टी के पीडीए पर कटाक्ष करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी कभी भी पिछड़ा, दलित ,अल्पसंख्यक की हितैषी नहीं हो सकती है। सभी वर्ग का हित की चिंता बहुजन समाज पार्टी को ही है । इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने दर्जनों लोगों को बहुजन समाज पार्टी में शामिल कराया।

गांजा तस्कर के ऑफिस का भंडाफोड़, पूर्वोत्तर से माल मंगाकर दिल्ली-बनारस में होता था सप्लाई

पटना, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। पुलिस की विशेष टीम ने चित्रगुप्त नगर थाना क्षेत्र से उत्तर-पूर्वी राज्यों से गांजा मंगाकर दिल्ली और बनारस में खपाने वाले अंतरराज्यीय तस्कर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। गिरोह के छह तस्करों को गिरफ्तार कर लिया है। इनकी पहचान वैशाली निवासी विक्की कुमार जयसवाल, अनिल कुमार, सत्यम गुप्ता, दिलखुश , अरविंद कुमार और अमित राज के रूप में हुई। इनके पास से 120 किलो गांजा, तीन लग्जरी कार, दो वाकी टाकी, सात मोबाइल और एक इलेक्ट्रानिक तराजू बरामद हुई है।

गिरफ्तार विक्की इस गिरोह का सरगना बताया गया है, जबकि उसका भाई रिक्की फरार है। पुलिस उसकी तलाश में दबिश दे रही है। पूछताछ में पता चला कि यह गिरोह ट्रेनों से नशे की खेप पटना लाकर उसे लग्जरी कारों से अन्य राज्यों में भेजता था। तस्करों ने पटना को ट्रांजिट प्वाइंट बना रखा था। रविवार को चित्रगुप्त नगर पुलिस को राजेंद्र नगर आरओबी के पास एक कार में संदिग्ध लोगों के होने की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची और कार को घेर लिया। कार की तलाशी ली, उसमें से दो ट्राली बैग और एक बोरी में भरा 34 किलो गांजा मिला। इसके बाद कार सवार अनिल, सत्यम, दिलखुश, अरविंद और अमित राज को मौके पर ही गिरफ्तार लिया गया। उनकी निशानदेही पर अशोक नगर स्थित अपार्टमेंट में छापेमारी कर विक्की को पकड़ लिया। वहां से करीब 85 किलो गांजा और दो कार जब्त की गयी।

छानबीन में पता चला कि यह गिरोह बीते एक वर्ष से सक्रिय था। जो गुवाहाटी और अगरतला से गांजे की खेप लेकर पटना आता था। यहां उसे डंप किया जाता था, फिर खेप को कार से दिल्ली और बनारस भेजा जाता था। नेटवर्क चलाने के लिए सरगना ने पटना के साथ दिल्ली में दो जगह कार्यालय खोल रखा था। एसपी सिटी (पूर्वी) परिचय कुमार ने बताया कि गिरोह के कई सदस्यों की पहचान की जा चुकी है। पुलिस फरार तस्करों समेत मुख्य सरगना के भाई की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है।

यूपी में एसआईआर के बाद कटे 2.89 करोड़ वोटर्स के नाम! चंद्रशेखर आजाद का सवाल- 2024 में जो वोट पड़े वो किसके थे?

नगीना, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की नगीना सीट से सांसद और आजाद समाज पार्टी के मुखिया चंद्रशेखर आजाद ने एसआईआर प्रक्रिया को लेकर जोरदार निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में 2 करोड़ 89 लाख वोट काटे गए हैं तो फिर 2024 के चुनाव में जो वोट पड़े थे इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। उन्होंने सवाल उठाया कि ये वोट किसके थे। सांसद चंद्रशेखर आजाद हरदोई पहुंचे थे, जहां वो महाराजा बिजली पासी की जयंती के अवसर पर बहुजन संकल्प महारैली में पहुंचे थे।

इस दौरान उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया पर निशाना साधते हुए कहा कि इस प्रकिया में 2 करोड़ 89 लाख वोट काटे गए तो 2024 के चुनाव में जो वोट पड़े थे इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? नगीना सांसद ने कहा कि पहले 4 करोड़ वोट कटने की बात कही गई अब सरकारी आंकड़े 2 करोड़ 89 लाख बता रहे हैं तो बाकी वोट किसके थे?

71 भेड़ों की मौत, राष्ट्र प्रेरणा स्थल में फेंका हुआ खाना खाया; फूट-फूटकर रो रहे पशुपालक

लखनऊ, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। लखनऊ के मड़ियांव क्षेत्र में राष्ट्र प्रेरणा स्थल के पास 71 भेड़ों की रहस्यमयी तरीके से मौत हो गई है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी के मुताबिक 71 भेड़ों की मौत हुई हैं जबकि भेड़ मालिक करीब 150 भेड़ों की मौत का दावा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना का संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं और प्रत्येक भेड़ की मौत के लिए 10 हजार रुपये के मुआवजे की घोषणा भी की है। भेड़ मालिकों का आरोप है कि 25 दिसंबर को राष्ट्र प्रेरणा स्थल के उद्घाटन कार्यक्रम में फेंका गया खाना खाने से उनकी भेड़ें मरी हैं। उनका कहना है कि ये खाना मैदान में फेंका हुआ था जिसे भेड़ों ने खा लिया और एक के बाद एक भेड़ मरने लगी। मैदान में हर तरफ भेड़ो के शव पड़े है। लखनऊ के चीफ वेटनरी ऑफिसर डॉ। सुरेश कुमार के मुताबिक 71 भेड़ों की मौत हुई है और करीब 70 बीमार हैं जिनका इलाज चल रहा है। डॉक्टर सुरेश कुमार का कहना है कि कोई जहरीली चीज खाने से भेड़ें मरी है। जांच के बाद ही मौत की असली वजह पता चल पाएगी। चरवाहों ने भेड़ों को देसी दवाएं खिलाने की भी कोशिश की, लेकिन कुछ नहीं हुआ। ये सभी भेड़ें फतेहपुर जिले के 4 विजय पाल, प्रदीप कुमार, अजय पाल और शिवरतन की थीं। वे कुछ दिन पहले लखनऊ के आसपास चराई के लिए आए थे। विजय पाल ने रोते हुए कहा, "हमारी जिंदगी भर की जमा-पूंजी चली गई। अब जिंदगी सिर्फ जहर खाने लायक बची है।

सीएम योगी से गुजारिश है कि जांच कराएं और मुआवजा दें।" एनजीओ 'आसरा- द हेल्पिंग हैंड्स ट्रस्ट' की संस्थापक चारू खरे ने मड़ियांव थाने में दी गई एक शिकायत में कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाल ही में हुए कार्यक्रम के बाद राष्ट्र प्रेरणा स्थल के आसपास के इलाके में लगभग 170 भेड़ों की अचानक मौत हो गई। प्रथम दृष्ट्या यह पता नहीं है कि इन भेड़ों की मौत कोई अपशिष्ट खाने से हुई या किसी अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें जहर दिया था।''

पार्टी में बगावत या परिवारवाद के सवाल पर भड़के कुशवाहा? कहा- अपनी प्रतिष्ठा का तो ख्याल रखिए

पटना, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार का मौसम घने कोहरे और भीषण ठंढ़ की चपेट में हैं, लेकिन बिहार की राजनीति इस भीषण ठंढ़ में भी काफी गर्म है। चाहे मामला राबड़ी आवास का हो, या तेजस्वी यादव के विदेश घुमने का, या फिर तेज प्रताप यादव की जान की सुरक्षा को लेकर उठी चर्चाओं का, लेकिन फिलहाल इससे भी ज्यादा चर्चा राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा की हो रही है। उपेन्द्र कुशवाहा अभी काफी गुस्से में दिख रहे हैं। उनका गुस्सा इस बार पत्रकारों पर है, जिसे उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए जाहिर किया है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि, मीडिया के बन्धूओं, आज कल आप लोग कुछ ज्यादा ही मेहरबानी दिखा रहें हैं मुझ पर।।।! मेरी नहीं तो कम से कम अपनी प्रतिष्ठा का कुछ तो ख्याल रखिए जनाब !

मथुरा में नए साल पर एक्ट्रेस सनी लियोनी के कार्यक्रम पर बवाल

विरोध में उतरे साधु-संत, डीएम को लिखा पत्र

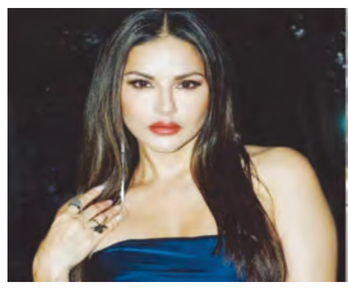

मथुरा, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। कृष्ण नगरी मथुरा में नए साल पर बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी के कार्यक्रम को लेकर बवाल मच गया है। मथुरा के साधु संतों ने इस कार्यक्रम के आयोजन का विरोध किया है और इस कार्यक्रम को रोकने के लिए फलाहारी महाराज ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर इसे निरस्त कराने की मांग की है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर केस मुख्य याचिकाकर्ता दिनेश फलाहरी महाराज ने डीएम को पत्र लिखा है जिसमें उन्होंने इस कार्यक्रम पर रोक लगाने की मांग की। उन्होंने कहा कि धर्म नगरी को हम कलंकित नहीं होने देंगे। यहां पर फूहड़ता और अश्लीलता परोसने की तैयारी हो रही है। कुछ लोग कृष्ण की नगरी को साजिश के तहत बदनाम करना चाहते हैं।

फलाहारी महाराज ने पत्र में लिखा कि नए साल के अवसर पर मथुरा के होटल ललिता ग्राउंड और होटल दा ट्रक में पॉर्न स्टार सनी लियोनी का कार्यक्रम होने जा रही है। इस कार्यक्रम में अश्लीलता और फूहड़ता परोसने की तैयारी हो रही है। इस ब्रजभूमि पर हमारे अराध्या श्रीकृष्ण कन्हैया ने रासलीलाएं की हैं।

यहां पर संपूर्ण विश्व के सनातनी आकर पूजा-पाठ और भजन करते हैं। ऐसे कार्यक्रम कराकर आयोजक धार्मिक भावनाओं को भड़काना चाहते हैं, ये लोग धार्मिक नगरी को कलंकित करना चाहते हैं। इसलिए इस कार्यक्रम को निरस्त कराकर आयोजकों पर कार्रवाई की जाए। साधु संतों ने ब्रज की संस्कृति को खत्म करने की सोची समझी साजिश बताया है। सनी लियोनी के कार्यक्रम को लेकर साधु-संतों में भी खासा आक्रोश देखने को मिल रहा है।

उनका कहना है कि ये ये दिव्य गोलोक भूमि है। यहां साधु संत भजन पूजा, योग साधना करते हैं, ऐसी अभिनेत्री को ब्रजभूमि से दूर रखना चाहिए। इस कार्यक्रम को लेकर अब धर्म नगरी में नाराजगी बढ़ती जा रही है। देखना होगा कि लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए प्रशासन क्या अगला कदम उठाता है।

विकास या विनाशः उष्मापुर में ब्लास्टिंग से कांप उठा गांव, खनन ने छीना चैन; अधिकांश मकानों में आईं दरारें

महेंद्रगढ, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के गांव उष्मापुर के क्रशर जोन में 24 घंटे में हो रहे 12 ब्लास्ट और सामग्री लेकर निकल रहे 900 से अधिक डंपर अरावली श्रृंखला को खोखला कर रहे हैं। यहीं नहीं ग्रामीणों का जनजीवन भी प्रभावित हो रहा है। गांव उष्मापुर में करीबन 250 घर हैं और लगभग 2000 की आबादी है। गांव से 350 मीटर की दूरी पर अरावली श्रृंखला है।

गांव के प्रवेश और निकास द्वार पर क्रशर जोन है। ग्रामीणों ने बताया कि प्रतिदिन 4 बार ब्लास्ट किए जाता हैं और इसमें हर एक बार 3 ब्लास्ट किए जाते हैं।

ब्लास्ट की आवाज पूरे दिन ग्रामीणों के कानों में गूंजती है और इससे उनका चैन भी छिन गया है। ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 2016 में पहाड़ की नीलामी हुई थी और इस दौरान 33.10 हेक्टेयर भूमि पर खनन की अनुमति दी गई।

अभिनेता से नेता बने विजय पर अन्नाद्रमुक नेता ने कसा तंज

कहा- कहीं कमल हासन जैसा हाल न हो जाए!

चैन्नई, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इस बीच तमिलनाडु में सियासी हलचल तेज हो रही है। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (एआईए डीएमके) के वरिष्ठ नेता सेल्लूर राजू ने तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के अभिनेता विजय पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि विजय का हाल कमल हासन जैसा न हो जाए, जिन्होंने केवल एक सीट के लिए सत्तारूढ़ डीएमके के साथ गठबंधन किया था।

विजय की उस टिप्पणी का जवाब देते हुए जिसमें उन्होंने कहा था कि विधानसभा चुनाव का मुकाबला उनकी पार्टी और डीएमके के बीच ही रहेगा, राजू ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कई अभिनेताओं ने राजनीतिक दल बनाए हैं। कमल हासन ने भी भ्रष्टाचार से लड़ने का दावा करते हुए एक पार्टी शुरू की थी, लेकिन आज उन्होंने एक सीट के लिए डीएमके के साथ गठबंधन कर लिया है। मुझे उम्मीद है कि विजय का भी यही हाल नहीं होगा,

टीवीके का फैसला जनता करेगी- राजू

एआईए डीएमके नेता ने कहा कि जमीनी स्तर पर उनकी उपस्थिति का फैसला केवल जनता ही कर सकती है। उन्होंने कहा कि विजय की रैली में भीड़ का जमावड़ा स्वाभाविक था, क्योंकि वह एक पेशेवर अभिनेता हैं, जिसका अर्थ यह था कि अगर अभिनेता लगातार तीन बार लोगों से मिलने आते हैं तो भीड़ कम हो सकती है।

उन्होंने आगे कहा हम वास्तव में मैदान में उतरेंगे या नहीं, यह तो जनता खुद तय करेगी। आगामी चुनाव में एआईए डीएमके के नेतृत्व वाला गठबंधन विजयी होगा। विजय, जो कल ही राजनीति में आए हैं, उनकी हर बात का जवाब देना मुझे जरूरी नहीं लगता। अगर वे कॉमेडियन वदिवेलु को साथ लेकर भी जनसभा करें, तो अकेले विजय के लिए होने वाली सभा से कहीं ज्यादा भीड़ जमा होगी।

अगर वे अभिनेत्री नयनतारा को भी प्रचार में लाएं, तो भी लोग बड़ी संख्या में आएंगे। जब कोई अभिनेता बोलता है, तो स्वाभाविक रूप से भीड़ उमड़ती है। अभिनेता विजय के बहुत बड़े प्रशंसक हैं।

पार्टी बनाने से कोई मुख्यमंत्री नहीं बन जाता

राजू ने कहा, भाजपा द्वारा विजय को गठबंधन में शामिल होने के लिए आमंत्रित करना उनका अपना निर्णय है। हालांकि, विजय ने अब तक किसी भी चुनाव या उपचुनाव में भाग नहीं लिया है और न ही उन्होंने जनता के लिए कुछ किया है। वे राजनीति में नए हैं, इसलिए मैं उनकी आलोचना नहीं करना चाहता। वास्तव में, मैं तो चाहता था कि वे एक नई राजनीतिक पार्टी शुरू करें। लेकिन उन्हें लगता है कि एक बार पार्टी शुरू करने के बाद वे एमजीआर की तरह मुख्यमंत्री बन सकते हैं।

एमजीआर 1952 में डीएमके में शामिल हुए और कई वर्षों तक कड़ी मेहनत की। उसके बाद, एमजीआर ने एआईए डीएमके पार्टी की स्थापना की और मुख्यमंत्री बने।

पिछले सप्ताह, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, जो तमिलनाडु भाजपा के चुनाव प्रभारी भी हैं, ने चेन्नई में एआईए डीएमके के महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी से मुलाकात की और आगामी विधानसभा चुनावों से पहले अपने गठबंधन को औपचारिक रूप देने के लिए बातचीत शुरू की। रविवार को अम्मा मक्कल मुन्नेत्र कजगम (एएमएमके) के महासचिव टीटीवी दिनाकरन ने कहा कि उनकी पार्टी ने गठबंधन बनाने के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया है,

जबकि कई पार्टियां इस पर बातचीत कर रही हैं। इस बीच, तमिलनाडु कांग्रेस अध्यक्ष सेल्वा पेरुंथगई ने जोर देकर कहा कि विपक्षी दलों द्वारा गठबंधन में फूट डालने के प्रयासों के बावजूद, इंडिया ब्लॉक मजबूत बना हुआ है। उन्होंने कहा कि विपक्ष गठबंधन में दरार पैदा करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन उनके प्रयास सफल नहीं होंगे।

3000 छात्रों की मौत के बाद जागी गुजरात सरकार

अहमदाबाद, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात में शिक्षा जगत के लिए चिंताजनक खबरें सामने आ रही थीं, जिसमें छात्रों के आत्महत्या के मामले लगातार बढ़ रहे हैं. इस गंभीर स्थिति को नियंत्रित करने के लिए राज्य सरकार के शिक्षा विभाग ने कड़ा रुख अपनाया है. सरकार ने अब राज्य के सभी कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और निजी कोचिंग सेंटरों के लिए नई गाइडलाइन जारी की है. जिसके तहत प्रत्येक शैक्षणिक संस्थान में 'मानसिक स्वास्थ्य नीति' लागू करना अब अनिवार्य हो गया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक 3002 छात्रों ने आत्महत्या की थी. नई गाइडलाइन के मुताबिक, अब प्रत्येक कॉलेज और विश्वविद्यालय में हर 100 छात्रों पर कम से कम 1 योग्य परामर्शदाता रखना अनिवार्य होगा. जिन संस्थानों में छात्रों की संख्या 100 से कम है, उन्हें बाहरी मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के साथ रेफरल व्यवस्था की व्यवस्था करनी होगी. विशेष रूप से परीक्षा के समय या अध्ययन के बोझ के दौरान छात्रों को गोपनीय और उचित मार्गदर्शन मिले, यह सुनिश्चित करना होगा.

भागीरथपुरा में डायरिया से बुजुर्ग की मौत, 150 से ज्यादा बीमार; सीएम ने जारी किए निर्देश

इंदौर, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। इंदौर के भागीरथपुरा बस्ती में बीते पांच दिन से उल्टी और दस्त की शिकायत लेकर आने वालों की संख्या में इजाफा हुआ है। मंगलवार को भी कुछ लोग अस्पताल पहुंचे। वहीं इलाज के लिए भर्ती एक बुर्जुग व्यक्ति की मौत हो गई। उल्टी और दस्त के कारण उसे कमजोरी आ गई थी।

सुबह कुछ मरीजों को परदेशीपुरा के अस्पताल से छुट्टी भी हो गई है। दूषित पेयजल की आशंका के चलते नगर निगम ने टैंकरों से मंगलवार को बस्ती में जलापूर्ति की। अफसरों ने भी बस्ती का दौरा किया है। बस्ती से पानी के जो नमूने लिए हैं, उनकी रिपोर्ट मंगलवार को आएगी। पांच दिन में डेढ़ सौ से ज्यादा लोग बीमार हुए हैं। फिलहाल 15 लोग अलग-अलग अस्पताल में भर्ती हैं। उन्हें उल्टी दस्त और कमजोरी की शिकायत है। इस घटना को लेकर स्वास्थ्य विभाग भी देरी से जागा। मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने मामले गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रशासन को जरूरी निर्देश दिए हैं। सोमवार रात मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के दौरे के बाद डॉक्टर मरीजों की जानकारी जुटाने अस्पताल पहुंचे। इलाज के लिए वर्मा अस्पताल में भर्ती नंदलाल पाल की मौत हुई। उनकी उम्र 80 वर्ष थी। उनकी मौत की पुष्टि क्षेत्रीय पार्षद कमल वाघेला ने भी की है। बस्ती में भी स्वास्थ्य विभाग की टीम तैनात की गई है। जिन लोगों को दस्त और उल्टी की शिकायत हो रही है। उन्हें दवाएं दी जा रही हैं। मंगलवार सुबह मेयर पुष्य मित्र भार्गव, पार्षद कमल वाघेला के साथ बस्ती पहुंचे और जलापूर्ति की स्थिति देखी। नर्मदा विभाग के अफसरों का कहना है कि पानी की जांच की गई है। प्रारंभिक तौर पर पानी दूषित नहीं पाया गया। बस्ती में डायरिया किस वजह से फैला। इसकी जांच के लिए पानी के सैंपल लिए गए हैं।

रहवासियों का कहना है कि बस्ती में दूषित पेयजल की सप्लाई हो रही है। नलों में पहले गंदा पानी आता है। फिर कुछ देर के लिए साफ पानी मिलता है। कई बार गंदे पानी की शिकायत अफसरों से की गई, लेकिन समस्या का हल नहीं हुआ। मरीजों का इलाज कर रहे डाक्टरों का कहना है कि पांच दिन से बस्ती के लोग आ रहे हैं। पतले दस्त और उल्टी ज्यादा होने से शरीर में कमजोरी आ गई है। रोज पांच-सात मरीज आ रहे हैं। सभी में डायरिया के लक्षण पाए गए हैं, हालांकि खतरे की बात नहीं है।

कांग्रेस का आरोप 'खंडवा डीएम ने एआई से बनी तस्वीरें बनाकर राष्ट्रपति से ले लिया पुरस्कार प्रशासन ने किया खारिज

खंडवा, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। सबसे स्वच्छ शहर कहे जाने वाले इंदौर पर एआई से तस्वीर दिखा कर राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने के आरोप लग रहे हैं और ये आरोप लगा रही है कांग्रेस पार्टी। जी हां, मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय जल पुरस्कार को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि खंडवा जिले के प्रशासन ने एआई से बनाई गई तस्वीरों के आधार पर जल संरक्षण के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार हासिल किया। कांग्रेस का दावा है कि जमीनी स्तर पर वास्तविक कार्य न होने के बावजूद तकनीक के जरिए तस्वीरें गढ़कर केंद्र सरकार को गुमराह किया गया।

इस आरोप को लेकर प्रदेश की सियासत में हलचल मच गई है। वहीं, जिला प्रशासन ने कांग्रेस के इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए उन्हें भ्रामक और तथ्यहीन बताया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी सरकार और खंडवा प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि जहां बीजेपी सरकार को देश के बच्चों को एआई का सही और सकारात्मक उपयोग सिखाना चाहिए,

ओडिशा में किन्नरों के दो गुटों में हिंसक झड़प

10 से अधिक घायल; सेक्स रैकेट से जुड़ा मामला

भुवनेश्वर, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के भद्रक जिले में दो किन्नर समूहों के बीच उपजा विवाद मंगलवार को हिंसा में बदल गया, जिसमें 10 से अधिक किन्नर घायल हो गए। इस घटना के बाद भद्रक टाउन पुलिस स्टेशन के बाहर तनाव की स्थिति बन गई। जानकारी के मुताबिक यह घटना चरम्पा क्षेत्र के डागरासाही के पास उस समय हुई, जब एक किन्नर समूह के सदस्य घर लौट रहे थे।इसी दौरान प्रतिद्वंद्वी समूह के सदस्यों ने उन पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि दोनों समूहों के बीच विवाद पिछले कई दिनों से चल रहा था। इस संदर्भ में एक समुदाय के सदस्यों ने पुलिस को भी सूचित किया था। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, हमले में 10 से अधिक किन्नर घायल हुए हैं। घायलों को सिर, पीठ, कान और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं।इसके बाद वे चिकित्सा सहायता, सुरक्षा और कानूनी कार्रवाई की मांग को लेकर टाउन पुलिस स्टेशन पहुंचे। घटना के बाद पुलिस स्टेशन के बाहर तनाव फैल गया, जहां एक गुट के सदस्यों ने प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद प्रशासन ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। किन्नर समुदाय के एक सदस्य ने आरोप लगाया कि यह हिंसा पहले उठाई गई आपत्तियों से जुड़ी है, जो कथित अवैध गतिविधियों के खिलाफ थीं।

इनका आरोप है कि कुछ लोग किन्नर लोगों को एक सेक्स रैकेट में शामिल कर रहे हैं। हमने इसका विरोध किया और प्रदर्शन किया। बदले में, उन्होंने कई लोगों को हमारे खिलाफ लगा दिया, जो हमें घर छोड़ने की धमकी दे रहे थे। आज उन्हीं लोगों ने हम में से एक पर हमला किया, उसका सिर मुंडवा दिया और गहने छीन लिए।

एक अन्य प्रदर्शनकारी किन्नर ने दावा किया कि घटना से पहले ही पुलिस को सूचना दी गई थी।

हम कई बार पुलिस के पास गए और धमकियों के बारे में बताया, लेकिन पुलिस उन लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। इससे उनका हौसला बढ़ गया। हम जानना चाहते हैं कि घर लौटने के बाद हम सुरक्षित रहेंगे या नहीं और क्या हमारी सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

प्रदर्शन के दौरान यह मांग भी उठी कि कथित तौर पर राज्य के बाहर से आने वाले उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए, जो यहां रह रहे किन्नरों को विस्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं।प्रदर्शनकारियों का कहना है कि लगातार धमकियों और डराने-धमकाने के कारण ही विवाद और तेज हुआ है। वहीं पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और घायलों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। हालांकि, शिकायतकर्ताओं द्वारा लगाए गए आरोपों पर पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं मिल सकी है।

5, 10 रुपये के सिक्के लेकर नामांकन करने पहुंचा उम्मीदवार, पैसे गिनने के लिए लगे कई कर्मचारी

अकोला, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। अकोला नगर निगम चुनाव से जुड़ी एक अनोखी और चर्चित घटना सामने आई है, जिसने चुनावी माहौल में सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। नगरसेवक पद के लिए नामांकन भरने पहुंचे एक उम्मीदवार ने अमानत (जमानत) राशि 5 हजार रुपये पूरी तरह चिल्लर और छोटे नोटों में जमा कर सभी को चौंका दिया। यह मामला अकोला के झोन क्रमांक 5 अंतर्गत प्रभाग क्रमांक 15 का है, जहां से लोकतांत्रिक जनाधार पार्टी के उम्मीदवार लक्ष्मीकांत अग्रवाल ने अपना नामांकन दाखिल किया।

नामांकन पत्र के साथ उन्होंने 5 हजार रुपये की अमानत राशि 5 और 10 रुपये के सिक्कों, साथ ही 10, 20, 50 और 500 रुपये के नोटों में जमा की। जब यह राशि चुनाव निर्णय अधिकारी कार्यालय में गिनी जाने लगी, तो कर्मचारियों को काफी देर तक मशक्कत करनी पड़ी। चिल्लर की अधिक मात्रा के कारण कुछ समय तक कार्यालय में हलचल का माहौल रहा और वहां मौजूद लोग इस अनोखे दृश्य को देखकर चर्चा करने लगे।

उम्मीदवार लक्ष्मीकांत अग्रवाल का कहना है कि यह कदम उन्होंने जनता से मिले सहयोग को दर्शाने के लिए उठाया है। यह अमानत राशि मुझे जनता ने पाई-पाई जोड़कर दी है। यह जनता का ही पैसा है। अगर मैं चुनाव जीतता हूं, तो जनता के हर काम और विकास के लिए पूरी ईमानदारी से काम करूंगा। चुनाव कार्यालय में घटी यह घटना जहां एक ओर लोगों के लिए कौतूहल का विषय बनी, वहीं इसे जनता से जुड़ाव और जनसमर्थन का प्रतीक भी माना जा रहा है। सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में भी इस अनोखे नामांकन की चर्चा तेज हो गई है।

मौलाना अरशद मदनी का सवालः बांग्लादेश की घटना पर हंगामा, भारत में नफरत और लिंचिंग पर चुप क्यों?

नई दिल्ली, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने बांग्लादेश में हुई जघन्य घटना और भारत में बढ़ती सांप्रदायिक हिंसा को लेकर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए बांग्लादेश की घटना की कड़ी निंदा की। साथ ही, देश के भीतर हो रही मॉब लिंचिंग और धार्मिक नफरत की घटनाओं पर भी चिंता जताई। मौलाना अरशद मदनी ने एक्स पोस्ट में लिखा, बांग्लादेश में जो कुछ हुआ, वह बहुत ही बुरा हुआ। यह केवल एक हत्या नहीं, बल्कि हैवानियत और दरिंदगी की इंतिहा है। इसकी जितनी भी निंदा की जाए, वह कम है। इस्लाम इसकी कतई, कतई अनुमति नहीं देता। जिन लोगों ने ऐसा किया है, उन्होंने न केवल इस्लामी शिक्षाओं का उल्लंघन किया है, बल्कि इस्लाम को बदनाम करने का काम भी किया है। इसलिए ऐसे लोगों को कड़ी से कड़ी सजा दी जानी चाहिए।

मौलाना मदनी ने कहा कि धार्मिक उग्रवाद और नफरत हमारे देश को भी तबाह-बर्बाद कर रही है। क्रिसमस के मौके पर ईसाई समुदाय के साथ सांप्रदायिक तत्वों ने जो कुछ किया, उसे किसी भी रूप में सही नहीं ठहराया जा सकता। यह संविधान में नागरिकों को दी गई धार्मिक स्वतंत्रता पर सीधा हमला है। जगह-जगह चर्चों पर हमले हुए और ईसाई समुदाय को अपना त्योहार मनाने से रोकने की कोशिश की गई।

उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले बिहार के नालंदा में कपड़ों की फेरी लगाने वाले एक मुसलमान से कुछ लोगों ने नाम और धर्म पूछकर इतनी बेरहमी से मारपीट की कि उसने अस्पताल में दम तोड़ दिया। केरल में भी ऐसा ही एक मामला सामने आया, जहां छत्तीसगढ़ के एक दलित युवक को बांग्लादेशी बताकर मौत के घाट उतार दिया गया। इसके कुछ ही दिनों बाद ओडिशा में पश्चिम बंगाल के तीन मुस्लिम मजदूरों की मॉब लिंचिंग हुई, जिसमें से एक की मौत हो गई और दो लोग अस्पताल में इलाजरत हैं। मौलाना ने आगे कहा कि दुख की बात यह है कि इन घटनाओं की न तो सरकार ने निंदा की और न ही मंत्रिमंडल के किसी सदस्य ने इस पर कोई बयान दिया।

समाजवादी पार्टी ने बीएमसी चुनाव के लिए जारी की चौथी कैंडिडेट लिस्ट, 29 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान

मुंबई, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। महानगरपालिका चुनाव (बीएमसी) में समाजवादी पार्टी पूरे दमखम से मैदान में कूद पड़ी है. पार्टी ने चुनाव के लिए उम्मीदवारों की चौथी सूची जारी कर दी. इस लिस्ट में 29 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की गई है. सपा के इस चुनाव में उतरने के बाद यहां की लड़ाई बेहद दिलचस्प हो गई हैं. समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अबू आजमी पहले ही इस बात का ऐलान कर चुके हैं उनकी पार्टी प्रदेश में पूरी तैयारी के साथ उतर रही है. सपा मुंबई-महाराष्ट्र ईकाई ने अपनी चौथी सूची में इन उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया है. सूची के मुताबिक़ वार्ड-3 से चौथी प्रसाद गुप्ता, वार्ड-31 से फरजाना इस्माइल चौधरी, वार्ड-41 आएशा शेख, वार्ड-42 से अरुण यादव के टिकट दिया गया है.

इनके अलावा वार्ड-57 मोहम्मद मक़सूद इलियास सिद्दिकी, वार्ड-59 से संतोष गीता यादव, वार्ड-61 से फ़िरदौस बानो, वार्ड-62 अतिउल्लाह खान अतीक खान गब्बर, वार्ड- 63 से शाइना रफी मोहम्मद, वार्ड-65 से कमलेश तुकाराम, वार्ड-78 सैयद गुलफाम मोहम्मद सलीम, वार्ड-92 से शबाना वकील खान, वार्ड-94 से महजबीन अकबर सईद, वार्ड-119 से फरहीन जमशेद खान, वार्ड-122 से रामचंद्र गुप्ता को टिकट दिया गया है. वार्ड-157 से रीना सिंह, वार्ड-159 उस्मान गनी जमाल मलिक, वार्ड-164 से इश्तियाक़ अहमद अली शेख, वार्ड-166 से रूबीना अरशद सैयद, वार्ड-168 से मोहम्मद मुदस्सर रशीद अहमद, वार्ड-179 से तौबी काजिम अहमदी, वार्ड-180 से प्रतिज्ञा दयाराम यादव, वार्ड-183 से काशीबाई भीमा, वार्ड-184 से फातिमा बेगम सैफुद्दीन अंसारी, वार्ड-185 रामदुलारे मेवलाल, वार्ड-197 से शेख शबनम इम्तियाज़ अहमद, वार्ड-210 से साजिद कुरैशी, वार्ड-211 से ऐजाज अहमद खान, वार्ड-225 से शेख मोहिनुद्दीन खान के नाम का ऐलान किया गया है.

ममता सरकार में आतंकवादी, घुसपैठिए और अपराधी सुरक्षितः शहजाद पूनावाला

नई दिल्ली, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि वहां पर सिर्फ जिहादी, आतंकवादी, घुसपैठिए और अपराधी सुरक्षित हैं। भाजपा नेता का यह बयान एसआईआर ऑब्जर्वर पर हमले के बाद सामने आया है। शहजाद पूनावाला ने नई दिल्ली में आईएएनएस से बातचीत में कहा कि टीएमसी नेता खुलेआम धमकियां दे रहे हैं और कह रहे हैं कि हाथ-पैर तोड़ देंगे, क्योंकि वे घुसपैठियों को बचाना चाहते हैं। इससे साफ पता चलता है कि पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से खत्म हो गई है। चुनाव आयोग को इस पूरे मामले का बहुत गंभीरता से संज्ञान लेना चाहिए, क्योंकि ये हमले ममता बनर्जी के घुसपैठियों और रोहिंग्याओं के वोट बैंक को बचाने के लिए किए जा रहे हैं। ममता बनर्जी द्वारा 'दुर्गा आंगन' कॉम्प्लेक्स की आधारशिला रखे जाने पर भाजपा नेता ने कहा कि एक तरफ टीएमसी ने हुमायूं कबीर जैसे लोगों को खुला छोड़ दिया, जिसने खुलेआम 'बाबरी जिंदाबाद' और 'हम बाबरी मस्जिद फिर से बनाएंगे' जैसे नारे लगाए, फिर भी उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती।

दूसरी तरफ टीएमसी नेता हिंदू धर्म का अपमान करते हैं, यह दावा करते हैं कि भगवान राम मुस्लिम थे और 'जय श्री राम' का नारा लगाने वालों को गिरफ्तार करते हैं। चुनाव के दौरान ऐसे लोग मौसमी हिंदू बन जाते हैं। हम सीधे मांग करते हैं कि हुमायूं कबीर को जेल भेजो और 'जय श्री राम' का विरोध करने वालों पर टीएमसी रुख साफ करे। नए साल के जश्न पर मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी के बयान पर शहजाद पूनावाला ने कहा कि सबसे पहले मौलाना साहब को बताएं कि वह रोजाना टीवी पर दावा करते हैं कि उन्होंने फतवा जारी किया है,

लेकिन खुद टीवी पर आना ही शरीयत के तहत मना है। वह खुद वही कर रहे हैं जो शरीयत में हराम माना जाता है, यानी रेगुलर टीवी पर आकर फतवे जारी करना। उन्हें पहले पूरी तरह से शरीयत का पालन करना चाहिए और टीवी पर आना बंद करना चाहिए। शहजाद पूनावाला ने कहा कि इस नफरत फैलाने वाले मौलाना का कॉन्फिडेंस इसलिए बढ़ा हुआ है क्योंकि कांग्रेस पार्टी और एक खास ग्रुप मिलकर एक ऐसा इकोसिस्टम बनाते हैं जो दावा करता है कि शरीयत संविधान से ऊपर है। यह कांग्रेस का इकोसिस्टम ही है जो ऐसे मौलानाओं को बढ़ावा दे रहा है, इसीलिए वे फतवों और शरीयत के जरिए देश चलाना चाहते हैं। भाजपा नेता ने कहा कि देश संविधान से चलता है।

दिल्ली पुलिस ने लापता नाबालिग को परिजनों से मिलाया

नई दिल्ली, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 'ऑपरेशन मिलाप' के तहत एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए 14 वर्षीय लापता नाबालिग लड़की को सुरक्षित ट्रेस कर उसके परिजनों से मिलवाया है। यह नाबालिग बच्ची 17 दिसंबर से हरियाणा के गुरुग्राम स्थित थाना राजेंद्र पार्क क्षेत्र से लापता थी। क्राइम ब्रांच, दिल्ली के एनआर-2 यूनिट की टीम ने तकनीकी विश्लेषण और समन्वित प्रयासों के जरिए इस मामले को सुलझाया।

क्राइम ब्रांच द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत उन बच्चों और महिलाओं को तलाशा जाता है जो किसी कारणवश अपने परिवार से बिछड़ गए हैं। दिल्ली पुलिस की ओर से मंगलवार को जारी प्रेस नोट में बताया गया कि 17 दिसंबर को गुरुग्राम के थाना राजेंद्र पार्क में एक 14 वर्षीय नाबालिग लड़की के अपहरण/लापता होने की सूचना दर्ज कराई गई थी। इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 137(2) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

गैंगस्टर से नेता बने अरुण गवली की दोनों बेटियों की एंट्री, बायकुल्ला से ठोकी दावेदारी

मुंबई, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई में अगले साल 15 जनवरी से होने वाले बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव को लेकर सियासी गर्माहट तेज है। राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारियां भी तेज कर दी है। इसी बीच एक बड़ी खबर सामने आ रही है कि चुनाव से पहले गवली परिवार ने जोरदार एंट्री की है। गैंगस्टर से नेता बने अरुण गवली की बेटियां गीता और योगिता गवली ने बायकुल्ला वार्ड से नामांकन दाखिल किया। गीता गवली वार्ड 212 और योगिता वार्ड 207 से चुनाव लड़ रही हैं। नामांकन दाखिल करने के बाद योगिता गवली ने कहा कि उनके वार्ड के लोगों की साफ पानी, ड्रेनेज और कचरा प्रबंधन जैसी बुनियादी जरूरतें उनकी प्राथमिकता हैं। इसके अलावा वह शिक्षा, सुरक्षा और महिलाओं के रोजगार के मुद्दों पर भी काम करना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि लोगों का भरोसा फिर से लौटता दिख रहा है। हमें ऐसा काम करना है जिससे हम उनकी उम्मीदों पर खरे उतरें। दूसरी ओर गीता गवली ने कहा कि उनका मुख्य फोकस वार्ड के निवासियों के पुनर्विकास और अधूरी परियोजनाओं को पूरा करना है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन साल में चुनाव नहीं होने और फंड की कमी के कारण कई काम रुके हुए थे। उन्होंने कहा कि अधूरी योजनाओं को अगले पांच साल में पूरा करना हमारी प्राथमिकता होगी। सड़कों और भवनों के पुनर्विकास के कामों में अब हम फंड का सही इस्तेमाल करेंगे। बता दें कि गीता और योगिता ने अपने पिता अरुण गवली की मौजूदगी में अखिल भारतीय सेना (एबीएस) के उम्मीदवार के रूप में नामांकन भरा। गीता पहले 2017 में कॉरपोरेटर रह चुकी हैं, जबकि योगिता इस बार चुनाव में पहली बार हिस्सा ले रही हैं।

वहीं अब बात अगर इस बीएमसी चुनाव में सियासी गठबंधन की करें तो महायुति ने सीट शेयरिंग तय की है। भाजपा 137 सीटों पर और शिवसेना 90 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं वंचित बहुजन आघाड़ी (वीबीए) 62 सीटों पर चुनावी मैदान में है। एनसीपी ने भी सात वार्डों के उम्मीदवारों की सूची जारी की है और दूसरे चरण में 27 और उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की गई। गौरतलब है कि मुंबई के 227 वार्डों के लिए मतदान 15 जनवरी को होगा और मतगणना 16 जनवरी को होना है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 31 दिसंबर - 2025

सवालों के घेरे में एसआईआर

देश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन करने के उद्देश्य से शुरू की गई यह प्रक्रिया अब कई राज्यों में विवाद का कारण बनती जा रही है। बिहार से शुरू हुई यह कवायद अब उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल तक फैल चुकी है, जहां बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटने की शिकायतें सामने आ रही हैं। मतदाता सूची से जिस तरह से नाम हटने की प्रक्रिया शुरू हुई है उससे चुनाव आयोग की पारदर्शिता पर ही गंभीर प्रश्न खडे होने शुरू हो गए हैं। चुनाव आयोग ने हाल ही में यह स्वीकार किया कि पश्चिम बंगाल में वर्ष 2002 की मतदाता सूची का डिजिटलीकरण तकनीकी कारणों से नहीं हो सका था। इसके चलते कई योग्य मतदाता वर्तमान सूची में शामिल नहीं हो पाए। चुनाव आयोग का कहना है कि ऐसे मामलों में व्यक्तिगत सुनवाई आवश्यक नहीं है, लेकिन उसका यह तर्क लोकतांत्रिक अधिकारों की दृष्टि से चिंताजनक प्रतीत होता है। चुनावी प्रक्रिया से यदि कोई नागरिक केवल तकनीकी खामी के कारण मतदाता सूची से बाहर हो जाता है, तो आखिर उसकी जिम्मेदारी किसकी तय की जानी चाहिए, नागरिक की या व्यवस्था की? इससे पहले बिहार में भी विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान आधार कार्ड को पहचान दस्तावेज़ के रूप में शामिल करने को लेकर बड़ा विवाद खड़ा किया गया था। चुनाव आयोग का प्रारंभिक रुख था कि आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं है, लेकिन बाद में जब सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर इसे पहचान दस्तावेज़ों में शामिल किया गया तो इसके बाद भी बिहार में लाखों लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए, जिससे प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठने लगे थे। उत्तर प्रदेश में स्थिति और भी चिंताजनक बताई जा रही है। यहां विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान अब तक लगभग दो करोड़ 89 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाने की बात सामने आई है। चुनाव आयोग तर्क दे रहा है कि इनमें से कई लोग अगले चरण में अपनी पात्रता बता कर नाम पुनः जुडवा सकते हैं। हालांकि, यह प्रक्रिया इतनी जटिल और दस्तावेज़-आधारित है कि समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के लिए इसमें शामिल होना किसी चक्रव्यूह से निकलने जैसा ही है। ऐसे में प्रश्न बेहद महत्वपूर्ण है कि यदि कोई व्यक्ति पात्र होने के बावजूद समय पर दस्तावेज़ प्रस्तुत नहीं कर पाया, तो क्या उसे मताधिकार से वंचित कर देना उचित है? मतदान का अधिकार केवल एक प्रशासनिक सुविधा नहीं, बल्कि लोकतंत्र का मूल आधार है। यदि बड़ी संख्या में नागरिक इस अधिकार से वंचित हो जाते हैं, तो लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता पर ही बट्टा लग सकता है। इसके अतिरिक्त, मतदाता सूची से नाम हटने का प्रभाव केवल चुनाव तक सीमित नहीं रहता। यदि किसी नागरिक के पास मतदान का अधिकार नहीं रहेगा, तो भविष्य में उसकी नागरिक पहचान, सामाजिक अधिकार और सरकारी योजनाओं तक पहुंच पर भी प्रश्न खड़े हो सकते हैं। यह स्थिति लोकतंत्र के साथ-साथ सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के भी विरुद्ध है। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ दल द्वारा अपने स्तर पर पात्र मतदाताओं की पहचान की पहल यह संकेत देती है कि राजनीतिक दलों का भी इस प्रक्रिया पर भरोसा कमजोर होता जा रहा है। अंततः यह चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि कोई भी पात्र नागरिक केवल तकनीकी या प्रशासनिक कारणों से मतदान के अधिकार से वंचित न होने पाए। पुनरीक्षण की प्रक्रिया को पारदर्शी, मानवीय और जवाबदेह बनाना समय की मांग है।

न्याय ने स्वयं को याद दिलाया कि वह सत्ता नहीं, संकल्प है

आरके जैन

न्याय के इतिहास में कुछ क्षण ऐसे होते हैं, जब सर्वोच्च अदालत अपने निर्णयों से केवल कानून नहीं बोलती, बल्कि राष्ट्र की अंतरात्मा को दिशा देती है। सुप्रीम कोर्ट की न्यायिक दूरदर्शिता, संवेदनशीलता और साहस की जितनी प्रशंसा की जाए, उतनी कम है। 29 दिसंबर 2025 को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ द्वारा दिए गए दो महत्त्वपूर्ण फैसलों ने यह स्पष्ट कर दिया कि देश की सर्वोच्च अदालत मात्र विधिक व्याख्याकार नहीं, बल्कि संविधान की आत्मा की सजग और सशक्त संरक्षक है। एक ओर आरावली पर्वतमाला से जुड़े मामले में स्वतः संज्ञान लेकर पूर्व आदेश पर रोक लगाई गई, तो दूसरी ओर उन्नाव प्रकरण में दोषी कुलदीप सिंह सेंगर को दी गई राहत को तत्काल निलंबित किया गया। ये दोनों निर्णय पर्यावरण संरक्षण और पीड़ित अधिकारों की रक्षा में ऐतिहासिक मील के पत्थर हैं। इनके माध्यम से न्यायपालिका की सक्रियता, नैतिक प्रतिबद्धता और जनहित के प्रति उसकी अडिग व निर्भीक दृष्टि पूरी स्पष्टता से उभरकर सामने आती है।

आरावली से जुड़ा नवंबर 20, 2025 का निर्णय का निर्णय खनन गतिविधियों के लिए अप्रत्यक्ष रूप से रास्ता खोल सकता था, जिससे पर्यावरणीय संतुलन पर गंभीर संकट उत्पन्न होने की आशंका थी। 100 मीटर ऊंचाई और 500 मीटर दूरी की नई परिभाषा के कारण विशाल भू-भाग संरक्षण के दायरे से बाहर जा सकता था। पर्यावरणविदों और नागरिक समाज में इससे गहरी चिंता फैल गई थी। ऐसे समय में सुप्रीम कोर्ट का स्वतः संज्ञान लेकर उस आदेश पर रोक लगाना न्यायिक सजगता का उत्कृष्ट उदाहरण है। अदालत ने यह स्पष्ट कर दिया कि पर्यावरण जैसे संवेदनशील विषयों में जल्दबाजी घातक हो सकती है। उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति के गठन का आदेश दूरदर्शी सोच को दर्शाता है। आरावली पर्वतमाला केवल पहाड़ियों का समूह नहीं, बल्कि उत्तर भारत की जीवनरेखा है। यह भूजल संरक्षण, जैव विविधता, जलवायु संतुलन और मरुस्थलीकरण रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पर्यावरणविदों की आशंका के अनुसार, लगभग 90 प्रतिशत क्षेत्र संरक्षण से बाहर हो सकता था। सुप्रीम कोर्ट की रोक ने न केवल पर्यावरणीय विनाश को थामा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकृति की रक्षा का संकल्प भी दोहराया। विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों और तकनीकी जानकारों से युक्त समिति के माध्यम से बहुआयामी अध्ययन का निर्देश देना यह दर्शाता है कि अदालत भावनाओं से नहीं, विवेक और विज्ञान से निर्णय ले रही है। यह विकास और संरक्षण के संतुलन की सशक्त मिसाल है। उधर उन्नाव मामला भारतीय न्याय व्यवस्था के सबसे संवेदनशील और पीड़ादायक अध्यायों में से एक रहा है। पीड़िता ने एक प्रभावशाली राजनेता के विरुद्ध न्याय की लड़ाई लड़ी, जिसमें उसे और उसके परिवार को असहनीय यातनाएं झेलनी पड़ीं। पिता की हिरासत में मौत, परिवार पर हमले और लगातार धमकियों के बावजूद उसने हार नहीं मानी। ऐसे में दिसंबर 23, 2025 को दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद निलंबित किए जाने से समाज में आक्रोश और निराशा फैलना स्वाभाविक था। यह निर्णय पीड़ित पक्ष के घावों को फिर से हरा करने वाला प्रतीत हुआ और न्याय पर विश्वास डगमगाने लगा।

सीबीआई की अपील पर सुप्रीम कोर्ट ने जिस तत्परता से हस्तक्षेप किया, उसने भरोसे को फिर से मजबूत किया। अदालत ने हाईकोर्ट के आदेश पर तत्काल रोक लगाते हुए स्पष्ट संदेश दिया कि जघन्य अपराधों में राहत अपवाद नहीं बन सकती। न्यायालय ने यह भी रेखांकित किया कि ऐसे मामलों में संवेदनशीलता सर्वोपरि होनी चाहिए। यह फैसला केवल एक आरोपी की रिहाई रोकने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस सोच को खारिज करता है जिसमें सत्ता, प्रभाव या सहानुभूति के आधार पर अपराध की गंभीरता कम आंकी जाती है। पीड़िता की पीड़ा को न्यायिक मान्यता मिलना लोकतंत्र के लिए अत्यंत आवश्यक था। इन दोनों मामलों में सुप्रीम कोर्ट की भूमिका न्यायिक सक्रियता की उत्कृष्ट मिसाल बनकर उभरी है। जब कभी कार्यपालिका या अन्य संस्थाएं दबाव, असमंजस या चुप्पी का रास्ता अपनाती हैं, तब न्यायपालिका का हस्तक्षेप लोकतंत्र को संतुलित करता है। आरावली प्रकरण में स्वतः संज्ञान और उन्नाव मामले में त्वरित रोक यह दर्शाती है कि अदालत जनभावनाओं और संवैधानिक मूल्यों दोनों के प्रति सजग है। यह सक्रियता केवल अधिकार क्षेत्र का प्रयोग नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का निर्वहन है।

इससे आम नागरिक का यह विश्वास गहराता है कि न्याय व्यवस्था निष्क्रिय नहीं, बल्कि सतत जागरूक और जीवंत संस्था है।

सुप्रीम कोर्ट के ये निर्णय इस सत्य को और अधिक प्रखरता से स्थापित करते हैं कि न्याय केवल विधिक धाराओं की औपचारिक व्याख्या नहीं, बल्कि नैतिक साहस, संवेदनशील विवेक और संवैधानिक प्रतिबद्धता का जीवंत स्वरूप है। दबावों की आँधी, राजनीतिक प्रभावों की परछाइयाँ और सामाजिक शोरगुल जब सत्य को ढकने का प्रयास करते हैं, तब न्याय के पक्ष में अडिग खड़ा होना असाधारण दृढ़ता की मांग करता है। सर्वोच्च अदालत ने यह स्पष्ट कर दिया कि उसके लिए संविधान किसी सुविधा का दस्तावेज नहीं, बल्कि सर्वोच्च मूल्य है। आरावली प्रकरण में विशेषज्ञ समिति का गठन हो या उन्नाव मामले में अनुचित राहत पर सख्त रोक—दोनों फैसले संतुलन, दूरदर्शिता और विवेकपूर्ण साहस की अनुपम मिसाल हैं। ये निर्णय प्रमाणित करते हैं कि न्यायालय तात्कालिक दबावों या प्रभावशाली वर्गों से संचालित नहीं होता, बल्कि जनहित, नैतिकता और दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित को अपने केंद्र में रखकर निर्णय करता है। आरावली और उन्नाव से जुड़े ये ऐतिहासिक फैसले भारतीय न्यायपालिका की आंतरिक शक्ति, मानवीय संवेदना और अडिग प्रतिबद्धता के उज्ज्वल प्रतीक बनकर उभरे हैं।

एक ओर सदियों पुरानी प्रकृति की मौन पीड़ा को स्वर मिला, तो दूसरी ओर अत्याचार से पीड़ित नारी की करुण पुकार को न्याय की संबल भरी स्वीकृति प्राप्त हुई। यह संविधान की उस जीवंत आत्मा का प्रकटीकरण है, जिसमें मानव गरिमा और पर्यावरण संरक्षण समान आदर के अधिकारी हैं। जब समय की कसौटी पर संस्थाएं डगमगाने लगती हैं, तब सर्वोच्च न्यायालय का हस्तक्षेप यह सिद्ध करता है कि न्याय कभी निर्बल नहीं होता, न ही परिस्थितियों के आगे समर्पण करता है। ये निर्णय आने वाली पीढ़ियों के लिए नैतिक प्रकाशस्तंभ बनेंगे और यह अटल संदेश देंगे कि भारत में न्याय आज भी जाग्रत है, सजग है और साहसपूर्वक सत्य के पक्ष में खड़ा है।

जीवनदायी खून क्यों बन रहा मौत

ज्ञान चंद पाटनी

ब्लड ट्रांसफ्यूजन जीवन रक्षक प्रक्रिया है लेकिन ब्लड बैंकों और अस्पतालों की बदइंतजामी के कारण यह मरीजों के लिए गंभीर रोगों या मौत का कारण भी बन जाती है। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के बाद मध्यप्रदेश के सतना जिले में भी थैलेसीमिया से जूझते मासूम बच्चों को एचआईवी संक्रमित खून चढ़ाने के सनसनीखेज मामले इसका प्रमाण हैं। राजस्थान के बीकानेर शहर में भी हाल ही मरीज को गलत ब्लड ग्रुप का खून चढ़ाने की घटना सामने आई है। राजस्थान में तो दो वर्ष के दौरान गलत ब्लड ग्रुप का खून चढ़ाने से चार मरीजों की मौत तक हो चुकी है। दूषित खून चढ़ाने की समस्या कितनी गंभीर है, इसका खुलासा 2015 में एक आरटीआई के जरिए हुआ था। नेशनल एड्स कंट्रोल प्रोग्राम (एनएसीपी) से मिली रिपोर्ट में बताया गया था कि 5 वर्ष में 8,938 मरीजों को एचआईवी संक्रमित ब्लड चढ़ाया गया था। ये हृदयविदारक घटनाएं ब्लड बैंकों की बदहाली, चिकित्सकों की लापरवाही, स्टाफ की संवेदनहीनता व सिस्टम की पोल खोल रही हैं। जाहिर है देश के विभिन्न भागों में खून की सतही जांच, मानवीय भूल व स्टोरेज की लापरवाही से मरीजों की मौत हो रही है या वे नई घातक बीमारियों का शिकार हो रहे हैं।

गलत या दूषित ब्लड के ट्रांसफ्यूजन के कारण होने वाली बीमारी के कारण मरीजों के परिजन भी सामाजिक कलंक, आर्थिक संकट व मानसिक परेशानी झेल रहे हैं। वैसे तो सुरक्षित और पर्याप्त खून की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए भारत में पिछले कुछ सालों में कई महत्वपूर्ण नीतिगत सुधार लागू किए गए हैं। वर्ष 1996 में सुप्रीम कोर्ट के एक ऐतिहासिक फैसले से प्रोफेशनल ब्लड डोनेशन को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया था। यह अलग बात है कि मिलीभगत या चोरी छिपे देश के कई इलाकों में अब भी ऐसा हो रहा है। ब्लड बैंकों के रेगुलेशन और लाइसेंसिंग के लिए नेशनल ब्लड ट्रांसफ्यूजन काउंसिल (एनबीटीसी) और स्टेट ब्लड ट्रांसफ्यूजन काउंसिल्स (एसबीटीसी) की स्थापना हुई। वर्ष 2002 में नेशनल ब्लड पॉलिसी भी बनाई गई। 2016-17 में किए गए नेशनल ब्लड रिक्वायरमेंट एस्टीमेशन से खून की जरूरत का अनुमान और भी बेहतर किया गया। साथ ही ब्लड ट्रांसफ्यूजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए डोनेशन से प्राप्त ब्लड की ट्रांसफ्यूजन ट्रांसमिसिबल इन्फेक्शन्स (टीटीआई) स्क्रीनिंग अनिवार्य की गई। इसमें एचआईवी, हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी, सिफलिस और मलेरिया की जांच शामिल है।

इसके बावजूद यदि ब्लड बैंकों से होता हुआ संक्रमित खून मरीजों तक पहुंच रहा है और अस्पतालों में गलत ग्रुप का खून चढ़ने से भी लोगों की मौत हो रही है तो पूरी व्यवस्था पर सवाल तो उठेगा ही।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि ब्लड बैंक आधुनिक चिकित्सा प्रणाली का महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। घायलों के इलाज, सर्जरी और जटिल प्रसव के दौरान ब्लड चढ़ाकर जान बचाई जाती है। थैलेसीमिया, एनीमिया या कैंसर रोगियों का जीवन बचाने के लिए भी ब्लड़ चढ़ाना होता है। बीटा-थैलेसीमिया मेजर जैसे आनुवंशिक रोगों में मरीजों को हर 15-30 दिन में 2-4 यूनिट ब्लड चढ़ाना पड़ता है।

इस वजह से ये मरीज ट्रांसफ्यूजन ट्रांसमिटेड इन्फेक्शन (टीटीआई) का सबसे संवेदनशील हाई रिस्क ग्रुप माने जाते हैं। मुश्किल यह है कि डोनेशन से प्राप्त ब्लड की टेस्टिंग में गंभीरता नहीं बरती जाती। साथ ही यह भी सच है कि भारतीय ब्लड बैंक वैश्विक मानकों से बहुत पीछे हैं। ब्लड बैंकों में पुरानी एलिसा किट्स विंडो पीरियड में एचआईवी को नहीं पकड़ पातीं। दुर्भाग्य से, ब्लड बैंक में जरूरी एलिसा टेस्ट की पीढ़ी के बारे में भी कोई न्यूनतम स्टैंडर्ड तय नहीं किए गए हैं। असल में, भारतीय ब्लड बैंकों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले टेस्ट के प्रकार में बहुत ज्यादा अंतर देखा गया है। ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन जैसे कई देश सभी ब्लड बैंक इन्फेक्शन का पता लगाने के लिए न्यूक्लिक एसिड टेस्टिंग (एनएटी) का इस्तेमाल कर रहे हैं। एनएटी दूसरे तरीकों की तुलना में ब्लड से होने वाले इन्फेक्शन का बहुत पहले पता लगा सकता है लेकिन भारत में यह सुविधा कुछ ही ब्लड बैंकों तक सीमित है। असल में एनएटी टेस्ट महंगा होता है, इसलिए ब्लड बैंक इससे बचते हैं।

फार्मास्युटिकल क्षेत्र में भारत की ताकत कम नहीं है। दुनिया के कई देशों की तुलना में बहुत कम लागत पर अच्छी क्वालिटी की दवाइयां बनाता है। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और सिप्ला जैसी कई कंपनियों ने इनोवेशन करने की क्षमता दिखाई है। इन कंपनियों को एनएटी टेस्ट की लागत कम करने की चुनौती दी जानी चाहिए ताकि इसे पूरे देश में लागू किया जा सके। इसमें कोई संदेह नहीं है कि देश में रक्त संग्रह, जांच, भंडारण और वितरण के लिए एक सुदृढ़ राष्ट्रीय ढांचे की जरूरत है। इसके लिए हाल ही नेशनल ब्लड ट्रांसफ्यूजन बिल, 2025,संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत किया गया है। यह प्राइवेट मेंबर बिल है जिसे सांसद पुरुषोत्तमभाई रूपाला ने लोकसभा में और डॉ. अजीत माधवराव गोपछड़े ने राज्यसभा में प्रपोज किया था। इसका उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना, स्वैच्छिक ब्लड डोनेशन को बढ़ावा देना, नियामक निगरानी तंत्र को मजबूत करने के साथ खून की सुरक्षित, पर्याप्त और विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करना है।

विधेयक में ब्लड ट्रांसफ्यूजन सेवाओं की केंद्रीकृत निगरानी के लिए एक नेशनल ब्लड ट्रांसफ्यूजन प्राधिकरण की स्थापना का प्रस्ताव है।

यह प्राधिकरण राज्यों के बीच तकनीकी असमानता को कम करना भी होगा। इसमें रक्त और रक्त घटकों के संग्रह, परीक्षण, प्रसंस्करण, भंडारण, वितरण और ब्लड ट्रांसफ्यूजन के लिए समान राष्ट्रीय मानक निर्धारित करने का भी प्रावधान है। इस विधेयक के तहत सभी ब्लड बैंकों का पंजीकरण अनिवार्य करने का प्रावधान है ताकि अनियमित संचालकों और अवैध या असुरक्षित रक्त संग्रह केंद्रों को समाप्त किया जा सके। फेडरेशन आफ इंडियन ब्लड डोनर्स आर्गेनाइजेशन और स्वास्थ्य क्षेत्र में सक्रिय कई एनजीओ ने भले ही इस विधेयक को लेकर उत्साह दिखाया हो लेकिन इसका पारित होना आसान नहीं है। असल बात यह है कि देश में स्वास्थ्य का मुद्दा अब भी प्राथमिकता नहीं बन पाया है। इसके बावजूद नेशनल ब्लड ट्रांसफ्यूजन बिल, 2025 ने इस गंभीर मुद्दे की तरफ ध्यान आकर्षित किया है। समस्याओं के समाधान के लिए नियम—कानून जरूर बनाए जाने चाहिए, लेकिन इनके क्रियान्वयन के मामले में गंभीरता भी जरूरी है। अभी तो हालत यह है कि रक्त चढ़ाने के दौरान सामान्य सावधानी बरतने में भी लापरवाही के मामले सामने आ रहे हैं।

घर का तापमान: स्त्री के भीतर चलती ऋतुएं

कृति आरके जैन

घर केवल दीवारों और छत से बना ढाँचा नहीं होता, वह एक जीवंत चेतना है, जो प्रतिदिन मनुष्यों के व्यवहार, भावनाओं और निर्णयों से आकार लेती और बदलती रहती है। यह ऐसी व्यवस्था है जो दिखाई कम देती है, पर हर क्षण अपना असर छोड़ती है। इसमें पुरुष और स्त्री दोनों की भूमिका होती है, किंतु यह भी निर्विवाद सत्य है कि घर का सूक्ष्म संतुलन प्रायः महिलाओं के हाथों में रहता है। प्रत्यक्ष रूप से नहीं, किसी अधिकार या आदेश के माध्यम से नहीं, बल्कि अपने स्वभाव, संवेदना और मौन प्रभाव से। वे नेतृत्व का दावा नहीं करतीं, निर्देश नहीं देतीं, फिर भी वातावरण की दिशा अक्सर वही तय करती हैं। यही कारण है कि घर का स्वरूप कई बार स्त्री की मानसिक स्थिति और भावनात्मक अवस्था का प्रतिबिंब बन जाता है।

यह मान लेना भी उचित नहीं कि हर महिला जिम्मेदारी उठाना चाहती है। कुछ स्त्रियाँ उसे स्वेच्छा से स्वीकार करती हैं, कुछ उससे दूरी बनाए रखना चाहती हैं, और कुछ परिस्थितियों के दबाव में उसे ओढ़ लेने को विवश हो जाती हैं। फिर भी सामाजिक ढाँचा ऐसा है कि घर की भावनात्मक ज़िम्मेदारी अंततः उन्हीं के हिस्से आ जाती है। वे चाहें या न चाहें, उनका व्यवहार, उनकी प्रतिक्रिया और उनकी चुप्पी घर के वातावरण को प्रभावित करती है। यह प्रभाव किसी आदेश से नहीं, बल्कि उस अदृश्य उपस्थिति से जन्म लेता है जो दिखती कम है, पर हर क्षण महसूस की जाती है - और चुपचाप घर की दिशा तय कर देती है।

महिलाएँ घर को केवल संचालित नहीं करतीं, वे उसके स्वभाव की रचना करती हैं। वे तय करती हैं कि घर में संवाद बहता रहेगा या चुप्पी जम जाएगी, अपनापन साँस लेगा या औपचारिकता हावी होगी, सहयोग पनपेगा या तनाव फैलता जाएगा। यह सब किसी लिखित नियम या तय व्यवस्था से नहीं चलता, बल्कि उनके रोज़मर्रा के व्यवहार से आकार ग्रहण करता है। एक हल्की मुस्कान, एक तीखा वाक्य, एक मौन ठहराव या एक संवेदनशील संवाद - ऐसे ही सूक्ष्म क्षण मिलकर घर का व्यापक चरित्र गढ़ते हैं। इसी कारण कहा जाता है कि घर का वातावरण प्रायः स्त्री के मन की प्रतिध्वनि होता है।

यह भी उतना ही यथार्थ है कि जब स्त्री पर अपेक्षाओं का भार आवश्यकता से अधिक लाद दिया जाता है, तब यही शक्ति धीरे-धीरे दबाव में बदलने लगती है। समाज उससे हर भूमिका निभाने की आशा करता है, पर उसे चयन की स्वतंत्रता बहुत कम देता है। यदि कोई स्त्री जिम्मेदारी से दूरी बनाना चाहे तो उसे लापरवाह ठहरा दिया जाता है, और यदि वह जिम्मेदारी उठा ले तो उसे स्वाभाविक मान लिया जाता है। यही दोहरा मानदंड घर के भीतर तनाव की जड़ बनता है, जो समय के साथ रिश्तों को भीतर ही भीतर खोखला करने लगता है।

घर को गढ़ना या बिगाड़ना स्त्री के हाथ में है — इस कथन का आशय तभी स्पष्ट होता है जब "बिगाड़ने" के अर्थ को सही संदर्भ में समझा जाए। बिगाड़ना हमेशा टकराव, कटुता या हिंसा का रूप नहीं लेता। कई बार यह भावनात्मक दूरी, उपेक्षा या संवाद के अभाव के रूप में सामने आता है। जब स्त्री भीतर से थक जाती है, सुनी नहीं जाती या उसकी भूमिका को हल्का समझ लिया जाता है, तब वह अनजाने ही घर से अपना जुड़ाव ढीला करने लगती है। यह कमी दिखाई नहीं देती, पर धीरे-धीरे घर की आत्मा को रिक्त करती चली जाती है।

इसके विपरीत, जब वही स्त्री सम्मान, सहभागिता और भरोसे का अनुभव करती है, तो उसका प्रभाव सहज ही चमत्कारी हो उठता है। तब वह घर को केवल सुव्यवस्थित नहीं रखती, बल्कि उसे संवेदनशील और जीवंत बना देती है। वह बच्चों को संवाद की भाषा सिखाती है, बड़ों के भीतर धैर्य का विस्तार करती है और रिश्तों में संतुलन का सूत्र पिरोती है। ऐसी स्त्री आदेश नहीं देती, दिशा सुझाती है; नियंत्रण नहीं करती, समन्वय रचती है।

उसका असर शोर में नहीं, स्थायित्व में दिखाई देता है - शांत, पर दूर तक फैलता हुआ। यही वह अदृश्य शक्ति है जो घर को केवल टिकाऊ नहीं, अर्थपूर्ण भी बनाती है। यह समझना आवश्यक है कि हर स्त्री एक-सी नहीं होती। कोई नेतृत्व करना चाहती है, कोई सहयोग में सहज होती है, और कोई केवल शांति के साथ अपना जीवन जीना चाहती है।

कठिनाई तब उत्पन्न होती है जब समाज सभी से एक ही भूमिका निभाने की अपेक्षा करता है। घर तभी संतुलित रह पाता है जब स्त्री को अपनी भूमिका स्वयं चुनने की स्वतंत्रता मिले -जब उसकी इच्छा, उसकी सीमा और उसकी क्षमता का आदर किया जाए। क्योंकि थोपी गई जिम्मेदारियाँ सृजन नहीं करतीं, वे केवल थकान, असंतोष और भीतर की रिक्तता को जन्म देती हैं। यह स्वीकार करना होगा कि घर का बनना या बिगड़ना किसी एक व्यक्ति की मंशा का परिणाम नहीं, बल्कि स्त्री की भावनात्मक अवस्था से गहराई से जुड़ा होता है। वह प्रत्यक्ष रूप से सत्ता में न होकर भी प्रभाव के केंद्र में होती है। उसकी चुप्पी, उसकी सहमति और उसकी असहमति-सब मिलकर घर की दिशा तय करती हैं। इसलिए यदि समाज सचमुच सुदृढ़ और संवेदनशील घर चाहता है, तो उसे महिलाओं से केवल जिम्मेदारी नहीं, अधिकार और सम्मान भी देना होगा। क्योंकि घर ईंटों से नहीं, स्त्री के भीतर चलने वाले उस संसार से बनता है जो पूरे परिवेश को आकार देता है।

हमारा विकसित विकास...झकास

डॉ टी महादेव राव

भैया! ज्यादा देर सुबह सुबह पार्क में सैर के बाद बैठ नहीं पाऊँगा। घर पर कोई मिलने आ रहा है।

अच्छा सुबह सुबह कोई रिश्तेदार आ रहा है क्या?

न भैया। बैंक के एजेंट को बुलाया है कर्ज़ लेना है पाँच लाख का।

अचानक ऐसी कौन सी ज़रूरत आन पड़ी कि तुम्हें कर्ज़ लेना पड़ रहा है? घर में सब ठीक तो है न? कहीं नए साल पर फ्लॅट की मरम्मत, पेंटिंग तो नहीं करवा रहे हो? अभी दीवाली में ही तो मरम्मत और पेंटिंग का काम करवाया हूँ। तो फिर ये इतने पैसों की जरूरत कैसे आन पड़ी? भैया सरकार के तथाकथित जीएसटी कम किए जाने के जश्न ने और दीपावली के शॉपिंग आफ़रों ने मेरे घर पर धावा बोला है और मेरा सारा बैंक बैलेन्स, क्रेडिट कार्डों की खर्चने की सीमा को खत्म कर दिया इस जीएसटी और आफ़रों ने। साफ साफ बताओगे या यूं ही पहेलियों में बात करोगे? आप तो जानते हैं जीएसटी कम होने का नाटक अखबारों में दो तीन पेज का विज्ञापन छपा, और चार पेज तरह तरह के घरेलू उपकरण, कार, स्कूटी, टीवी, मोबाइल और न जाने क्या क्या छापे हैं। उन्होंने ऐसे लुभावने आफर दिये हैं, कीमतें कम करने का जो स्वांग रचा है कि समान मासिक किश्त, पच्चीस हज़ार रुपये कैश बैक, पुरानी चीजों को वापस करने पर अच्छी कीमत, सारी चीजों पर दो साल की वारंटी या गारंटी। इसमें फँसकर मेरा पूरा परिवार मेरे खिलाफ हो गया है। मैं कहता कि जब हमारे पास सारी चीज़ें पहले से ही हैं तो नया क्यों खरीदना? पैसों की बरबादी है न?

सही तो कहा तुमने। फिर क्या हुआ? क्या रूपा ने तुम्हारा सपोर्ट नहीं किया?

सबसे पहले वही कहने लगी फ्रिज पुरानी हो गई है, मोबाइल भी पुराना हो गया है। इन दोनों को बदलकर नई ले लेते हैं। देखा देखी बेटे ने कहा पापा पुरानी कार और स्कूटी भी बदलकर क्यों न इलेक्ट्रिक कार और स्कूटी ले लें? बेटी ने कहा यह बयालीस इंच की पुरानी टीवी बदलकर नई तिरेसठ इंच की टीवी ले लें पापा जैसा कि मेरे सहेली सिंधु के घर में है। मैंने कहा इन सब के लिए कितने पैसे चाहिए जानते हो? वे बोले पापा जीएसटी कम हुआ है, रियायतें भी मिल रही हैं, आपके पास दस लाख तक के क्रेडिट कार्ड हैं, डेबिट कार्ड में भी दस एक लाख हैं।

आप गरीबी का रोना क्यों रोते हैं? और तीनों मिलकर मेरे सारे कार्ड ले लिए और शॉपिंग करने जाएंगे। मैंने एहतियात के तौर पर कुछ पैसे लोन लेने का फैसला किया है।

लगता है जीएसटी के साथ विकास कर रहे हैं हम लोग। कल को वे पूछेंगे बताओ कभी पिछली सरकारों के कार्यकाल में जीएसटी कम हुआ है? हमने जीएसटी कम की और विकास कर रहे हैं। बोलो अच्छे दिन आ गए कि नहीं?

जीएसटी आपने शुरू की आठ साल पहले और निचोड़ निचोड़ कर दोहरा तिहरा पैसा लिया गया है। अब थोड़ा कम करके विकास का नाटक। यह तो वही बात हुई कि मारे दस जूते और फिर माफी मांगते हुये गाल पर मरहम लगाए।

लेकिन छोटू! यह व्यापारी का दिमाग है। चित भी मेरा, पट भी मेरा अन्टा मेरे बाप का वाली कहावत सिद्ध करने में लगे हैं। रुको, देखते हैं और क्या क्या कमाल करते हैं। कब तक धोती को फड़के रुमाल करते हैं।

डिजिटल लाइफस्टाइल में बुजुर्ग स्मृति भ्रंश के शिकार हो रहे हैं

स्नेहा सिंह

दुनिया में 3.5 करोड़ लोग मानसिक प्रभाव की चपेट में जापान में, 18,000 बुजुर्ग अपना घर का रास्ता भूल गए, 500 की मौत, भारत में भी स्थिति चिंताजनक, एक क्लिक में जानकारी पाने की लत ने मस्तिष्क पर गहरा दुष्प्रभाव डाला है, मस्तिष्क तार्किक शक्ति और स्मरण-शक्ति खोता जा रहा है

दुनिया भर में हर साल करोड़ों लोग याददाश्त खोने लगे हैं। वे अपने घर का पता, किसी अन्य स्थान का पता भूल जाते हैं और रास्ते में दुर्घटनाओं का शिकार होकर मृत्यु तक हो जाती है। वर्तमान में यह समस्या सबसे अधिक जापान में गंभीर रूप ले चुकी है। इसके बाद भारत में भी यह समस्या बड़ी होती जा रही है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक स्मृति भ्रंश के मामले सामने आ रहे हैं, जो अत्यंत चिंताजनक हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अभी स्थिति स्मृति भ्रंश तक सीमित है, लेकिन यदि समय रहते इसे नियंत्रित नहीं किया गया तो भविष्य में यह बीमारी मनोभ्रंश (डिमेंशिया) में बदल सकती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर में स्मृति भ्रंश से पीड़ित लोगों की संख्या 2050 तक तीन गुना बढ़कर 12 करोड़ तक पहुंच सकती है।

डिजिटल क्रांति के बाद से लोग लगातार नई-नई तकनीकों और उपकरणों का उपयोग करने लगे हैं। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, स्मार्टफोन, स्मार्ट गैजेट्स और आधुनिक तकनीकी साधनों की आदत पड़ चुकी है। हम इन डिजिटल उपकरणों का इतना अधिक उपयोग करने लगे हैं कि जो काम पहले मस्तिष्क से होते थे, वे भी अब मोबाइल और गैजेट्स के भरोसे होने लगे हैं। इसका परिणाम नकारात्मक रूप में सामने आ रहा है। हालिया रिपोर्टों के अनुसार, डिजिटल उपकरणों के अत्यधिक उपयोग का सीधा असर बुजुर्गों के मस्तिष्क पर पड़ रहा है और उनमें स्मृति भ्रंश के मामले बढ़ रहे हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, हर साल करोड़ों लोग अपनी याददाश्त खो देते हैं। वे किसी काम से बाहर निकलते हैं और कहीं और पहुंच जाते हैं, दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं और कई बार सड़क पर ही उनकी मृत्यु हो जाती है। यह समस्या इस समय सबसे अधिक जापान में देखी जा रही है और इसके बाद भारत की बारी आने की आशंका जताई जा रही है। कुछ समय पहले किए गए शोध में सामने आया कि जापान में 18,000 बुजुर्ग स्मृति भ्रंश के कारण अपने घर का पता भूल गए। बाहर निकलने के बाद वे भटक गए। हालात इतने गंभीर हो चुके हैं कि 500 से अधिक बुजुर्ग दुर्घटनाओं में मारे गए। कई मामलों में उनके शव लावारिस हालत में मिले। विशेषज्ञों का कहना है कि यह समस्या केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं है। डिजिटल उपकरणों पर अत्यधिक निर्भरता के कारण हर आयु वर्ग की स्मरणशक्ति प्रभावित हो रही है। बच्चों से लेकर युवाओं और बुजुर्गों तक स्मृति भ्रंश के मामले बढ़ रहे हैं। यदि इसे समय रहते नियंत्रित नहीं किया गया तो यह मनोभ्रंश जैसी गंभीर बीमारी का रूप ले सकती है। बुजुर्गों को तो किसी हद तक घर में संभाला जा सकता है, लेकिन यदि कम उम्र के लोगों में यह बीमारी फैलने लगी तो यह पूरी दुनिया के लिए बड़ी समस्या बन जाएगी। स्मृति भ्रंश में सामान्य देखभाल संभव है, लेकिन मनोभ्रंश में स्थिति अत्यंत कठिन हो जाती है। इसमें केवल याददाश्त ही नहीं जाती, बल्कि भाषा-क्षमता, तार्किक सोच और निर्णय लेने की शक्ति भी कमजोर पड़ने लगती है।

नए साल के पहले दिन करें अपने गुरु से जुड़े ये काम, जीवन भर करेंगे तरक्की

कहते हैं कि जीवन में अगर तरक्की करनी हो तो अपने माता-पिता और गुरुओं का विशेष ख्याल रखना चाहिए और बिना गुरु के जीवन में अच्छी सीख और अच्छी तरह की संभव नहीं होती है चाहे आप जिस क्षेत्र में हो हर क्षेत्र में गुरुओं का होना बहुत जरूरी है।

ऐसा भी कहा जाता है कि गुरु के बिना ज्ञान नहीं, चलिए हम पूरी बात बताते हैं।

दरअसल, नया साल मनाने व सेलिब्रेशन करने के लिए लोगों में अब से ही काफी उत्साह देखा जा रहा है। ऐसे में लोग नया साल को लेकर तरह-तरह के प्लानिंग भी करते नजर आ रहे हैं लेकिन क्या आपको पता है कि इस बार का नया साल का पहला दिन गुरुवार पड़ रहा है। जिस कारण यह दिन बहुत ही खास होने वाला है और यह पूरा साल आपको सुख में रखेगा। बशर्ते आपको इस दिन कुछ नियमों का पालन करना जरूरी है।

नए साल पर जरूर करें ये कार्य

इस बार का नया साल 1 जनवरी दिन गुरुवार को पड़ रहा है गुरुवार का दिन गुरुओं का दिन कहा जाता है। गुरु यानी बृहस्पति बिना गुरु के लोगों का जीवन अंधकार में होता है। ऐसे में इंसान को गुरुओं का आशीर्वाद होना बहुत जरूरी है। ऐसा कहा जाता है कि सभी राशियों के भी गुरु बृहस्पति हैं और जीवन में धन-धन सौभाग्य और सुख में जीवन के लिए लोगों को गुरुओं की पूजा अवश्य करनी चाहिए। वहीं जानकारी देते हुए पूर्णिया के पंडित दयानाथ मिश्र बताते हैं कि इस बार का 1 जनवरी दिन गुरुवार को पड़ रहा है इसलिए दिन और भी खास हो रहा है। हालांकि, वह कहते हैं कि इस दिन लोगों को गुरुओं की पूजा अर्चना और गुरुओं का सम्मान करना बहुत लाभप्रद होगा।

नए साल के दिन करें अपने गुरु से जुड़े ये काम।।

वहीं उन्होंने कहा 1 जनवरी 2026 दिन गुरुवार के दिन आप अपने माता-पिता और गुरुओं का सम्मान जरूर करें। उनका आशीर्वाद ले। साथ ही साथ इस दिन आप प्रातः काल जगकर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा आराधना करें। इससे आपका पूरा दिन ही नहीं बल्कि पूरा साल खुशहाल और सुखी रहेगा। इस दिन आप पीला वस्त्र जरूर पहनें साथ ही साथ शाम होते ही आप मां तुलसी की भी पूजा अर्चना जरूर करें। किसी गरीब व निर्धन लोगों को पीली वस्तुओं या पीले मिष्ठान का दान जरूर करें। आज के दिन 108 बार ओम नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप करना आपके लिए पूरा साल लाभकारी रहेगा।

नए साल में किस राशि का बिजनेस करेगा तरक्की

नया साल आने पर उम्मीदें बढ़ जाती हैं। नए साल की शुरुआत के साथ ही लोगों की उम्मीदें भी बढ़ जाती हैं। हिंदू धर्म में राशियों का विशेष महत्व है और उसी के अनुसार फलों का निर्धारण किया जाता है। नए साल पर बिजनेस और पैसे के नजरिए से कुछ राशियों की चांदी रहेगी। वहीं, कुछ राशियों को विशेष रूप से सावधान रहने की आवश्यकता है, वरना नुकसान हो सकता है।

विंध्यधाम के ज्योतिषाचार्य अखिलेश अग्रहरि ने बताया कि नए साल पर मकर राशि के जातकों के लिए व्यवसाय अच्छा रहेगा। नए अवसर मिलेंगे और मेहनत व समझदारी से सफलता हासिल होगी। वहीं, नए प्रोजेक्ट भी सफल होंगे।

तुला राशि के लोगों को आर्थिक रूप से सावधान रहने की आवश्यकता है। निवेश से जुड़े फैसले सोच-समझकर लें। हालांकि, व्यवसायिक सोच और अनुशासन से बाजार में विश्वसनीयता बढ़ेगी। ध्यान से काम करने पर नए ग्राहक जुड़ेंगे और पार्टनर के साथ कोई नया काम भी शुरू कर सकते हैं।

तुला राशि के जातकों को पैसे की बचत के साथ ही धन के नए सोर्स पर ध्यान देना होगा। ध्यानपूर्वक उठाए गए कदमों से बचत होगी और भविष्य सुरक्षित होगा। खर्चों पर नियंत्रण के साथ ही कमाई को लेकर नए कदम उठाने होंगे।

वृश्चिक, वृषभ, धेनु व अन्य राशियों का समय मिला-जुला रहेगा। सभी को व्यवसाय से लेकर पैसे की बचत पर ध्यान देने की आवश्यकता है। इन राशियों के लिए पूरे साल अवसर मिलेंगे, उन्हें भुनाने की कोशिश करें।

कुल मिलाकर यह साल मकर राशि के लिए अवसरों से भरा रहेगा और तुला राशि के लिए थोड़ी मेहनत व धैर्य की आवश्यकता होगी। कोई भी कदम बेहद सोच-समझकर उठाएं। प्लान के साथ किया गया काम सफल होगा। पैसे बचाने और खर्चों को पूरे साल नियंत्रित रखें।

ठीक से पर्वतों को देख लें तो माया मोह, शोक चला जाता है

पहले पर्वतों के भी पंख हुआ करते थे। उनकी उड़ान देखकर हर कहीं उनका टिकना इंद्र को पसंद नहीं आया। इंद्र ने पंख काट दिए और पहाड़ एक जगह स्थिर हो गए। पहाड़ों को अगर ध्यान से सुना जाए तो वो कहते हैं कि हमारी स्थिरता ही हमारी यात्रा है।

मनुष्य के जीवन में पहाड़ बहुत बड़ा संदेश देते हैं। जैसे नदियां भी बहुत कुछ समझाती हैं। योगी लोग एक प्रयोग बताते हैं। सुबह उठने के बाद आंख बंद करके किसी नदी, विशेषकर गंगा का स्मरण करें। और रात को सोने के पहले किसी पहाड़- वो हिमालय भी हो सकता है- उसका स्मरण करें।

शंकर जी के कहने पर पक्षीराज गरुड़ काकभुशुण्डि जी के पास पहुंचे तो वहां उन्हें एक पर्वत दिखा। तुलसी लिखते हैं- देखि सैल प्रसन्न मन भयऊ, माया मोह सोच सब गयऊ। उस पर्वत को देखकर उनका मन प्रसन्न हो गया और सब माया, मोह और सोच जाता रहा। अगर ठीक से पर्वतों को देख लिया जाए तो माया यानी इल्यूजन, मोह यानी फैसिनेशन, सोच (शोक) यानी ग्रीफ चला जाता है। पाषाण में भी प्राण हैं!

सीतामढ़ी के पांच पावन धाम, जहां नए साल पर उमड़ेगी आस्था की बयार

नया साल शुरू होते ही भक्तों की आस्था चरम पर पहुंच जाती है। सीतामढ़ी जिले में कई ऐसे पावन स्थल हैं। जहां हजारों की की भीड़ जुटती है और श्रद्धालु नए वर्ष की शुरुआत भगवान के दर्शन और आशीर्वाद के साथ करते हैं। धार्मिक महत्व और ऐतिहासिक मान्यताओं के कारण ये मंदिर न केवल स्थानीय लोगों बल्कि दूर-दराज़ से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी आकर्षण का केंद्र बने रहते हैं। प्रशासन भी सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर विशेष तैयारी करता है।

पुनौरा धामः सीतामढ़ी का सबसे प्रमुख धार्मिक केंद्र पुनौरा धाम माता सीता की जन्मस्थली के रूप में प्रसिद्ध है। यहां भक्त नए साल पर विशेष पूजा-अर्चना और हवन करते हैं। विशाल मंदिर परिसर, भव्य वास्तुकला और ऐतिहासिक महत्व के कारण यह स्थान आस्था का सबसे बड़ा केंद्र माना जाता है।श्रद्धालुओं का ऐसा विश्वास है कि यहां दर्शन मात्र से वर्ष शुभ हो जाता है।

जानकी मंदिर (रजत द्वार): शहर के बीचों बीच स्थित जानकी मंदिर अपने रजत द्वार और सुंदर स्थापत्य के लिए दूर-दूर तक जाना जाता है। यहां हर वर्ष नए साल के मौके पर भारी भीड़ उमड़ती है। मंदिर में आरती, भजन और विशेष पूजा का आयोजन होता है। सीतामढ़ी आने वाला हर भक्त इस मंदिर में जरूर पहुंचता है और खुशहाल जीवन की कामना करता है।

वैष्णव देवी मंदिरः आरडी पैलेस रोड स्थिति मंदिर मां की दर्शन से शांति, भक्ति और अध्यात्म का अद्भुत संगम माना जाता है। यहां भक्त माता के दर्शन कर नए वर्ष की शुरुआत शुभ संकल्पों के साथ करते हैं। यहां दूर-दराज़ के श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में पहुंचते हैं। खासकर आसपास के लोगों की भीड़ जुटती है।

पंथ पाकड़ धामः ऐतिहासिक और धार्मिक मान्यताओं से जुड़े पंथ पाकड़ धाम की अपनी अलग पहचान है। यहां माता जानकी की डोली स्थल के नाम से लोग जानते है। यहां स्थित पवित्र वृक्ष और मंदिर परिसर श्रद्धालुओं के लिए आस्था का बड़ा केंद्र हैं। माना जाता है कि यहां दर्शन और पूजा करने से

जीवन में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं। नए साल पर यहां भारी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ती है।

राधा कृष्ण मंदिरः प्रेम, भक्ति और माधुर्य का प्रतीक राधा-कृष्ण मंदिर नए साल पर विशेष रूप से सजा रहता है।यहां सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें लगती हैं। श्रीकृष्ण भक्ति के रस में डूबे कीर्तन, आरती लोगों को आध्यात्मिक आनंद से भर देते हैं। श्रद्धालु नए वर्ष में सुख-शांति और समृद्धि की कामना के साथ यहां मत्था टेकते हैं।

महावीर मंदिर : सीतामढ़ी कोर्ट बाजार में स्थित महावीर मंदिर (हनुमानजी मंदिर) स्थानीय श्रद्धालुओं के बीच अच्छी पहचान रखता है। यहां मंगलवार और शनिवार को विशेष रूप से हनुमानजी की पूजा होती है।भक्त दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर के पास अक्सर भक्तों की भीड़ रहती है। अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना करते हैं। नए साल पर भी इस महावीर मंदिर में आस्था जताने वालों की संख्या बढ़ जाती है, भक्त सुबह-शाम दर्शन करके साल की शुभ शुरुआत की प्रार्थना करते हैं।

अष्टधातु का छल्ला पहनने के फायदे व नियम

अष्टधातु का छल्ला पहनने के नियम

शास्त्रों के अनुसार अष्टधातु से निर्मित छल्ला या अंगूठी शनिवार और मंगलवार के दिन धारण करना शुभ माना जाता है। इसके अलावा, इसे पूर्णिमा और शुक्ल पक्ष में शुभ मुहूर्त में धारण करना अत्यंत लाभदायक माना गया है। इससे जातक के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं।

अष्टधातु के छल्ले को अनामिका उंगली में पहनना सबसे उत्तम माना जाता है।

इसके अलावा, आप यह छल्ला तर्जनी उंगली में भी धारण कर सकते हैं, इसे गुरु की उंगली माना जाता है। इससे ग्रहों के प्रतिकूल प्रभाव से बचाव होता है।

अष्टधातु का छल्ला धारण करने से पहले स्नानादि करने के बाद साफ वस्त्र धारण करने चाहिए। फिर, पूजा-पाठ करके अपने कुल देवी-देवता, भाग्येश अथवा लग्नेश के मंत्रों का जाप करके छल्ला धारण करना चाहिए।

इसे पूर्व दिशा की ओर मुख करके पहनना उत्तम माना जाता है।

शनिवार या मंगलवार के दिन छल्ले को धारण करने से पहले इसे गंगाजल से शुद्ध भी अवश्य करना चाहिए और धूप अगरबत्ती दिखाकर अष्टधातु का छल्ला या अंगूठी धारण करें। इसे धारण करने वालों को तामसिक भोजन नहीं करना चाहिए।

मेष, वृश्चिक, धनु, मकर और कुंभ आदि राशि वालों को अष्टधातु का छल्ला अवश्य धारण करना चाहिए। ऐसा करने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। वहीं, जिनकी कुंडली में राहु की स्थिति अशुभ हो वे भी इस छल्ले को पहन सकते हैं।

अष्टधातु का छल्ला धारण करने से पहले ज्योतिषी को अपनी कुंडली जरूर दिखानी चाहिए। उनकी सलाह लेकर सही धातु धारण करने से जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। धीरे-धीरे आप प्रगति के रास्ते पर चल पडेंगे।

श्रीकृष्ण ने अर्जुन के सभी भय-भ्रम किए थे दूर, इसके बाद अर्जुन ने युद्ध के लिए की थी नई शुरुआत

साल 2025 खत्म हो रहा है और नया साल 2026 शुरू होने वाला है। नया साल यानी नई शुरुआत, अगर हमारी नई शुरुआत सही हो जाए तो पूरा साल लाभदायक बन सकता है। श्रीमद् भगवद्गीता में अर्जुन ने युद्ध से पहले अपना गांडिव नीचे रख दिया था और युद्ध करने का विचार ही छोड़ दिया था, उस समय श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया। इस उपदेश के बाद अर्जुन के सारे भ्रम दूर हो गए और वे एक नई शुरुआत करने के लिए तैयार हो गए। इस प्रसंग में हमारे लिए ये संदेश है कि नई साल में हमें सभी तरह डर और भ्रम (कन्फ्यूजन) दूर करके आगे बढ़ना चाहिए, तभी सफलता मिलेगी।

महाभारत युद्ध से ठीक पहले अर्जुन गहरे भ्रम में उलझ गए थे। उनके सामने अपने कुटुम्ब के लोग, गुरु और मित्र खड़े थे। ये सब देखकर अर्जुन का मन युद्ध से हट गया, धनुष-बाण हाथ से गिर गए।

इसके बाद अर्जुन ने श्रीकृष्ण से कहा कि कि मैं ये युद्ध नहीं करना चाहता। ये अर्जुन के जीवन का सबसे कमजोर समय था, लेकिन इसी समय में अर्जुन के जीवन नई शुरुआत भी हुई थी।

अर्जुन के भ्रम दूर करने के लिए श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया। वे अर्जुन को समझाते हैं कि जीवन में परिवर्तन से डरना स्वाभाविक है, लेकिन कर्तव्य से भागना सही नहीं है।

भगवान ने आगे कहा कि आत्मा न जन्म लेती है, न मरती है, केवल शरीर बदलता है। जैसे पुराने वस्त्र त्यागकर नए वस्त्र धारण किए जाते हैं, वैसे ही जीवन में भी नए-नए चरण आते-जाते रहते हैं।

श्रीकृष्ण ने अर्जुन को ये भी समझाया कि कर्म करना हमारे हाथ में है, लेकिन उसका फल हमारे हाथ में नहीं है। जब व्यक्ति परिणाम के डर को छोड़कर सही काम करता है, तभी वह सच्ची नई शुरुआत कर पाता है। इसके बाद भगवान अर्जुन को अपने भय, मोह और भ्रम से बाहर निकलने के लिए प्रेरित करते हैं।

गीता उपदेश के बाद अर्जुन का पूरा दृष्टिकोण बदल जाता है। जो अर्जुन युद्ध से भागना चाहता था, वही अर्जुन अब पूरे विश्वास और साहस के साथ एक नई शुरुआत करने के लिए

तैयार हो जाता है। ये परिवर्तन केवल युद्ध लड़ने का नहीं था, बल्कि सोच, आत्मबल और उद्देश्य की नई शुरुआत थी।

प्रसंग की सीख

श्रीकृष्ण और अर्जुन के इस प्रसंग की सीख ये है कि नई शुरुआत बाहरी परिस्थितियों से नहीं, बल्कि आंतरिक परिवर्तन से होनी चाहिए। जब कोई रास्ता कठिन लगे, तब किसी अनुभवी से मार्गदर्शन लेना चाहिए। अपने कर्तव्य को समझें और भय को त्यागें, तभी सकारात्मक नई शुरुआत हो सकती है।

नए साल की शुरुआत में ध्यान रखेंगे ये बातें, तो मिल सकती है सफलता

बीते कल को स्वीकार करें- नई शुरुआत करने से पहले यह जरूरी है कि आप अपने बीते को नकारें नहीं। जो हुआ, उससे सीख लें और स्वयं को दोष देना छोड़ दें। पुरानी गलतियों से सीख लेकर नए साल में प्रवेश करें।

स्पष्ट लक्ष्य तय करें- नई शुरुआत बिना दिशा के नहीं हो सकती। ये स्पष्ट करें कि आप क्या बदलना चाहते हैं और क्यों। लक्ष्य स्पष्ट होगा, तभी सकारात्मक शुरुआत हो पाएगी।

छोटे-छोटे बदलावों से शुरुआत करें- जीवन में हर बदलाव बड़ा होना जरूरी नहीं। छोटे-छोटे बदलावों को अपनाकर भी आगे बढ़ सकते हैं। ऐसा करने से आत्मविश्वास बढ़ता है और हमारे कामों में निरंतरता आती है।

डर को पहचानें और उसे दूर करें- नई शुरुआत का सबसे बड़ा शत्रु डर है। अपने डर को समझें और उसे दूर करें। डर दूर होगा, तभी नई शुरुआत हो पाएगी।

लाइफ स्टाइल में सकारात्मक परिवर्तन करें- सुबह जल्दी उठना, ध्यान करना, अच्छी किताबें पढ़ना, व्यायाम करना, अपनी लाइफ स्टाइल में ऐसे छोटे-छोटे सकारात्मक परिवर्तन जरूर करें। लाइफ स्टाइल बदलेगी तो जीवन की दिशा भी बदलेगी।

सकारात्मक लोगों की संगति में रहें- जिन लोगों के साथ आप समय बिताते हैं, उनका प्रभाव काफी गहरा होता है। प्रेरणादायक और सकारात्मक लोगों के साथ रहेंगे तो जीवन में सकारात्मकता बनी रहेगी।

धैर्य रखें- नई शुरुआत तुरंत परिणाम नहीं देती है। हर फल समय पर ही मिलता है। इसलिए धैर्य रखें।

स्वयं पर भरोसा रखें- अपनी दूसरों से तुलना न करें। खुद की प्रगति देखें। आत्मविश्वास ही हर नई शुरुआत की नींव है। खुद पर भरोसा रखें और आगे बढ़ते रहें।

कृतज्ञता और संतुष्टि का भाव रखें- जो चीजें हमारे पास हैं, उनके लिए आभार व्यक्त करें, अपनी चीजों से संतुष्ट रहें। कृतज्ञता और संतुष्टि का भाव रहेगा तो किसी भी स्थिति में मन अशांत नहीं होगा।

अनबन की चर्चाओं के बीच तारा सुतारिया ने वीर पहाड़िया पर लुटाया प्यार, साथ में साझा की तस्वीर

अभिनेत्री तारा सुतारिया इन दिनों फिल्मों की बजाय अपनी व्यक्तिगत जिंदगी को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। हाल ही में एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट से वायरल हुए वीडियो के बाद, तारा और वीर पहाड़िया के रिश्ते को लेकर भी तमाम तरह की चर्चाएं चल रही हैं। कॉन्सर्ट के दौरान वीर के सामने एपी ढिल्लों का तारा को किस करने और गले लगाने के बाद, सोशल मीडिया पर वीर का रिएक्शन वायरल था। जिसके बाद फैंस को उनके ब्रेकअप होने का डर सता रहा था। लेकिन अब तारा ने वीर पर प्यार लुटाते हुए इन सभी अफवाहों पर विराम लगा दिया है।

तारा ने शेयर की तस्वीर

तारा सुतारिया ने इंस्टाग्राम पर अपने फ्रेंड ओरी द्वारा पोस्ट की गई एक सेल्फी कोलाज को री-शेयर किया है। यह तस्वीर किसी प्राइवेट पार्टी की मालूम पड़ती है। इसमें दो तस्वीरें हैं, पहली सेल्फी में ओरी वीर के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। दूसरी तस्वीर में ओरी तारा सुतारिया के साथ पोज देते हुए दिख रहे हैं। इन तस्वीरों वाली ओरी की पोस्ट को अपनी स्टोरीज पर रीपोस्ट करते हुए तारा ने प्यार भरे अंदाज में लिखा है, 'आह माय (मेरा)' इसके साथ उन्होंने लाल दिल वाले इमोजी भी बनाए हैं। इसके जरिए उन्होंने वीर पहाड़िया पर जमकर प्यार लुटाया है।

एपी ढिल्लों ने स्टेज पर तारा को किया था किस

बीते दिनों तारा सुतारिया उस वक्त चर्चा में आ गई थीं जब एपी ढिल्लों के मुंबई में हुए कॉन्सर्ट से एक वीडियो सामने आया था। तारा और वीर कॉन्सर्ट में पहुंचे थे। वीडियो में दिखता है कि तारा वीर के साथ कॉन्सर्ट का आनंद ले रही हैं। तभी एपी ढिल्लों तारा को हाथ पकड़कर स्टेज पर ले जाते हैं। इसके बाद वो तारा को किस करते हैं और गले लगाते हैं। बाद में तारा और एपी क्लोज डांस भी करते हैं। इस दौरान वीडियो में वीर का रिएक्शन कैद हुआ था, जो काफी वायरल हो गया था। हालांकि, वीर गानों पर लिपसिंक भी कर रहे थे। इस वीडियो के सामने आने के बाद ही सोशल मीडिया पर यूजर्स ने दोनों के रिश्ते को लेकर भी तमाम तरह के कयास लगाए थे।

आखिरी बार 2023 में 'अपूर्वा' में नजर आई थीं तारा

वर्कफ्रंट की बात करें तो तारा सुतारिया आखिरी बार 2023 में आई फिल्म 'अपूर्वा' में नजर आई थीं। इसके बाद से वो बड़े पर्दे से दूर हैं। जबकि वीर पहाड़िया ने साल 2025 की शुरुआत में आई फिल्म 'स्काई फोर्स' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की है। इसक बाद उनके दूसरे प्रोजेक्ट को लेकर कोई जानकारी अब तक सामने नहीं आई है।

डिप्रेशन के बाद मोटापे पर आमिर खान की लाडली ने रखी राय

सुपरस्टार आमिर खान की बेटी आयरा खान काफी वोकल हैं। वह अक्सर कई मुद्दों पर अपनी बार रखती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने बॉडी इमेज को लेकर अपनी मुश्किलों के बारे में बात की है। अपने विचारों को शेयर करते हुए, उन्होंने माना कि इन भावनाओं का सामना करना डरावना है। आयरा ने एक वीडियो में बताया है कि उन्होंने अपने अंदर एक छोटा बदलाव देखा है जिसने उन्हें इस बारे में बात करने की प्रेरणा दी है।

मोटापे से जूझ रहीं आयरा

आयरा ने बताया 'हां, मैं मोटी हूं। 2020 से मैं अनफिट होने और मोटापे के बीच झूल रही हूं। इसके बारे में बहुत कुछ कहा जा सकता है। निश्चित रूप से ऐसी बहुत सी बातें हैं, जिन्हें मुझे अभी भी समझने की जरूरत है। मुझे लगता है कि कम से कम थोड़ा सा बदलाव हुआ है, इसलिए मैंने इसके बारे में बात करने का फैसला किया। हो सकता है कि मैं उतनी साफ न बोल पाऊं जितनी मैंने अपने डिप्रेशन के बारे में बात करते समय बोला था।'

रिश्तों पर पड़ रहा प्रभाव

उन्होंने आगे कहा 'मोटापा मेरे रिश्ते, मेरे व्यवहार और हर चीज के बीच आ रहा है। मैं कहूंगी कि यह उतना ही परेशान कर रहा है जितना मेरा डिप्रेशन करता था। इसलिए मैं इस बारे में बात करना चाहती हूं। मैं यह समझने की कोशिश करना चाहती हूं कि मैं क्या सोचती हूं। मुझे उम्मीद है कि इससे मुझे मदद मिलेगी।'

आयरा ने की थी डिप्रेशन पर बात

आयरा खान ने पहले डिप्रेशन के साथ अपनी लंबी लड़ाई के बारे में बात की थी। उन्होंने माना था कि जिस आरामदायक जिंदगी से वह आती हैं, उसकी वजह से उन्हें गिल्ट महसूस होता था।

फर्जी व्हाट्सऐप अकाउंट से सावधान कृति खरबंदा ने फैंस को किया अलर्ट

आज के दौर में सोशल मीडिया और मैसेजिंग ऐप्स ने लोगों की जिंदगी आसान बना दी है. लोग इन्हीं प्लेटफॉर्म्स के जरिए दोस्तों, परिवार और पसंदीदा सितारों से जुड़े रहते हैं. लेकिन इसके साथ ही साइबर ठगी का खतरा भी तेजी से बढ़ रहा है. इसी को देखते हुए बॉलीवुड अभिनेत्री कृति खरबंदा ने अपने फैंस को सतर्क रहने की सलाह दी है.

कृति ने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए बताया कि कोई व्यक्ति उनके नाम से फर्जी व्हाट्सऐप अकाउंट बनाकर लोगों से संपर्क कर रहा है. अभिनेत्री ने एक चैट का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए साफ कहा कि वह नंबर उनका नहीं है.

कृति ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'यह मेरा नंबर नहीं है. किसी और की पहचान का गलत इस्तेमाल करना पहचान की चोरी है. किसी भी संदिग्ध व्हाट्सऐप नंबर पर भरोसा न करें. कृपया सतर्क रहें और सावधानी बरतें. एक्ट्रेस की यह चेतावनी ऐसे वक्त में आई है, जब सेलिब्रिटीज के नाम पर ऑनलाइन ठगी और फर्जी पहचान के मामले लगातार सामने आ रहे हैं. ऐसे फर्जी अकाउंट्स का मकसद लोगों को गुमराह करना, निजी जानकारी हासिल करना या पैसों की ठगी करना होता है.

कृति से पहले ये एक्ट्रेस कर चुकी खुलासा

कृति की पोस्ट पर फैंस ने तुरंत प्रतिक्रिया दी. कई यूजर्स ने सोशल मीडिया और मैसेजिंग ऐप्स के बढ़ते गलत इस्तेमाल पर चिंता जताई, वहीं कुछ लोगों ने ऑनलाइन ठगी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग भी की.कृति खरबंदा से पहले अभिनेत्री अदिति राव हैदरी भी ऐसे ही मामले का खुलासा कर चुकी हैं. अदिति ने इंस्टाग्राम पर बताया था कि कोई व्यक्ति उनके नाम और तस्वीरों का इस्तेमाल कर व्हाट्सऐप पर फोटोग्राफर्स को फोटोशूट से जुड़े मैसेज भेज रहा है.

बता दें कि अदिति ने साफ किया था कि वह इस तरह किसी से संपर्क नहीं करतीं और काम से जुड़ी सभी बातचीत उनकी टीम के जरिए ही होती है. उन्होंने भी फैंस और सहयोगियों से अपील की थी कि किसी भी संदिग्ध मैसेज का जवाब न दें और तुरंत सतर्क रहें.

'दृश्यम 3' के लिए अक्षय खन्ना ने मांगे 21 करोड़? डायरेक्टर ने तोड़ी चुप्पी, कहा- वो इस समय किसी और प्लेनेट पर हैं

'धुरंधर' की सफलता के बीच अक्षय खन्ना फिल्म 'दृश्यम 3' छोड़ने की खबरों को लेकर चर्चा में आ गए हैं। बीते दिनों 'दृश्यम 3' के प्रोड्यूसर कुमार मंगत पाठक ने एक्टर के खिलाफ लीगल नोटिस भेजा था और कहा था कि उनके बर्ताव की वजह से उन्हें नुकसान झेलना पड़ा है। वहीं, अब फिल्म के डायरेक्टर अभिषेक पाठक ने भी अक्षय खन्ना के फिल्म छोड़ने के फैसले और 21 करोड़ बतौर फीस मांगने की अफवाहों पर बात खुलकर बात की।

'दृश्यम 3' के डायरेक्टर अभिषेक पाठक ने हाल ही में मीडिया के साथ बातचीत में अक्षय खन्ना के फिल्म छोड़ने पर अपनी प्रतिक्रिया दी और कहा कि उन्हें सोलो फिल्में ट्राई करना चाहिए। कुमार मंगत ने हाल ही मेंबताया कि धुरंधर की रिलीज से एक दिन पहले अक्षय ने इस फिल्म को छोड़ दिया था।

पैसों की वजह से नहीं छोड़ी फिल्म

अभिषेक ने उनके फिल्म छोड़ने को लेकर साफ किया कि इसकी वजह कोई पैसा नहीं थी। 21 करोड़ फीस मांगने वाली अफवाहों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि वह पैसों पर कोई बात नहीं करना चाहते हैं। क्योंकि वह लगभग उन्हें फिल्म के लिए फाइनल कर चुके थे, लेकिन इसमें बाद में कुछ चेंजेस किए गए थे और आपसी सहमति से सब कुछ फाइनल हो गया था।

उन्हें सोलो फिल्में ट्राई करनी चाहिए

अभिषेक पाठक ने कहा कि उनके फैसले के पीछे उनके आस-पास के लोग हैं, जो उन्हें इंन्फ्लुएंस कर रहे हैं कि वो एक सुपरस्टार हैं और उन्हें कुछ और ट्राई करना चाहिए, जो उनके लिए हो। डायरेक्टर ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एक्टर को कुछ सोलो फिल्में ट्राई करनी चाहिए।

अक्षय का फिल्म छोड़ना बहुत बेकार लगा

जब मामले को सुलझाने को लेकर उनसे पूछा गया तो अभिषेक ने कहा कि जब उनके पास जवाब नहीं होता तो वह नहीं जानते कि क्या बोलना है। उन्हें अक्षय का फिल्म छोड़ना बहुत बेकार लगा क्योंकि वो एक-दूसरे को लंबे समय से जानते थे। इसलिए उन्होंने इस मामले को सुलझाने की कोशिश नहीं कि क्योंकि उनका मानना है कि अक्षय इस समय किसी और प्लेनेट पर हैं।

ये सब तब हुआ जब कॉन्ट्रेक्ट साइन हो गया

अभिषेक पाठक ने ये भी बताया कि ये सब तब हुआ जब कॉन्ट्रेक्ट को साइन कर लिया गया था। उन्होंने बताया कि अक्षय ने नवंबर में कॉन्ट्रेक्ट साइन किया था। फिल्म जब फ्लोर पर जाने वाली थी तो इसके पांच दिन पहले सारी चीजें हुईं और उन्होंने फिल्म को छोड़ दिया, जबकि सब कुछ लॉक्ड हो चुका था। अभिषेक ने बताया कि उन्होंने अक्षय को फिल्म का नरेशन भी दिया था और उन्होंने स्टोरी को भी पसंद किया था।

उनके और मेकर्स के बीच हो गई थी सहमति

अक्षय खन्ना को लेकर अभिषेक पाठक ने बताया कि फिल्म को लेकर में उनके और मेकर्स के बीच एक जगह असहमति हुई थी। उन्होंने फिल्म में अपने रोल के लिए विग की डिमांड की थी, जिसके मेकर्स राजी नहीं थे। हालांकि, उन्होंने इसके लिए उन्हें मना लिया था। डायरेक्टर ने कहा कि उन्होंने उन्हें समझाया था कि दोपहर में कोर्टरूम में बिना बालों के फिर शाम को उन्हें बालों के साथ कैसे दिखाना संभव हो सकता है? निर्देशक ने बताया कि हालांकि उन्होंने इसके लिए मना लिया था, लेकिन वह कुछ दिनों के बाद फिर से उनके पास गए थे और इस पर बात की थी। तब अभिषेक ने उन्हें कहा था कि वह इस पर काम करेंगे।

राम चरण की 'पेद्दी' में नजर आएंगे बोमन ईरानी? मेकर्स ने दिखाई अभिनेता की झलक

साउथ के अभिनेता राम चरण अपनी अपकमिंग फिल्म 'पेद्दी' को लेकर सुर्खियों में हैं। दर्शक इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वह इसकी हर अपटेड जानना चाहते हैं। इसी का नतीजा है कि फिल्म का पहला गाना 'चिकिरी चिकिरी' रिलीज होते ही छा गया। 24 घंटे में इसे 46 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिले। बढ़ते क्रेज के बीच अब फिल्म से जुड़ा एक और अपडेट सामने आया है।

'पेद्दी' का हिस्सा बने बोमन ईरानी

खबर है कि जाने माने अभिनेता बोमन ईरानी फिल्म 'पेद्दी' की शूटिंग का हिस्सा बन गए हैं। इस बात की जानकारी 'पेद्दी' के मेकर्स ने दी है। उन्होंने शूटिंग की बीटीएस तस्वीरें शेयर की हैं। इस तस्वीर में बोमन ईरानी, निर्देशक बुची बाबू सना और सिनेमैटोग्राफर आर. रत्नावेलु के साथ नजर आ रहे हैं। तस्वीर के साथ मेकर्स ने कैप्शन में लिखा 'द लीजेंडरी एक्टर बोमन ईरानी, रत्नावेलु के साथ 'पेद्दी' के शूट पर। 'पेद्दी' दुनियाभर में 27 मार्च 2026 को रिलीज होगी।

इन फिल्मों में नजर आए बोमन ईरानी

आपको बता दें कि बोमन ईरानी एक शानदार अभिनेता हैं, जिन्होंने 'मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस.', 'लगे रहो मुन्ना भाई', 'डॉन- द चेस बिगिन्स अगेन', '3 इडियट्स', 'जॉली एलएलबी' जैसी कई फिल्मों में काम किया है। अब उन्हें 'पेद्दी' में देखना दिलचस्प होगा। राम चरण, जाह्नवी कपूर, जगपति बाबू, शिवा राजकुमार और दिव्येंदु शर्मा जैसे सितारों से सजी 'पेद्दी' का निर्देशन बुची बाबू सना कर रहे हैं।

सलमान-गोविंदा की होरीइन रंभा जिसने बॉक्स-ऑफिस पर लगाई थी फ्लॉप और डिजास्टर की झड़ी, 2,000 करोड़ की हैं मालकिन

कभी हिंदी सिनेमा की ड्रीम गर्ल रहीं ये एक्ट्रेस काफी लंबे समय से पर्दे से गायब हैं. उन्हें दिव्या भारती की हमशक्ल भी कहा जाता था. एक्ट्रेस ने सलमान खान, शाहरुख खान, सुनील शेट्टी जैसे हीरो के साथ काम किया था, लेकिन वो बीते काफी समय से इंडस्ट्री से गायब. एक्ट्रेस ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री पर फ्लॉप और डिजास्टर फिल्मों की झड़ी लगा दी थी.

ये हीरोइन जिसकी आज यहां बात कर रहे हैं वो रंभा हैं. साउथ सिनेमा में काम करने वाली एक्ट्रेसेस में एक नाम अपनी खास वजह से सबसे अलग है—करीब 2,000 करोड़ रुपए की अनुमानित नेटवर्थ. 90 के दशक में साउथ इंडियन सिनेमा की ड्रीम हीरोइन के तौर पर मशहूर रंभा ने अपनी लोकप्रियता और आकर्षण से एक पूरी पीढ़ी के दर्शकों का दिल जीत लिया था. उन्होंने साउथ में धाक जमाने के बाद हिंदी फिल्मों में कदम रखा और वहां भी राज किया.

रंभा ने महज 15 साल की उम्र में मलयालम सिनेमा से फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था. 1992 में उन्होंने 'सरगम' से डेब्यू किया, जिसमें उनके अपोजिट विनीथ थे. उसी साल उन्होंने 'चंपाकुलम ठाचन' में भी विनीथ के साथ काम किया.

मलयालम फिल्मों के बाद रंभा ने जल्दी ही दूसरी भाषाओं में भी पहचान बना ली. 1993 में उन्होंने तेलुगु फिल्म 'आ ओक्काटी अदक्कु' से डेब्यू किया. इसके बाद रंभा ने तमिल सिनेमा में 'उझवन' से हीरोइन के तौर पर एंट्री ली. उनकी एक्टिंग ने तमिल दर्शकों का दिल जीत लिया और 'उल्लाथाई अलिथा', 'सुंदर पुरुषन', 'सेंगोट्टई', 'अरुणाचलम' और 'कधलर धिनम' जैसी कई हिट फिल्में दीं.

रंभा ने 1995 में मिथुन चक्रवर्ती और कादर खान की फिल्म जल्लाद से हिंदी फिल्मों में कदम रखा था. जल्लाद के बाद वो जुर्माना, जंग, दानवीर, जुड़वा, कहर, घरवाली, बाहरवाली जैसी फिल्मों में दिख चुकीं. रंभा को उनके हटकर अभिनय के लिए जाना जाता है.

2010 में रंभा ने कनाडा के बिजनेसमैन इंद्रकुमार पद्मनाभन से शादी की और फिर अपने परिवार के साथ विदेश शिफ्ट हो गईं. अब वे तीन बच्चों की मां हैं—दो बेटियां और एक बेटा. फिल्मों से दूर होने के बावजूद रंभा टीवी पर एक्टिव रहीं. उन्होंने 'माणाडा मयिलाडा' (कलाईनार टीवी) और 'जोड़ी नंबर 1' (विजय टीवी) जैसे पॉपुलर डांस रियलिटी शोज में जज की भूमिका निभाई. 2017 में वो विजय टीवी के बच्चों के शो 'किंग ऑफ जूनियर' में भी जज की भूमिका में दिखीं.

हालांकि, इस दौरान रंभा ने फिल्मों में वापसी नहीं की और परिवार पर ध्यान देने का फैसला किया. लेकिन लंबे ब्रेक के बाद अब वे फिर से फिल्म इवेंट्स में नजर आने लगी हैं और उन्होंने कहा है कि अगर सही मौका मिला तो वे फिल्मों में वापसी करेंगी. इससे उनके फैंस में फिर से उत्साह लौट आया है.

हाल ही में एक फिल्म इवेंट में प्रोड्यूसर कलैपुली एस थानु ने रंभा को लेकर एक दिलचस्प खुलासा किया. उन्होंने बताया कि रंभा के पति एक बड़े बिजनेसमैन हैं और रंभा के पास करीब 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति है. इतनी आर्थिक सुरक्षा के बावजूद रंभा फिर से एक्टिंग करना चाहती हैं.

पिता सुपरस्टार, मां एक्टिंग की महारथी, बेटी ने फ्लॉप होते छोड़ी इंडस्ट्री, फिर भी 2,850 करोड़ की हैं मालकिन

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के पहले सुपरस्टार राजेश खन्ना का इंडस्ट्री में ऐसा दबदबा था कि वो अपनी ही शर्तों पर काम करते थे. मेकर्स राजेश खन्ना की डेट हासिल करने के लिए महीनों इंतजार करने को भी तैयार रहते थे. राजेश खन्ना को इस दुनिया से गए काफी समय हो चुका है, लेकिन आज भी उनका नाम अदब से लिया जाता है.

राजेश खन्ना के स्टारडम को टक्कर देने वाला हीरो शायद ही कभी हुआ होगा. राजेश खन्ना की पत्नी डिंपल कपाड़िया भी फिल्म इंडस्ट्री का जाना-माना नाम हैं. डिंपल कपाड़िया आज भी फिल्म इंडस्ट्री में पूरी तरह से सक्रिय हैं, लेकिन इन दोनों की बेटियां अपने माता-पिता के नक्शे पर नहीं चल पाईं.

आज अपना जन्मदिन मना रहीं ट्विंकल खन्ना ने 1995 में बरसात से एक्टिंग डेब्यू किया था. इस फिल्म में वो बॉबी देओल के साथ दिखी थीं. ट्विंकल खन्ना और बॉबी की पहली फिल्म बरसात सुपरहिट थी. फिल्म को ऑडियंस का जबरदस्त रिस्पांस मिला था.

ट्विंकल खन्ना का जन्म 29 दिसंबर 1973 को हुआ. यह संयोगवश रहा कि उनके पिता जतिन, उर्फ सुपरस्टार राजेश खन्ना, भी 1942 में उसी दिन जन्मे थे. ट्विंकल खन्ना का फिल्मों में आना एक विरासत जैसा ही था, क्योंकि उनके पिता राजेश खन्ना और मां डिंपल कपाड़िया अपने समय के जाने-माने कलाकार रहे.

21 साल की उम्र में ट्विंकल खन्ना ने फिल्म 'बरसात (1995)' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की, जिसमें उनके साथ बॉबी देओल थे. इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर औसत सफलता मिली, लेकिन दोनों कलाकारों ने अपने अभिनय से काफी लोकप्रियता हासिल की. इसी फिल्म में अभिनय के लिए ट्विंकल खन्ना को बेस्ट डेब्यू अवॉर्ड भी मिला था.

इसके बाद ट्विंकल खन्ना कई फिल्मों में नजर आईं, जिसमें उन्होंने सलमान खान, गोविंदा, शाहरुख खान और आमिर खान समेत कई बड़े अभिनेताओं के साथ काम किया. हालांकि, अपने पिता की तरह ट्विंकल खन्ना फिल्मों में ज्यादा छाप नहीं छोड़ पाईं.

ट्विंकल ने 'जब प्यार किसी से होता है', 'मेला', 'बादशाह' और 'जोरू का गुलाम' जैसी फिल्मों में अभिनय किया, लेकिन छाप छोड़ने में असफल रहीं. जब वो लगातार बॉक्स-ऑफिस पर फ्लॉप होतीं चलीं गईं, तो ट्विंकल खन्ना ने खुद ही फिल्म इंडस्ट्री से दूर होने का फैसला कर लिया.

ट्विंकल ने फिल्म इंडस्ट्री से दूर एक राइटर के तौर पर पहचान बनाई. वहीं उनके पति अक्षय कुमार फिल्मों में नजर आते हैं. राइटर के तौर पर सफल और मशहूर ट्विंकल के नेटवर्थ 350 करोड़ रुपए है. वहीं उनकी पति अक्षय कुमार 2,500 करोड़ की प्रॉपर्टी के मालिक हैं. ट्विंकल कुल मिलाकर 2850 करोड़ की संपत्ति की मालकिन हैं।

पार्टनर संग नया साल कैसे मनाएं? ये हैं न्यू इयर के लिए सेलिब्रेशन आइडिया

नए साल का पहला दिन लोग बहुत यादगार तरीके से मनाना चाहते हैं। खासकर कपल्स के बीच नए साल का जश्न बहुत महत्व रखता है। साल की शुरुआत होते ही सोशल मीडिया पर महंगे होटल, गोवा ट्रिप और फाइव-स्टार डिनर की चमक फैल जाती है। लेकिन जहां प्यार हो, वहां दिखावे या खर्च की जरूरत नहीं। असली जश्न वो होता है, जहां दो लोग साथ बैठकर समय को महसूस करें। नया साल कपल्स के लिए रिश्ते का सेट बटन होता है, जहां बीते झगड़े पीछे छूटते हैं और साथ चलने का वादा आगे बढ़ता है और इसके लिए हजारों रुपये खर्च करना जरूरी नहीं। अगर आप अपने पार्टनर के साथ नए साल का जश्न मनाना चाहते हैं, वो भी बिना बहुत अधिक पैसा खर्च किए तो यहां सेलिब्रेशन के कुछ बेहतरीन आइडियाज दिए जा रहे हैं।

घर पर कैंडल-लाइट न्यू ईयर डिनर

रेस्तरां की भीड़ और महंगे खाने से बेहतर घर की शांति है।घर पर ही हल्का-फुल्का खाना बनाएं, कुछ मोमबत्तियां जलाएं, पुराने गानों की प्लेलिस्ट लगाएं और मोबाइल को साइलेंट कर दें। सेलिब्रेशन का यह सस्ता भी है और निजी भी। याद रखें, प्यार की खुशबू महंगे परफ्यूम से नहीं आती।

साल का रिव्यू और सपनों की लिस्ट

नए साल की रात सिर्फ पार्टी के लिए नहीं, सच बोलने के लिए भी होती है। एक डायरी या कागज लें। बीते साल की अच्छी-बुरी बातें लिखें, रिश्ते में क्या बदला और क्या बेहतर हो सकता है। अपने दिल की बात कागज पर उतारें और एक दूसरे से साझा करें। ये एक मजेदार टास्क की तरह हो सकता है, जो नए साल को यादगार और कपल को एक दूसरे के और करीब ले आएगा।

छत पर न्यू ईयर वॉच पार्टी

अगर आसमान साफ है, तो छत से बेहतर जगह कोई नहीं। चाय या कॉफी के साथ चंद्रमा, ठंडी हवा और दूर-दूर से आती आतिशबाजी को देखें। यह अनुभव किसी क्लब से कम नहीं होगा। इस रोमांटिक स्काई व्यू नाइट के लिए आपको पैसे नहीं, भावनाओं की इंवेसमेंट करनी होगी।

पुराने एल्बम और यादों की रात

फोन की गैलरी खोलें। पुराने फोटो देखें, पहली मुलाकात से लेकर अब तक का सफर याद करें। हंसी, शर्म और थोड़ी नमी ये सब रिश्ते की असली पूंजी है। इस तरह के सेलिब्रेशन में खर्च कम होगा लेकिन असर ज्यादा रहेगा।

मिडनाइट वॉक या लॉन्ग ड्राइव

अगर इलाका सुरक्षित है, तो आधी रात सैर पर निकलें। आसपास कहीं लॉन्ग ड्राइव पर भी जा सकते हैं। वॉक या लॉन्ग ड्राइव रोमांटिक और कम खर्चीला तरीका है नया साल मनाने का।

एक-दूसरे के लिए हैंडमेड गिफ्ट

महंगे गिफ्ट इम्प्रेस तो कर सकते हैं लेकिन दिल को नहीं छूते। लेकिन अपने हाथों से पार्टनर के लिए लिखा एक खत, कोई कविता, भविष्य के लिए वादा या तस्वीरों का कोलाज पार्टनर के दिल को भी छूता है और प्यार भी बढ़ाता है। हाथ से बना गिफ्ट हमेशा दिल में रहता है।

न्यू ईयर मूवी नाइट

एक कंबल, पॉपकॉर्न और पसंदीदा फिल्म या वेब सीरीज नए साल की रात इतना ही काफी है, पार्टनर रंग रोमांटिक साल की शुरुआत के लिए। सिर्फ आप दोनों का साथ, हाथों में हाथ और ढेर सारा प्यार।

नए साल पर माता-पिता को दें ये गिफ्ट साल भर बरसेगा आशीर्वाद

नया साल आते ही सबसे पहले हमें अपने परिवार की याद आती है, खासकर हमारे जीवन में सबसे महत्वपूर्ण माता पिता का ख्याल आता है। माता-पिता जिन्होंने बिना शर्त हमें जीवन दिया, पाला पोसा और हर मोड़ पर ढाल बनकर खड़े रहे। नए साल की शुरुआत अगर उनके चेहरे की मुस्कान और दिल की तसल्ली से हो जाए तो साल अपने आप शुभ हो जाता है।

नए साल पर माता-पिता को तोहफा देकर उनके लिए कुछ खास कर सकते हैं और उनके चेहरे पर मुस्कान ला सकते हैं। माता-पिता के लिए गिफ्ट का मतलब महंगा पैकेट नहीं, सम्मान, समय और सुरक्षा का एहसास दिलाना होता है। 2026 में अगर आप सचमुच अपने अभिभावक को कुछ सार्थक देना चाहते हैं तो दिखावे से हटकर ऐसे उपहार चुनिए, जो उनके जीवन को आसान, सुरक्षित और सुकूनभरा बना दें।

हेल्थ चेक-अप या मेडिकल केयर प्लान

माता-पिता की सबसे बड़ी चिंता सेहत होती है और ये बच्चों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी होती है। नए साल पर अभिभावक को फुल बॉडी हेल्थ चेक-अप, नियमित डॉक्टर कंसल्टेशन या हेल्थ इंश्योरेंस जैसे तोहफे दे सकते हैं। इस तरह के तोहफे आपके माता पिता को सेहतमंद रख सकते हैं और उनका आशीर्वाद आपके साथ रहता है।

तोहफे में दें अपना वक्त

कोई गिफ्ट माता पिता के साथ बिताए पलों की बराबरी नहीं कर सकता है। नया साल उनके साथ के साथ शुरू करें। माता पिता के साथ बैठें, उनके बातें करें, पुरानी यादें सुनें। इस दौरान अपना मोबाइल खुद से दूर रखें। यह उनके लिए सबसे अनमोल उपहार है।

धार्मिक या आध्यात्मिक उपहार

रामायण, गीता, सुंदरकांड की सुंदर प्रति, पूजा सामग्री या तीर्थ यात्रा की योजना ये वो तोहफे हैं जो अधिकतर माता पिता को पसंद आते हैं। रिटार हो चुके माता पिता को यह तोहफे एहसास दिलाते हैं कि आप उनकी आस्था का सम्मान करते हैं।

सहजता से जुड़ी चीजें

अच्छा कंबल, ऑर्थोपेडिक तकिया, आरामदायक कुर्सी या मसाज मशीन ये छोटी-सी चीजें रोज उन्हें आपकी मौजूदगी का एहसास कराती हैं। ये तोहफे उन्हें उम्र की परेशानियों से राहत दिलाते हैं।

डिजिटल सेफ्टी और कनेक्टिविटी

कुछ अभिभावकों को स्मार्ट फोन पर कॉलिंग के अलावा बाकि फीचर का इस्तेमाल करना नहीं आता। वह अक्सर आपसे इसे सिखाने के लिए कहते हैं। नए साल पर वक्त निकालकर उन्हें आपकी जनरेशन से जोड़ना का प्रयास करें। इसके लिए स्मार्टफोन का इस्तेमाल सिखाना, वीडियो कॉल सेट करना या फ्रॉड से बचाव समझाना जैसे काम करें। यह आज के दौर का सबसे जरूरी गिफ्ट है, जो उन्हें सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाता है।

जल्दी होनी वाली है बेटी की शादी तो कर लें ये काम, ससुराल में नहीं आएगी दिक्कत

बेटी की शादी हर अभिभावक के लिए एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। बेटी के जन्म के बाद से ही माता पिता उसकी शादी के सपने सजाने लगते हैं। एक ओर तो बेटी की शादी की तैयारियों की चिंता तो दूसरी ओर ससुराल में उसकी खुशहाली की फ्रिक के साथ माता-पिता बेटी की विदाई करते हैं।

हालांकि शादी में छोटी सी गलती या लापरवाही से ससुराल में बेटी को समस्या हो सकती है। ऐसे में माता-पिता को बेटी की शादी से पहले कुछ बातों को पहले से ही परख लेना चाहिए। शादी के बाद बेटी को ससुराल में घुल-मिल कर रहने की सीख देने के साथ शादी की तैयारियों की प्लानिंग पर भी ध्यान देने की जरूरत है। शादी के दौरान की गई थोड़ी सी प्लानिंग और सावधानी भविष्य में बेटी के ससुराल में समायोजन को आसान बना सकती है। अगर आपकी बेटी की शादी जनवरी-फरवरी में है, तो इन बातों का ध्यान रखें।

बेटी को आत्मनिर्भर बनाएं

बेटी को जरूरी घरेलू कामकाज सिखाएं। उन्हें रसोई में हाथ बंटाना और घर के छोटे-मोटे काम जरूर सिखा दें ताकि ससुराल में समस्या न आए। घरेलू कामकाज के साथ-साथ बेटी को फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिखाएं। उसे आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करें ताकि वह किसी भी परिस्थिति में खुद को संभाल सके। उन्हें बताएं कि घर खर्च कैसे होता है। बिजली के बिल से लेकर घर के लिए राशन की लिस्ट बनाने तक की सीख उन्हें दें ताकि वह समझ सकें कि परिवार संभालने के लिए वित्तीय प्रबंधन कैसे किया जा सकता है।

रिश्तों की समझ दें

बेटी को ससुराल के रिश्तों की अहमियत और सम्मान करना सिखाएं। उसे यह समझाएं कि हर परिवार का एक अलग वातावरण होता है और उसे उस माहौल के अनुसार खुद को ढालना होगा। ससुराल में लोगों की जीवनशैली कैसी हो सकती हैं और उसके अनुरूप बेटी को ढलने के लिए पहले से मानसिक तौर पर तैयार करें।

जरूरी कागजात करवाएं अपडेट

बेटी के आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक खाते और अन्य दस्तावेज अपडेट करवा लें। विवाह के बाद नाम और पते में बदलाव की प्रक्रिया भी पहले से समझा दें ताकि शादी के बाद बेटी के लिए ये काम आसान हो सकें। शादी के बाद बेटी के घर का पता बदल जाता है। पहले से ही उसे इस बारे में जानकारी दें ताकि शादी के बाद वह अपने आधार कार्ड को अपडेट करा सके। उसे ये पता हो कि अपडेट करने के लिए क्या प्रक्रिया अपनानी होगी।

नए परिवार के रीति-रिवाज समझाएं

बेटी को ससुराल के रीति-रिवाज और परंपराओं के बारे में उसे पहले से अवगत कराएं। इससे वह ससुराल में जल्दी घुल-मिल सकेगी। बेटी को सिखा दें कि ससुराल पहुंचते ही क्या-क्या रीति रिवाज उसे अपनाने होंगे।

टर्टल नेक वाला ब्लाउज पहनना पसंद है तो इन बातों का रखें ध्यान

साड़ी एक ऐसा परिधान है, जिसे हर महिला बड़े ही चाव से पहनती है। किसी भी कार्यक्रम में इसे पहनने के लिए महिलाओं को ज्यादा सोचना नहीं पड़ता। चाहे कहीं पार्टी हो या फिर किसी पूजा में जाना हो, महिलाएं हर मौके पर साड़ी पहनकर अपना जलवा बिखेर ही देती हैं। इसके साथ बस वो जगह के हिसाब से ही ब्लाउज का चयन करती हैं।

आजकल टर्टल नेक वाला ब्लाउज काफी चलन में है। महिलाएं इसे बनवा तो लेती हैं, लेकिन टर्टल नेक का ब्लाउज बनवाते समय की गई कुछ मामूली सी गलतियों की वजह से उनका साड़ी लुक खराब हो जाता है। ऐसे में हम आपको यहां टर्टल नेक का ब्लाउज बनवाने के लिए कुछ टिप्स देने जा रहे हैं। इन बातों का ध्यान रखकर आप अपने लुक को क्लासी बना सकती हैं। इस तरह के ब्लाउज दफ्तर में पहनने के लिए भी अच्छे माने जाते हैं।

सही होनी चाहिए फिटिंग

टर्टल नेक वाला ब्लाउज अगर गलत फिटिंग का होगा, तो ये आपका लुक ही बिगाड़ देगा। ये न ज्यादा ढीला होना चाहिए और न ही बहुत टाइट। सही फिटिंग का ब्लाउज न केवल आरामदायक होता है, बल्कि यह आपकी पर्सनैलिटी को भी निखारता है। इसलिए इसे बनवाते समय फिटिंग का ध्यान रखें।

गले का आकार देखें

अगर आपकी गर्दन छोटी है, तो ज्यादा ऊंचे नेक वाले ब्लाउज से बचें। इसके बजाय मीडियम या लो-नेक टर्टल स्टाइल चुनें। लंबी गर्दन वाली महिलाएं हाई नेक स्टाइल को आराम से कैरी कर सकती हैं।

गलत फैब्रिक के चयन से बचें

सर्दियों में मोटे और गर्म कपड़ों जैसे ऊनी या निटेड फैब्रिक का चयन करें। वहीं गर्मियों में हल्के और सॉफ्ट फैब्रिक जैसे कॉटन या सिल्क के टर्टल नेक ब्लाउज पहनें।

आभूषण और एक्सेसरीज

टर्टल नेक ब्लाउज के साथ हल्के या स्टेटमेंट इयररिंग्स पहनें। गले में हार पहनने से बचें क्योंकि यह नेकलाइन को ओवरशैडो कर सकता है। यदि आप टर्टल नेक के ब्लाउज के साथ गले में कुछ पहनेंगी तो ये देखने में भी अजीब लगेगा।

साड़ी या स्कर्ट के साथ करें स्टाइल

टर्टल नेक ब्लाउज को साड़ी के साथ पेयर करें तो साड़ी का पल्लू हल्का रखें ताकि ब्लाउज का डिजाइन दिख सके। स्कर्ट के साथ इसे पहनें तो हाई-वेस्ट स्कर्ट का चयन करें।

हेयरस्टाइल का चुनाव

अगर आप टर्टल नेक ब्लाउज पहन रही हैं, तो अपने बालों को बांधकर (जैसे बन या पोनीटेल) रखना बेहतर होगा। इससे नेकलाइन अधिक स्पष्ट और आकर्षक लगेगी।

घर पर ऐसे बनाएं बटर नान कि परिवारवाले भूल जाएं रेस्तरां वाला स्वाद

ढाबे और रेस्टोरेंट पर मिलने वाली नान का स्वाद इतना अच्छा होता है कि हर कोई उसे पसंद करता है। इसे हर तरह की पनीर की सब्जी और दाल मखनी के साथ कमाल का लगता है। पर, हर दिन बाजार में मिलने वाली नान को खाना संभव नहीं है।

ऐसे में आप चाहें तो इसे घर पर बना सकती हैं। तो अगर आप घर पर ही रेस्टोरेंट स्टाइल बटर नान बनाना चाहते हैं, तो ये लेख आपके लिए बिल्कुल सही है। घर पर बाजार जैसी नान बनाने के लिए आपको बस सही सामग्री, थोड़ी मेहनत और सही विधि की जरूरत है।

इस लेख में हम आपको नान बनाने का सही तरीका बताएंगे, ताकि इसे बनाकर आप अपने परिवार और दोस्तों के लिए घर पर ही पार्टी स्टाइल बटर नान बना सकते हैं। इसे खाने का मजा रेस्टोरेंट से कम नहीं होगा और आप अपनी कुकिंग स्किल्स भी दिखा पाएंगे।

ये है सामग्री

नान बनाने के लिए आपको मैदा, दही, बेकिंग पाउडर, बेकिंग सोडा, नमक, चीनी, तेल/घी और मक्खन की जरूरत पड़ेगी।

ये है विधि

बटर नान बनाने के लिए सबसे पहले सारी सामग्री तैयार कर लें। ये सभी सामग्री आसानी से हर जगह उपलब्ध हैं और इन्हें मिलाकर ही नान का मुलायम और फूला हुआ टेक्सचर आता है। सभी सामान को एक साथ लेने के बाद आटा गूंथने की प्रक्रिया शुरू करें।

एक बड़े बाउल में मैदा डालें और उसमें दही, नमक, चीनी, बेकिंग पाउडर और बेकिंग सोडा मिलाएं। इसे हाथों या मिक्सर की मदद से अच्छी तरह गूंथ लें। ध्यान रखें कि आटा न ज्यादा सख्त हो और न ही बहुत ढीला। गूंथे हुए आटे को नरम होना चाहिए। अब आटे को ढककर लगभग 1–2 घंटे के लिए रख दें, ताकि ये हल्का फुल जाए।

ये प्रोसेस नान को मुलायम बनाने में मदद करता है और जब आप इसे सेकेंगे तो ये आसानी से फूलेगा। फूला हुआ आटा तैयार होने के बाद छोटी-छोटी लोइयां बनाएं और बेलन की मदद से हल्का बेल लें। नान को ज्यादा पतला नहीं बेलना है, वरना ये फूलते समय सख्त हो सकता है।

बेलते समय आटे को समान मोटाई में रखें, ताकि ये तवे या ओवन में सही से पक सके। अब नान को गरम तवे पर या ओवन में सेकना शुरू करें।

जैसे ही नान के ऊपर बुलबुले उठने लगें और हल्का सुनहरा रंग दिखाई दे, तब इसमें मक्खन लगाएं। मक्खन से नान और अधिक स्वादिष्ट और मुलायम हो जाता है। अंत में बटर नान को गरम-गरम परोसें।

सुखी जीवन जीना है तो अपना लें ये बातें

सकारात्मक सोच से करें दिन की शुरुआत

हर दिन हमें एक नई शुरुआत का अवसर देता है। इसीलिए हर सुबह ईश्वर को धन्यवाद दें और सकारात्मक सोच के साथ दिन की शुरुआत करें। ऐसा करने से आपका पूरा दिन अच्छा और सकारात्मक ही जाएगा।

सच्चे मन से करें कर्म

जीवन में परिणामों से ज्यादा महत्वपूर्ण हमारा कर्म होता है। इसलिए हमेशा सच्चे मन और निष्ठा से अपना काम करें, फल की चिंता न करें। यदि आप बिना फल की चिंता किए कर्म करेंगे तो आपको इसका अच्छा रिजल्ट ही मिलेगा।

माता-पिता और बुजुर्गों का आदर करें

सभी का मानना है कि माता-पिता और बुजुर्गों का सम्मान करना जीवन में सुख और सफलता का आधार है। इसलिए कभी भी अपने माता-पिता या अपने से बड़ों का अनादर न करें।

धैर्य है जरूरी

धैर्य रखना और ईश्वर में विश्वास रखना जीवन की कठिनाइयों का सामना करने में मदद करता है। समय के साथ हर समस्या का समाधान हो जाता है, ऐसे में जब भी कुछ नाराजगी हो तो धैर्य रखें। ऐसा करने से आपको भी अच्छा लगेगा और आपकी परेशानी का हल भी हो जाएगा।

जरूरतमंदों की करें मदद

दूसरों की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है। जरूरतमंदों की मदद करने से आत्मिक शांति और ईश्वर की कृपा प्राप्त होती है। ऐसे में अपनी क्षमता के अनुसार जरूरतमंदों की मदद अवश्य करें। दिन में कम से कम एक ऐसा काम अवश्य करें, जिसकी वजह से लोगों के चेहरे पर मुस्कान आए।

लहसुन की ऐसी चटनी बनाकर करें तैयार, जो हर खाने के साथ लगेगी मजेदार

सर्दी के मौसम में खाने का स्वाद ही कुछ और होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस मौसम में खाने के कई सारे विकल्प उपलब्ध रहते हैं। इन्हीं विकल्पों में शामिल है लहसुन की चटनी, जो अपने तीखे स्वाद और स्वास्थ्य लाभों के लिए प्रसिद्ध है। इस मौसम में लहसुन की चटनी खाने का एक बेहतरीन विकल्प बन सकती है। लहसुन न केवल आपके भोजन को स्वादिष्ट बनाता है, बल्कि ये सेहत के लिए भी फायदेमंद है, क्योंकि ये शरीर को गर्मी प्रदान करता है और इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है। ऐसे में आप इसकी चटनी बनाकर भी सेवन कर सकते हैं।

लहसुन की चटनी बनाने का सामान

लहसुन की कलियां – 6-7

हरी मिर्च – 2

सूखी लाल मिर्च

कश्मीरी लाल मिर्च

नींबू का रस – 1 चम्मच

नमक – स्वाद अनुसार

जीरा – 1/2 चम्मच

धनिया पाउडर – 1/2 चम्मच

काली मिर्च – 1/4 चम्मच

लहसुन की चटनी बनाने की विधि

लहसुन का स्वाद चटनी में तीखा और मसालेदार होता है, जो खाने में शानदार लगता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले तो लहसुन की कलियों को छीलकर बारीक काट लें। इसके बाद हरी मिर्च, सूखी लाल मिर्च, नमक, कश्मीरी लाल मिर्च, जीरा, धनिया पाउडर और काली मिर्च डालें।

इन सभी सामग्री को मिक्सी में अच्छे से पीस लें, ताकि सभी मसाले आपस में अच्छे से मिल जाएं और चटनी एकसार हो जाए। अब इस मिश्रण में ताजे नींबू का रस डालकर अच्छे से मिला लें। नींबू का रस चटनी में ताजगी और खट्टापन लाता है, जिससे इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है। इस चटनी को आप खाने के साथ सर्व कर सकती हैं। ये चटनी किसी भी स्नैक, पराठे, पूरी, या चाय के साथ बेहतरीन लगती है।

बरतें ये सावधानी

लहसुन की चटनी का स्वाद बहुत तीखा होता है, इसलिए हरी मिर्च और नमक को अपनी पसंद के हिसाब से कम या ज्यादा कर सकती हैं।

चटनी को पिसने के दौरान ध्यान रखें कि अधिक पानी न डालें, वरना चटनी का स्वाद हल्का हो सकता है।

नींबू का रस ताजे और खट्टे नींबू से ही डालें, ताकि चटनी में सही खट्टापन रहे।

चटनी को हवादार जार या कंटेनर में रखें, ताकि वो ताजगी से लंबे समय तक बची रहे।

यदि आपको लहसुन का स्वाद थोड़ा ज्यादा तीखा लगे, तो थोड़ा सा शहद भी डाल सकती हैं ताकि चटनी का स्वाद संतुलित हो जाए।

जापान को पीछे छोड़ भारत बना चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

टैरिफ के साये में मिली रॉकेट सी रफ्तार

नई दिल्ली, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत को नए साल से पहले अच्छी खबर मिली है। भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। सरकार के साल के अंत में आए आर्थिक समीक्षा के अनुसार, भारत ने जापान को पीछे छोड़ दिया है। आने वाले सालों में भारत अमेरिका और चीन के बाद तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है।

यह जर्मनी को पीछे छोड़ देगा। इस बात की पक्की पुष्टि साल 2026 की पहली छमाही में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की ओर से जारी किए जाने वाले आंकड़ों से होगी, जिसमें 2025 के अंतिम आंकड़े शामिल होंगे।

सरकार की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि भारत की जीडीपी 4.18 ट्रिलियन डॉलर हो गई है। इससे भारत जापान से आगे निकलकर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। अगले ढाई से 3 सालों में भारत जर्मनी को पीछे छोड़कर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। साल 2030 तक भारत की जीडीपी 7.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

10 साल में दोगुनी हुई अर्थव्यवस्था

भारत कई सालों से दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक रहा है। पिछले दस सालों में भारत की अर्थव्यवस्था का आकार दोगुना हो गया है। अब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रख रहा है। सरकार ने सोमवार देर रात जारी एक आर्थिक नोट में बताया कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है। यह अपनी विकास की गति को बनाए रखने के लिए अच्छी स्थिति में है।

क्या है आईएमएफ का अनुमान?

आईएमएफ के साल 2026 के अनुमानों के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था 4.51 ट्रिलियन डॉलर की होगी। यह जापान के अनुमानित 4.46 ट्रिलियन डॉलर से थोड़ा अधिक है। सरकार का यह आशावादी दृष्टिकोण ऐसे समय में आया है जब अगस्त में अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी टैरिफ के कारण अर्थव्यवस्था को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ये टैरिफ भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद से जुड़े थे। वित्तीय वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी 8.2% बढ़ी है। यह पिछली तिमाही के 7.8% और वित्तीय वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही के 7.4% से अधिक है। यह वृद्धि मजबूत घरेलू मांग के कारण हुई है, भले ही वैश्विक व्यापार और नीतिगत अनिश्चितताएं बनी हुई थीं।

10 साल में सबसे बड़ा दांव खेलने की तैयारी में रिलायंस,निवेशकों को कितना होगा फायदा?

नई दिल्ली, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के लिए 2025 का साल शानदार रहा है। इस दौरान कंपनी की मार्केट वैल्यू में 4.5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का इजाफा हुआ है और शेयर में 27% की तेजी आई है। अब निवेशकों की नजरें अगले साल बड़े मौके पर टिकी हैं। रिलायंस जियो का बहुप्रतीक्षित आईपीओ साल 2026 की पहली छमाही में आने की उम्मीद है। यह भारत के शेयर बाजार के इतिहास का सबसे बड़ा आईपीओ हो सकता है। यह अगले साल शेयर बाजार की सबसे बड़ी घटनाओं में से एक होगा।

शेयरधारकों के लिए सबसे बड़ा सवाल यह है कि इस आईपीओ से कितनी वैल्यू बढ़ेगी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में इसका कितना फायदा पहुंचेगा। पिछले साल शेयर में आई तेजी के पीछे टेलीकॉम और रिटेल में कंपनी का लगातार अच्छा प्रदर्शन, रिफाइनिंग मार्जिन में सुधार और इस बात का बढ़ता भरोसा है कि ग्रुप भारी निवेश के दौर से निकलकर अब ज्यादा कैश कमाने वाले चक्र में प्रवेश कर रहा है।

निवेशकों का भरोसा

कंपनी का तिमाही मुनाफा करीब 18,000-20,000 करोड़ रुपये के आसपास बना हुआ है। यह मुनाफा रिफाइनिंग के स्थिर कारोबार और रिटेल तथा डिजिटल सेवाओं में लगातार हो रही ग्रोथ से मिल रहा है। रघुनाथ कैपिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरव चौधरी ने कहा, रिलायंस अगले वित्त वर्ष में मजबूत स्थिति में प्रवेश कर रही है। विश्लेषक कंपनी की कमाई में बढ़ोतरी, डिजिटल इकोसिस्टम के विस्तार और बहुप्रतीक्षित जियो आईपीओ को लेकर उत्साहित हैं। कंपनी के डाइवर्सिफाई बिजनेस मॉडल ने कमाई में उतार-चढ़ाव को कम किया है और निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। 2026 तक टेलीकॉम और रिटेल मिलकर ऑपरेटिंग कैश फ्लो का लगभग 60% हिस्सा देंगे। यह एक बड़ा बदलाव है, जिससे रिलायंस की ऑयल-टु-केमिकल जैसे उतार-चढ़ाव वाले बिजनेस पर निर्भरता कम हो जाएगी। इस बदलाव को ग्लोबल रेटिंग एजेंसियों ने भी नोटिस किया है।

दिसंबर 2025 में, एस एंड पी ग्लोबल रेटिंग्स ने रिलायंस की क्रेडिट रेटिंग को बीबीबी+ से ए- तक बढ़ा दिया। उन्होंने कहा कि कंपनी की कमाई अब ज्यादा अनुमानित है और कैश फ्लो मजबूत हुआ है।

जियो का आईपीओ

रिलायंस जियो की लिस्टिंग को पिछले एक दशक में ग्रुप के लिए सबसे बड़ा वैल्यू-अनलॉक इवेंट माना जा रहा है। जियो के 50 करोड़ से ज्यादा ग्राहक हैं, पूरे देश में 5जी कवरेज है और इसका डिजिटल इकोसिस्टम तेजी से बढ़ रहा है। इसमें ब्रॉडबैंड, एंटरप्राइज सेवाएं, क्लाउड और प्लेटफॉर्म शामिल हैं।

इस आईपीओ से वैल्यूएशन और हिस्सेदारी के आधार पर करीब 6 अरब डॉलर जुटाए जा सकते हैं। विश्लेषकों का अनुमान है कि जियो का वैल्यूएशन 120-150 अरब डॉलर के बीच हो सकता है। अगर ऐसा होता है, तो यह लिस्टिंग के दिन ही भारत की पांच सबसे मूल्यवान कंपनियों में से एक बन जाएगी। मुकेश अंबानी ने पहले ही संकेत दिया है कि कंपनी अपनी बहुत छोटी हिस्सेदारी ही बेचेगी ताकि रणनीतिक और प्रबंधन नियंत्रण बना रहे। हाल की तिमाहियों में जियो प्लेटफॉर्म्स ने ग्राहकों की संख्या बढ़ने और डेटा के ज्यादा इस्तेमाल से डबल-डिजिट रेवेन्यू और ईबीआईटीडीए ग्रोथ दर्ज की है।

निवेशकों के लिए जियो का आईपीओ एक मजबूत सेंटीमेंट ट्रिगर के रूप में काम कर सकता है। हालांकि, विश्लेषक सावधानी बरतने की सलाह देते हैं कि इसमें तेजी से बड़े लाभ की उम्मीद कम है।

उतार-चढ़ाव के बाद शेयर बाजार में सपाट क्लोजिंग

सेंसेक्स-निफ्टी का हाल स्थिर

नई दिल्ली, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को उतार-चढ़ाव दिखा और बेंचमार्क सूचकांक आखिरकार सपाट बंद हुए। सेंसेक्स 20.46 अंक गिरकर 84,675.08 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 3.25 अंक गिरकर 25,938.85 पर आ गया। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन डॉलर के मुकाबले रुपया 16 पैसे बढ़कर 89.82 (अस्थायी) पर बंद हुआ। विदेशी निवेशकों की सुस्त चाल और वैश्विक संकेतों के बीच बाजार में दिशा का अभाव साफ नजर आया। कारोबारी सत्र के दौरान बाजार में दोनों तरफ (खरीदारी और बिकवाली) का जोर रहा, लेकिन अंत में सूचकांक लाल निशान में ही, पर लगभग स्थिर बंद हुए। शेयर बाजार की सुस्ती के विपरीत, विदेशी मुद्रा बाजार में भारतीय रुपये ने डॉलर के मुकाबले मजबूती दिखाई हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 16 पैसे सुधरकर 89.82 (अस्थायी) के स्तर पर बंद हुआ। रुपये में आई यह तेजी आयातकों और अर्थव्यवस्था के लिए राहत का संकेत है। बाजार की सुस्त चाल और उतार-चढ़ाव के बीच मंगलवार को कुछ चुनिंदा शेयरों में अच्छी खरीदारी देखने को मिली। निफ्टी 50 इंडेक्स में बजाज ऑटो सबसे ज्यादा मुनाफे में रहा, जिसने निवेशकों को सबसे बेहतर रिटर्न दिया। इसके अलावा मेटल और फाइनेंस सेक्टर के शेयरों में भी बढ़त दर्ज की गई। बजाज ऑटो : यह शेयर आज का टॉप परफॉरमर रहा। इसमें 2.32% की शानदार तेजी देखी गई और यह 211.00 बढ़कर 9,298.00 पर बंद हुआ। हिंडाल्को : मेटल सेक्टर की इस कंपनी के शेयरों में 2.12% का उछाल आया। शेयर 18.30 की बढ़त के साथ 883.30 के स्तर पर पहुंचा। श्रीराम फाइनेंस : एनबीएफसी सेक्टर की इस दिग्गज कंपनी का शेयर 1.99% चढ़कर 974.55 पर बंद हुआ। टाटा स्टील : मेटल शेयरों में आई चमक का असर टाटा स्टील पर भी दिखा। यह 1.96% की मजबूती के साथ 175.68 पर बंद हुआ। महिंद्रा एंड महिंद्रा : ऑटो सेक्टर की इस कंपनी में भी खरीदारी का जोर रहा। शेयर 1.89% बढ़कर 3,660.00 के भाव पर क्लोज हुआ। इटरनलः इस शेयर में आज सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। यह 2.21% टूटकर 276.60 के स्तर पर बंद हुआ। आयशर मोटर्स : ऑटो सेक्टर की इस दिग्गज कंपनी के शेयरों में भी सुस्ती रही। शेयर 1.92% गिरकर 7,132.50 पर आ गया। टाटा कंज्यूमरः एफएमसीजी सेक्टर की इस कंपनी में 1.79% की गिरावट देखी गई और यह 1,173.80 पर बंद हुआ।

भारत के पास तीसरा सबसे बड़ा रेअर अर्थ भंडार, फिर भी उत्पादन में पीछे क्यों ?

नई दिल्ली, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। रेअर अर्थ अयस्क भंडार के मामले में भारत इस समय तीसरे स्थान पर है। हालांकि, इसका उत्पादन प्रमुख वैश्विक देशों की तुलना में सबसे कम है, जो संसाधन उपलब्धता और वास्तविक उत्पादन के बीच भारी अंतर को दर्शाता है। आंकड़ों से पता चला है कि भारत के पास लगभग 69 लाख टन रेअर अर्थ ऑक्साइड (आरईओ) भंडार है। इससे पहले चीन और ब्राजील हैं।एमिकस के आंकड़ों के अनुसार, चीन के पास 4.4 करोड़ टन भंडार है। ब्राजील के पास 2.1 करोड़ टन का भंडार है। ऑस्ट्रेलिया (57 लाख टन), रूस (38 लाख टन), वियतनाम (35 लाख टन) और अमेरिका (19 लाख टन) शामिल हैं। अपने मजबूत भंडार के बावजूद भारत का उत्पादन सीमित है। 2024 में भारत ने केवल 2,900 टन दुर्लभ धातुओं का उत्पादन किया, जो वैश्विक स्तर पर सातवें स्थान पर रहा। चीन ने 2.7 लाख टन का उत्पादन किया, जिससे वह वैश्विक स्तर पर अग्रणी बन गया। अमेरिका 45,000 टन के साथ दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक था।भारत के पास वैश्विक रेअर अर्थ खनिजों का करीब 6-7 फीसदी भंडार है। फिर भी वैश्विक उत्पादन में इसका योगदान एक फीसदी से भी कम है। देश के अधिकांश भंडार मोनाजाइट से भरपूर तटीय रेत में पाए जाते हैं, जिनमें रेडियोधर्मी तत्व थोरियम भी मौजूद होता है। इससे खनन और प्रसंस्करण अधिक जटिल हो जाता है और सख्त नियमों के अधीन हो जाता है। नियामक चुनौतियों ने ऐतिहासिक रूप से देश में रेअर अर्थ खनिजों के खनन को धीमा कर दिया है। दशकों तक उत्पादन काफी हद तक सीमित रहा और मुख्य रूप से इंडियन रेयर अर्थ्स लि. (आईआरईएल) नियंत्रित करता था।

चीन 90% को करता है नियंत्रित

चीन वैश्विक दुर्लभ पृथ्वी शोधन क्षमता का लगभग 90 फीसदी और भारी रेअर अर्थ तत्वों के करीब संपूर्ण प्रसंस्करण को नियंत्रित करता है। इससे चीन को संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में एक बड़ा लाभ मिलता है। भारत की प्रसंस्करण और शोधन क्षमता बहुत सीमित है। वार्षिक उत्पादन केवल कुछ हजार टन रहा है और वैश्विक रेअर अर्थ धातुओं के व्यापार में भारत की भूमिका लगभग नगण्य रही है।

खत्म हो जाएगी एलपीजी पर सब्सिडी!

अब अमेरिका से आ रही गैस के मुताबिक होगा हिसाब-किताब

नई दिल्ली, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। सरकार एलपीजी सब्सिडी का हिसाब-किताब बदलने पर विचार कर रही है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि सरकारी तेल कंपनियों ने पिछले महीने अमेरिका के एक्सपोर्टर्स के साथ सप्लाई के लिए सालाना कॉन्ट्रैक्ट साइन किए हैं।

अभी तक सब्सिडी की गणना सऊदी कॉन्ट्रैक्ट प्राइस के आधार पर होती है। यह वेस्ट एशिया से एलपीजी सप्लाई के लिए एक स्टैंडर्ड रेट है। लेकिन अब, सरकारी तेल कंपनियों के अधिकारी चाहते हैं कि इस फॉर्मूले में अमेरिका के बेंचमार्क प्राइस और अटलांटिक महासागर के पार से आने वाले शिपमेंट के भारी-भरकम फ्रेट की लागत को भी शामिल किया जाए। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका से एलपीजी तभी भारत के लिए सस्ती पड़ती है, जब सऊदी सीपी के मुकाबले दाम में इतनी छूट हो कि शिपिंग का खर्चा निकल जाए। अमेरिका से शिपिंग का खर्चा सऊदी अरब से आने वाले शिपमेंट के मुकाबले लगभग चार गुना ज्यादा होता है। पिछले महीने, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने अमेरिका से सालाना 2.2 मिलियन मीट्रिक टन एलपीजी आयात करने के लिए एक साल का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। यह कॉन्ट्रैक्ट 2026 के लिए है। यह भारत के सालाना एलपीजी आयात का लगभग 10% हिस्सा है। इससे पहले भी भारतीय कंपनियों ने अमेरिका से एलपीजी खरीदा था, लेकिन वह स्पॉट मार्केट से था। यह पहली बार है जब उन्होंने अमेरिका से सप्लाई के लिए कोई टर्म कॉन्ट्रैक्ट किया है। सरकार तय करती है कि सरकारी कंपनियां एलपीजी किस कीमत पर बेचेंगी। जब कंपनियां बाजार भाव से कम कीमत पर बेचकर नुकसान उठाती हैं, तो सरकार उन्हें इसकी भरपाई करती है। अब नए फॉर्मूले से सब्सिडी की गणना में बदलाव आ सकता है। दिल्ली में घरों में यूज होने वाले 14.2 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत अभी 853 रुपये है। इसमें आखिरी बार बदलाव 8 अप्रैल को हुआ था। उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को 300 रुपये की सब्सिडी मिलती है। इसी तरह दिल्ली में 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 1580.50 रुपये है।

क्या चांदी का बुलबुला फूटने वाला है?

कीमत में तेजी को लेकर रॉबर्ट कियोसाकी ने दी चेतावनी

नई दिल्ली, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। चांदी की कीमत में मंगलवार को तेजी आई। एमसीएक्स पर मार्च डिलीवरी वाली चांदी की कीमत प्रति किलो 2.37 लाख रुपये को पार कर गई। लेकिन एक दिन पहले यानी सोमवार को इसमें आई जबरदस्त गिरावट ने निवेशकों को चिंता में डाल दिया था। चांदी की कीमत ढाई लाख रुपये प्रति किलोग्राम पार होने के बाद क्रैश हो गई थी। कुछ ही देर में इसमें 20 हजार रुपये से ज्यादा की गिरावट आ गई थी। वहीं चांदी में आई तेजी को लेकर 'रिच डैड पुअर डैड' किताब के लेखक रॉबर्ट कियोसाकी ने चेतावनी दी है। उन्होंने सवाल उठाया है कि कहीं चांदी की कीमत में यह बुलबुला तो नहीं बन रहा है। चांदी की इस असाधारण बढ़ोतरी पर बाजार के जानकार आपस में चर्चा कर रहे हैं। खासकर इसलिए क्योंकि चांदी कई दूसरी चीजों के मुकाबले बहुत तेजी से महंगी हो रही है। व्यापारी, खासकर वे जो बेस मेटल (जैसे तांबा, लोहा) और कीमती धातुओं (जैसे सोना, चांदी) दोनों में निवेश करते हैं, इस चाल पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। कीमतों में तेजी का यह सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसे में यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या यह तेजी ऐसे ही बनी रहेगी या नहीं। रॉबर्ट कियोसाकी ने एक्स पर एक पोस्ट में चांदी की कीमत को लेकर अपनी राय रखी है। उन्होंने अपने पोस्ट में पूछा, 'क्या चांदी का बुलबुला फूटने वाला है?' उन्होंने पोस्ट में बताया कि वे लंबे समय से चांदी के समर्थक रहे हैं। उन्होंने साल 1965 में पहली बार चांदी खरीदी थी। लेकिन अब उनका मानना है कि अभी की चांदी में तेजी शायद एफओएमओ (कुछ खो देने का डर) की वजह से है। उन्होंने कीमत में गिरावट की चेतावनी भी दी है। कियोसाकी ने निवेशकों को सलाह दी है कि वे सावधान रहें। उन्होंने कहा, 'अगर आप चांदी में निवेश करने की सोच रहे हैं, तो धैर्य रखें। गिरावट का इंतजार करें, फिर या तो निवेश करें या न करें।' इस चेतावनी के बावजूद, उन्होंने चांदी के भविष्य को लेकर अपना भरोसा जताया। उनका मानना है कि साल 2026 तक चांदी 100 डॉलर प्रति औंस और शायद 200 डॉलर तक भी पहुंच सकती है। उन्होंने अपनी 'रिच डैड' फिलॉसफी का एक अहम सिद्धांत दोहरायाः 'आपका मुनाफा तब बनता है जब आप खरीदते हैं... न कि तब जब आप बेचते हैं।'

चीन ने लागू किया 50% का नियम, अमेरिका को मिलेगी टक्कर, भारत के लिए सबक

नई दिल्ली, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन ने चिप बनाने वाली कंपनियों के लिए एक बड़ा नियम लागू किया है। अब उन्हें नई फैक्ट्रियां लगाने या पुरानी फैक्ट्रियों का विस्तार करने के लिए कम से कम 50% उपकरण चीन में बने हुए इस्तेमाल करने होंगे। रॉयटर्स के मुताबिक चीन की सरकार चाहती है कि देश में ही चिप बनाने का पूरा सामान तैयार हो जाए, ताकि उसे दूसरे देशों पर निर्भर न रहना पड़े। यह नियम अभी तक सार्वजनिक रूप से बताया नहीं गया है। लेकिन, जो चिप बनाने वाली कंपनियां अपनी फैक्ट्रियां लगाने या उनका विस्तार करने के लिए सरकार से मंजूरी चाहती हैं, उन्हें हाल के महीनों में अधिकारियों ने बताया है कि उन्हें खरीददारी के टेंडर के जरिए यह साबित करना होगा कि उनके आधे से ज्यादा उपकरण चीनी होंगे। यह एक बहुत बड़ा कदम है जो चीन ने उठाया है। चीन अब विदेशी तकनीक पर अपनी निर्भरता कम करना चाहता है। यह कोशिश तब और तेज हो गई जब साल 2023 में अमेरिका ने एक्सपोर्ट पर और सख्त नियम बना दिए हैं।

अमेरिका ने लगाई रोक

अमेरिका ने चीन को एडवांस्ड एआई चिप्स और चिप बनाने वाले उपकरण बेचने पर रोक लगा दी थी। हालांकि अमेरिका के इन नियमों ने कुछ सबसे एडवांस्ड मशीनों की बिक्री रोक दी। लेकिन 50% वाले इस नियम की वजह से चीनी कंपनियां अब उन जगहों पर भी अपने देश के सप्लायर्स को चुन रही हैं, जहां अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया और यूरोप के विदेशी उपकरण अभी भी उपलब्ध हैं।

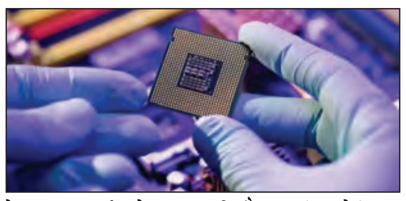

इन कंपनियों को मिलेगी नरमी

अगर कोई कंपनी इस 50% के नियम को पूरा नहीं कर पाती है, तो उसके आवेदन को आमतौर पर रद्द कर दिया जाता है। हालांकि, अगर सामान की कमी है तो अधिकारी थोड़ी नरमी भी बरतते हैं। जो एडवांस्ड चिप बनाने वाली लाइनें हैं, उनके लिए यह नियम थोड़ा कम सख्त है, क्योंकि अभी तक चीन में ऐसे एडवांस्ड उपकरण पूरी तरह से नहीं बने हैं। एक सूत्र ने रॉयटर्स को बताया, 'अधिकारी तो चाहते हैं कि यह 50% से बहुत ज्यादा हो। आखिरकार, उनका लक्ष्य है कि फैक्ट्रियां 100% चीनी उपकरण का इस्तेमाल करें।' चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग लगातार यह कहते रहे हैं कि देश को चिप बनाने के मामले में पूरी तरह से आत्मनिर्भर बनाने के लिए 'पूरे देश' को मिलकर प्रयास करना होगा। इसमें देश भर की कंपनियों और रिसर्च सेंटरों के हजारों इंजीनियर और वैज्ञानिक शामिल हैं।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	धनु	मे
चंद्र	मेष	मे
मंगल	धनु	मे
बुध	धनु	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	धनु	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लगनारभ समय		
धनु.....	06-16	बजे
मकर...	08-21	बजे
कुंभ....	10-04	बजे
मीन....	11-34	बजे
मेष.....	13-00	बजे
वृष....	14-37	बजे
मिथुन..	16-34	बजे
कर्क...	18-47	बजे
सिंह---	21-06	बजे
कन्या--	23-22	बजे
तुला---	01-36	बजे
वृश्चिक..	03-54	बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082

शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर

महावीर निर्वाण संवत् -2551

कलियुग अवधि - 432000

भोग्य कलि वर्ष. - 426874

कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,

कल्पारंभ संवत् - 1972949126

सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126

सूर्योदय 06-49
सूर्यास्त. 17-48

दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले

मास - पौष शुक्ल पक्ष बुधवार 31 Dec

तिथि - द्वादशी 01-48 तक उपरान्त त्रयोदशी

नक्षत्र - कृत्तिका 01-29 रात्रि तक उप

योग - साध्य 21-13 तक उप. शुभ

करण - बव 15-26 तक उप बालव

पुत्रादा एकादशी व्रतं निम्बार्क वैष्णव

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 12-19 13-42

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	06-49 - 08-00	शुभ	उत्पात	17-48 - 19-28	अशुभ
अमृत	08-10 - 09-33	शुभ	शुभ.	19-28 - 21-05	शुभ
काल	09-33 - 10-56	अशुभ	अमृत	21-05 - 22-42	शुभ
शुभ	10-56 - 12-19	शुभ	चंचल	22-42 - 00-19	शुभ
रोग	12-19 - 13-42	अशुभ	रोग	00-19 - 01-57	अशुभ
उत्पात	13-42 - 15-05	अशुभ	काल	01-57 - 03-34	अशुभ
चंचल	15-05 - 16-28	शुभ	लाभ	03-34 - 05-11	शुभ
लाभ	16-28 - 17-48	शुभ	उत्पात	05-11 - 06-49	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
इस बात की सम्भावना है कि कोई आपके आसपास आपके विचार चुराकर आने करियर में प्रगति करना चाहता है । इसीलिए किसी से बात करते हुए सावधान रहें । आपको इस समय बड़ी गंभीरता से अपने हित के बारे में सोचना है ।अपने लम्बे सहकर्मी रह चुके लोगों के साथ भी अपनी जानकारियां साझी न करें ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
यह समय मजे और स्वतन्त्रता दोनों में से किसी एक को चुनने का है । अगर आप जिम्मेदार हैं तो आपको स्वतंत्रता भी मिल ही जायेगी । हालाँकि अत्यधिक परिश्रम के बाद भी आप अपनी मंजिल पर तो नही पहुंच पायेंगे लेकिन बाद में आपको इसका फल जरुर मिलेगा इसलिए परिश्रम करते रहें । वित्तीय स्थिति के लिए भी परेशान न हों,समय के साथ ठीक होती जायेगी ।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,
आपको मदद की जरुरत है और आप जितनी जल्दी यह बात समझ लेंगे उतना ही अच्छा है । समय रहते किसी दोस्त या मेंटर से मिली मदद से आप फिर से जीवन में आपस आ पायेंगे। जिन बदलावों का आप विरोध करते आ रहे हैं ,उनकी महत्ता आपको अब समझ में आएगी और आप खुद उन्हें करने की प्रक्रिया शुरू करेंगे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
दिन शुरुआत में बहुत अच्छा,बाद में थोडा व्यस्त रह सकता है । घर पर कोई बीमार पड़ सकता है और आपको अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद उनकी देखभाल के लिए समय निकालना होगा । आपको सहकर्मियों या दोस्तों से खुशी मिलेगी और आप आने वाले समय में उनके साथ समय बिताने की योजनायें बना सकते हैं ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
दिन के आगे बढने के साथ चिंता भी बढ़ेगी । लेकिन लक्ष्य प्राप्त करने तक हिम्मत ना छोड़ें । हारना या जीतना नही,आपके प्रयास सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं । आपने निरंतर प्रयास किये हैं ,लेकिन अभी इन्हें बनाये रखना होगा । समस्याओं की तह तक जाने की कोशिश करें ताकि इन्हें हमेशा के लिए ख़तम कर सकें ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आप अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे । कोई आपकी उदारता से प्रभावित होकर दिन के अंत तक आपसे अपनी भावना का इजहार कर सकता है हालाँकि अभी भी आपके मन में कडवे अनुभव भरे हुए हैं । लेकिन अब समय आ गया है की आप सारी नकारात्मकता को दूर करके एक नयी शुरुआत करें ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपकी वर्तमान जिंदगी में काफी उतार चढाव आ रहे हैं । लेकिन आपको उनसे जल्दी ही छुटकारा मिलने वाला है ।अपना नजरिया हमेशा की तरह सकारात्मक बनाये रखें,स्थिति जल्दी ही बेहतर होगी । लोग आपसे सहायता मांगेंगे और आप उनकी सहायता में व्यस्त होकर अपनी चिंताएं भूल जायेंगें ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपका कोई करीबी शायद आपके कारण भावनात्मक उथल-पुथल के दायरे में है । आप एकदम से निष्कर्ष पर पहुच जाते हैं और इस बार भी आपने सही से समझे बिना ही इस व्यक्ति पर वफादार न होने का आरोप लगा दिया है । आपके लिए अच्छा यही होगा कि आप पहले शांति से बैठकर सही समय तक का इन्तजार करें और अच्छे से सोच लें ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप आज आसानी से सब काम करके जीवन के स्कोप को बड़ा कर सकते हैं । अपनी एकाग्रता बनाएं रखें और अपनी सारी ऊर्जा उसमें लगा दें,ऐसा कुछ भी किसी को न कह बैठें,जो आपको भावनात्मक उलझन में फंसा दें । बिजनेस का विस्तार हो सकता है या पहले से खुले आउटलेट्स को नया रूप दे सकते हैं ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपको कोई अप्रत्याशित खुशखबरी मिलेगी । यह आपके करियर या निजी जीवन से जुडी हो सकती है लेकिन इससे आपको वित्तीय लाभ भी होंगें । इससे आपको भविष्य में भी इसी प्रकार के लाभ उठाने का रास्ता दिखाई देगा । आप आज बहुत अच्छे मूड में हैं और आपकी आशावादिता और खुशमिजाजी से सभी प्रभावित होंगे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आप ऊर्जा से भरपूर हैं और काफी मेहनत करने के लिए तैयार भी हैं । आपकी सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह ओरों को भी प्रभावित करेगा ,आपकी टीम को आपसे बेहतर काम करने के लिए प्रेरणा मिलेगी । घर पर भी आज आप सामान्य से अधिक जिम्मेदारियां उठाएंगे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
व्यवसाय सम्बन्धी परेशानियां हल होंगीं लेकिन तब तक आपको बोलने ,लिखने और काम में भी आक्रामक नही होना है । निजी जीवन से सम्बंधित परेशानियां झेल रहे लोगों को अपनों के लिए समय निकालना चाहिए । आप लम्बे समय से स्वस्थ्य की उपेक्षा क्र रहे हैं ,इस पर ध्यान दें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

2.5 अरब साल पहले बनी अरावली

शोधकर्ताओं की चेतावनी वर्ष 2059 तक खत्म हो जाएंगी ये पहाड़ियां !

नई दिल्ली, 30 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। अरावली पहाड़ियों की परिभाषा को लेकर उठे विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। अदालत ने साफ किया है कि अरावली से जुड़े उसके 20 नवंबर के आदेश को अगली सुनवाई तक लागू नहीं किया जाएगा। मतलब फिलहाल सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों पर रोक रहेगी। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि मामले की अगली सुनवाई 21 जनवरी 2026 को होगी।

केंद्र की नई परिभाषा को लेकर बढ़ी चिंता

केंद्र सरकार द्वारा अरावली पहाड़ियों की नई परिभाषा तय किए जाने के बाद से कई राज्यों में इसको लेकर चिंता जताई जा रही है। आशंका है कि नई परिभाषा के चलते पहाड़ियों के आसपास खनन गतिविधियां बढ़ सकती हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि यह विवाद शुरू होने से पहले ही अरावली क्षेत्र तेजी से क्षरण की राह पर था और इसका कारण सिर्फ खनन नहीं, बल्कि शहरीकरण और कृषि गतिविधियां भी हैं।

अरावली पर्वत श्रृंखला के 2059 तक खत्म होने का डर

अरावली पर्वत श्रृंखला दुनिया की सबसे पुराने पर्वतों में से एक है, जिसका निर्माण करीब 2.5 अरब साल पहले हुआ था। शोधकर्ताओं ने पहले ही चेतावनी दी थी कि वर्ष 2059 तक अरावली क्षेत्र में मानव बस्तियों के विस्तार के कारण करीब 16,360 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र खत्म हो सकता है। राजस्थान के केंद्रीय विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन में कहा गया है कि खनन, शहरीकरण और कृषि के कारण होने वाला यह बदलाव उत्तर-पश्चिम भारत की पारिस्थितिकी की रीढ़ को कमजोर कर सकता है।

पर्यावरण विज्ञान विभाग के शोधकर्ताओं ने किए शोध

यह अध्ययन पर्यावरण विज्ञान विभाग के आलोक राज और प्रोफेसर लक्ष्मी कांत शर्मा के नेतृत्व में किया गया। इसमें 1975 से 2019 तक के 44 वर्षों के सैटेलाइट डेटा और मशीन लर्निंग आधारित मॉडल का इस्तेमाल किया गया। गूगल अर्थ इंजन और टेरेसेट लैंड चेंज मॉडलर की मदद से शोधकर्ताओं ने यह समझने की कोशिश की कि अब तक कितना नुकसान हो चुका है और आने वाले चार दशकों में क्या हालात हो सकते हैं।

अध्ययन के नतीजे काफी चिंताजनक

अध्ययन के नतीजे काफी चिंताजनक हैं। 1975 से 2019 के बीच अरावली क्षेत्र में करीब 5,772 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र खत्म हो गया, जो कुल वन क्षेत्र का लगभग 7.6 प्रतिशत है। इस दौरान करीब 3,676 वर्ग किलोमीटर इलाका बंजर भूमि में बदल गया और लगभग 777 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर मानव बस्तियां बस गईं। यह साफ संकेत है कि पहाड़ियों और घाटियों पर धीरे-धीरे मानव गतिविधियों का दबाव बढ़ता जा रहा है।

प्रोफेसर लक्ष्मी कांत शर्मा ने बताया कि सैटेलाइट डेटा से यह स्पष्ट होता है कि बीते चार दशकों में ऊपरी, मध्य और निचले अरावली क्षेत्रों में जमीन के इस्तेमाल में बड़े बदलाव हुए हैं। भविष्य को लेकर अनुमान और भी ज्यादा गंभीर हैं। अध्ययन के मुताबिक, अगर मौजूदा रुझान जारी रहे तो 2059 तक अरावली क्षेत्र का करीब 16,360 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र सीधे मानव बस्तियों में बदल सकता है, जो कुल वन क्षेत्र का लगभग 21.6 प्रतिशत होगा। इसके अलावा जंगलों का कुछ हिस्सा खेती, खनन और बंजर भूमि में भी तब्दील होगा, लेकिन सबसे तेज़ी से विस्तार बस्तियों का होगा।

खनन से खड़ा हुआ संकट समझिए

दिल्ली-एनसीआर से लेकर उदयपुर और सिरोही तक शहरी विस्तार, खनन क्षेत्र और सड़क जैसी बुनियादी संरचनाएं उस पारिस्थितिक गलियारे को काट रही हैं, जो कभी लगातार फैला हुआ था। शोध में यह भी सामने आया है कि वन क्षेत्र से बस्तियों में और बंजर भूमि से बस्तियों में बदलाव सबसे मजबूत और लगातार चलने वाली प्रक्रियाएं हैं। यह रियल एस्टेट, उद्योग और शहरों के आसपास फैलते निर्माण दबाव को दिखाता है। प्रोफेसर शर्मा के अनुसार, आने वाले दशकों में भी वन क्षेत्र में गिरावट जारी रह सकती है। इससे जल संरक्षण, जलवायु संतुलन और जैव विविधता जैसे अरावली के अहम पारिस्थितिक लाभों पर गहरा असर पड़ेगा।

राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और गुजरात के लिए ढाल

विशेषज्ञों का कहना है कि अरावली सिर्फ पहाड़ नहीं हैं, बल्कि राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और गुजरात के लिए जलवायु ढाल और जल स्रोतों की अहम प्रणाली हैं। ये पहाड़ मिट्टी के कटाव को रोकते हैं, धूल भरी आंधियों को कम करते हैं और वन्यजीवों के लिए आवास उपलब्ध कराते हैं। शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि बड़े पैमाने पर वन क्षेत्र खत्म होने से पारिस्थितिकी तंत्र कमजोर होगा, जलवायु असंतुलन बढ़ेगा और लोगों की आजीविका पर भी असर पड़ेगा।

नीति-निर्माताओं और योजनाकारों के लिए एक चेतावनी

इस अध्ययन को नीति-निर्माताओं और योजनाकारों के लिए एक चेतावनी और योजना बनाने के औजार के तौर पर देखा जा रहा है। इससे यह समझने में मदद मिल सकती है कि किन इलाकों में जंगलों को सबसे ज्यादा खतरा है और कहां सख्त संरक्षण और पुनर्स्थापन की जरूरत है। शोध का साफ संदेश है कि अगर समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो एक मानव जीवनकाल के भीतर ही अरावली के 16 हजार वर्ग किलोमीटर से ज्यादा जंगल मानव बस्तियों में बदल सकते हैं। आने वाले चार दशक अरावली के भविष्य के लिए बेहद अहम होंगे और आज लिए गए फैसले तय करेंगे कि ये प्राचीन पहाड़ जीवित रहेंगे या सिर्फ कुछ हरे-भरे टुकड़ों में सिमट कर रह जाएंगे।

महिला साफ्टवेयर इंजीनियर ने सिस्टम को दिखाया आईना

रात में पुलिस ने निभाई औपचारिकता, सुबह 20 महंगे मोबाइल बरामद

वाराणसी, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। काशी की पहचान सिर्फ आध्यात्मिक नगरी की नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय पर्यटन केंद्र की भी है। लेकिन नववर्ष और छुट्टियों के बीच अस्सी घाट पर जो हुआ, उसने पर्यटन सुरक्षा और पुलिसिंग के दावों की परतें खोल कर रख दीं। मोबाइल चोरों के एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश किसी स्पेशल पुलिस ऑपरेशन से नहीं, बल्कि एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर पर्यटक अंकिता गुप्ता नामक युवती के साहस, तकनीकी दक्षता और अडिग संकल्प से हुआ।

मुंबई के घाटकोपर निवासी उमेश गुप्ता की पुत्री अंकिता गुप्ता, जो पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं, बनारस भ्रमण पर आई थीं। सोमवार की सायंकाल अस्सी घाट की भीड़ में एक उचक्का उनका करीब दो लाख रुपये कीमत का आई फोन छीनकर फरार हो गया। यह वही समय था जब घाटों पर पर्यटकों की संख्या चरम पर थी और सुरक्षा व्यवस्था कागजों तक सीमित नजर आ रही थी।

घटना के तुरंत बाद अंकिता ने भेलूपुर थाने को सूचना दी। पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली, लेकिन इसके बाद जांच की रफ्तार वहीं थम गई। पीड़िता ने मोबाइल का बिल, दस्तावेज,

ईएमआई नंबर और अन्य जरूरी जानकारी पुलिस को सौंप दी, बावजूद इसके पुलिस ने न तो लोकेशन ट्रेस की और न ही संदिग्ध इलाके में तलाशी ली। यह स्थिति तब है, जब प्रदेश सरकार पुलिस को अत्याधुनिक तकनीक और संसाधन उपलब्ध कराने के दावे करती है।

पुलिस की उदासीनता से निराश होकर अंकिता ने खुद मोर्चा संभाला। सॉफ्टवेयर इंजीनियर होने के नाते उन्होंने मोबाइल के ईएमआई नंबर को एक एप के जरिए ट्रेस किया। मोबाइल की लोकेशन लगातार एक ही स्थान पर दिखाई देती रही। रात करीब दो बजे अंकिता खुद उस लोकेशन पर पहुंच गईं और अकेले ही वहीं डटी रहीं। पत्रकार सुरेश गांधी के हस्तक्षेप के बाद पुलिस काफी देर से मौके पर पहुंची, लेकिन न तो कमरे की तलाशी ली गई और न ही संदिग्ध को दबोचने का प्रयास किया गया। औपचारिकता पूरी कर पुलिस ने वही पुराना आश्वासन दिया और लौट गई।

मोबाइल की लोकेशन रातभर जस की तस बनी रही। मंगलवार सुबह करीब पांच बजे अंकिता दोबारा उसी जगह पहुंचीं। इस बार आसपास के लोग भी जुट गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि संदिग्ध युवक चांदपुर चौराहा, जीटी रोड स्थित मकान मालिक राजेंद्र पटेल के यहां किराये पर रहता है। जब मकान मालिक ने कमरे का ताला खुलवाया तो चोर फरार हो चुका था, लेकिन कमरे के अंदर का दृश्य चौंकाने वाला था, वहां 15 से 20 महंगे मोबाइल फोन पड़े थे। अंकिता ने मौके पर ही अपने आई फोन की पहचान कर ली। पत्रकार सुरेश गांधी की सूचना पर पुलिस एक बार फिर मौके पर पहुंची और सभी मोबाइल फोन को कब्जे में लिया। सवाल यह है कि यदि रात में ही गंभीरता दिखाई जाती, तो आरोपी की गिरफ्तारी के साथ पूरे नेटवर्क का खुलासा उसी समय हो सकता था। स्थानीय लोगों के अनुसार अस्सी घाट, दशाश्वमेध और आसपास के इलाकों में मोबाइल चोरी की घटनाएं कोई नई बात नहीं हैं। रोजाना 4 से 6 मोबाइल चोरी की चर्चा आम है, लेकिन ठोस कार्रवाई न होने से चोरों के हौसले बुलंद थे। इस घटना ने साफ कर दिया कि यह कोई छुटपुट वारदात नहीं, बल्कि संगठित गिरोह का काम है।

काशी पत्रकार संघ के महामंत्री जितेंद्र श्रीवास्तव ने पुलिस की भूमिका पर तीखा सवाल उठाते हुए कहा कि जब पीड़ित सटीक लोकेशन और तकनीकी साक्ष्य उपलब्ध कराए, तब भी कार्रवाई न होना बेहद गंभीर विषय है। ऐसी पुलिसिंग से अपराधियों का मनोबल बढ़ता है और आम नागरिक का भरोसा टूटता है।

पुलिस का कहना है कि बरामद मोबाइल फोन को कब्जे में ले लिया गया है। फरार आरोपी की तलाश की जा रही है और मामले में विधिक कार्रवाई की जाएगी। बरामद मोबाइलों के आधार पर अन्य पीड़ितों की पहचान भी की जाएगी। यह घटना सिर्फ एक मोबाइल चोरी की कहानी नहीं है, बल्कि यह बताती है कि जब सिस्टम सुस्त हो जाता है, तब एक जागरूक, शिक्षित और साहसी नागरिक किस तरह पूरे गिरोह की परतें खोल सकता है। अस्सी घाट जैसे अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल पर यदि पर्यटकों को खुद सुरक्षा की लड़ाई लड़नी पड़े, तो यह प्रशासन के लिए चेतावनी नहीं, बल्कि चुनौती है। फिरहाल, काशी की छवि तभी सुरक्षित रहेगी, जब कानून अपराधियों से तेज और पीड़ितों के साथ खड़ा नजर आएं।

कार्तिक जतरा से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का संदेश

विश्वविद्यालय बनाना था कार्तिक उरांव का सपना, यह जल्द होगा साकार

गुमला, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू झारखंड के गुमला जिले के रायडीह प्रखंड पहुंचीं। उन्होंने यहां आयोजित दो दिवसीय अंतरराज्यीय जन सांस्कृतिक समागम 'कार्तिक जतरा' में भाग लिया। यहां जनसभा को संबोधित करने के दौरान राष्ट्रपति ने पंखराज साहेब कार्तिक उरांव के उस सपने को पूरा करने का भरोसा दिलाया, जिसमें गुमला जिले में विश्वविद्यालय की स्थापना की कल्पना की गई थी।

राष्ट्रपति ने कहा कि गुमला में विश्वविद्यालय की स्थापना करना न केवल कार्तिक उरांव का सपना था, बल्कि यह उनके जीवन का भी एक महत्वपूर्ण लक्ष्य है। इस सपने को जल्द ही साकार किया जाएगा।

राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने संबोधन में जनजातीय समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की संगीत, नाटक, नृत्य और कला परंपराएं बेहद समृद्ध हैं। इसी वजह से

देशभर से 100 से अधिक कलाकारों को पद्मश्री सम्मान से नवाजा गया है।

'कार्तिक जतरा' के मंच से उन्होंने आदिवासी पहचान, परंपरा और संस्कृति को संरक्षित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान देश के विभिन्न राज्यों से आई आदिवासी पारंपरिक नृत्य मंडलियों ने अपनी लोक कला और संस्कृति का रंगारंग प्रदर्शन किया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कहा कि शिक्षा विकास की सबसे बड़ी पूंजी है। जब शिक्षा का विकास होगा, तभी राज्य और समाज का समग्र विकास संभव हो सकेगा। शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए जो भी प्रयास किए जा रहे हैं, वे निस्संदेह सराहनीय हैं। हालांकि, इससे जुड़े जमीन संबंधी विषयों का समाधान होने के बाद ही यह प्रयास पूरी तरह साकार हो पाएंगे। इसके बावजूद शिक्षा के विस्तार को लेकर जो संकल्प और मेहनत की जा रही है, वह एक न एक दिन जरूर सफल होगी।

पंखराज कार्तिक उरांव सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। वे भारत के गौरव थे और उन्होंने शिक्षा के महत्व पर हमेशा विशेष जोर दिया। भले ही उन्होंने विदेश में शिक्षा ग्रहण की, लेकिन उनकी सोच अपनी माटी और अपने लोगों के लिए समर्पित रही। उनका सपना था कि इस क्षेत्र में एक विश्वविद्यालय स्थापित हो, जहां आज लोग जतरा के माध्यम से उन्हें याद करते हैं। यह भी एक संयोग है कि आज झारखंड का नेतृत्व एक जनजातीय मुख्यमंत्री कर रहे हैं।

बीजापुर में सुरक्षाबल के जवानों को बड़ी सफलता

10 किलो का आईईडी बरामद सर्चिंग अभियान पर थी टीम

बीजापुर, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में सोमवार को माओवादियों को बड़ा झटका लगा है। बीजापुर जिला रिजर्व गार्ड, गंगालूर पुलिस स्टेशन के कर्मियों और बम निरोधक दस्ते की एक संयुक्त टीम ने सोमवार को मुंगा-पेद्दाकोर्मा क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान माओवादियों द्वारा लगाए गए 10 किलोग्राम के शक्तिशाली आईईडी का सफलतापूर्वक पता लगाकर निष्क्रिय कर दिया गया।

यह अभियान सुबह बीजापुर जिले के घने जंगलों में संवेदनशील रास्तों और गांवों को सुरक्षित करने के लिए चल रहे नक्सल-विरोधी अभियानों के तहत शुरू किया गया था। बीजापुर वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ लंबे समय से चल रही लड़ाई में सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक है।

17 दिन से लापता तीन वर्षीय बच्चे का शव मिला

कोडरमा, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। कोडरमा में 13 दिसंबर से लापता 3 वर्षीय बच्चे का शव क्षत-विक्षत हालत में मंगलवार को बरामद किया गया। घटना जयनगर थाना क्षेत्र के इरगोबाद गांव की है।

शव गांव के पास नदी के किनारे मिला। सूचना मिलते ही देखते ही देखते सैकड़ों ग्रामीणों की भीड़ वहां जुट गई। मृतक की पहचान शमशेर आलम के पुत्र सैफ अली के रूप में की गई। सैफ अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था।

परिजनों के अनुसार, बच्चे की मां रजिया खातून सैफ के साथ घर से कुछ ही दूर लकड़ी लाने गई थी। इसी बीच वो सैफ का हाथ छोड़ फोन पर बात करते हुए घर पहुंच गई।

इसी बीच सैफ लापता हो गया। बच्चे की खलिहान में रखे पुआल में भी काफी खोजबीन की गई पर उसका कुछ पता नहीं चल पाया। ग्रामीणों ने भी आसपास क्षेत्र में रात भर काफी खोजबीन की परंतु सैफ अली का कोई अता-पता नहीं चला। इसके बाद परिजनों ने जयनगर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। एसपी अनुदीप सिंह ने मुख्यालय डीएसपी रतिभान सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित कर बच्चे की तलाश शुरू की थी।

मंगलवार को इरगोबाद की कुछ महिलाएं गांव से सटे नदी किनारे लकड़ियां चुनने गई थीं। उन्हें वहां एक बच्चे की क्षत-विक्षत खोपड़ी दिखाई दी। महिलाओं ने शोर मचाया, जिसके बाद ग्रामीण और सैफ अली के परिजन मौके पर पहुंचे। खोपड़ी के पास मिले कपड़ों से परिजनों ने सैफ की पहचान की। मृतक के पिता शमशेर आलम ने बताया कि घटनास्थल पर उन्हें वही कपड़े मिले, जो उनका बच्चा 13 दिसंबर को लापता होने के समय पहने हुए था।

3 लाख के ड्रग्स के साथ पति-पत्नी गिरफ्तार

नए साल की पार्टियों में होने वाली थी सप्लाई, पलंग की दराज में छिपाया था

रायपुर, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। रायपुर में पुलिस ने पति-पत्नी को हेरोइन (चिट्टा) के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 16.01 ग्राम प्रतिबंधित मादक पदार्थ और 2 मोबाइल जब्त किए गए हैं। जब्त सामग्री की कुल कीमत करीब 3.45 लाख रुपए आंकी गई है। मामला कबीर नगर थाना क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक, हेरोइन नए साल में होने वाली पार्टियों में खपाया जाना था। डील डन हो चुकी थी, लेकिन इससे पहले ही दोनों तस्करों को पकड़ लिया गया।

रेबीज संक्रमित बकरे की बलि, 400 लोगों ने खाया मांस

बकरे को कुत्ते ने काटकर किया था जख्मी अंबिकापुर के ग्रामीण बोले– हमें संक्रमण का खतरा

सरगुजा, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर जिले के सरगंवा में रेबीज संक्रमित कुत्ते ने एक बकरे को काट लिया। उसी जख्मी बकरे की 'निकाली पूजा' में बलि चढ़ा दी गई। इसके बाद उसी बकरे का मांस प्रसाद के रूप में पकाकर गांव के करीब 400 लोगों ने खा लिया। ग्रामीणों में रेबीज फैलने का डर सता रहा है।

मामले की जानकारी मिलते ही स्वास्थ्य विभाग को अलर्ट कर किया गया। गांव में स्वास्थ्य जांच शिविर लगाने के निर्देश जारी किए गए हैं। हालांकि, डॉक्टर्स का कहना है कि, रेबीज आमतौर पर संक्रमित जानवर की लार के संपर्क में आने या काटने से फैलता है। पका मांस खाने से खतरा नहीं है।

दरअसल, सरगंवा गांव में हर तीन साल में 'निकाली पूजा' का आयोजन होता है। इस बार 28 दिसंबर को 'निकाली पूजा' का आयोजन हुआ। यह स्थानीय देवी-देवताओं की परंपरागत पूजा है। इस पूजा में बकरे की बलि देने की परंपरा चली आ रही है। इस साल 12 से 15 बकरों की बलि दी गई। बलि के बाद सभी बकरों के मांस का बंटवारा कर गांव के लगभग 400 लोगों को प्रसाद के रूप में दिया गया। निकाली पूजा की परंपरा के अनुसार मांस प्रसाद केवल पुरुषों को ही दिया जाता है। इस कारण बकरे का मांस भी गांव के सिर्फ पुरुष सदस्यों ने ही खाया।

ग्रामीणों ने बताया कि बलि दिए गए बकरों में से एक बकरे को पहले ही एक रेबीज संक्रमित (पागल) कुत्ते ने काट लिया था। यह बकरा गांव के ही नान्हू राजवाड़े से खरीदा गया था। बकरे को काटे जाने की जानकारी होने के बावजूद उसकी बलि दी गई। मांस को प्रसाद के रूप में बांट दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि धोखे से इस तरह का काम किया गया है। प्रसाद के रूप में मांस खाने वाले पुरुषों में डर का माहौल है। पुरुषों को लग रहा है कि कहीं वह भी रेबीज संक्रमित न हो जाएं। स्वास्थ्य विभाग से शिविर लगाने की मांग की है। वहीं पशु चिकित्सक डॉ. चंदू मिश्रा ने बताया कि रेबीज आमतौर पर संक्रमित जानवर की लार के संपर्क में आने या काटने से फैलता है।

बकरे को भले ही रेबीज संक्रमित कुत्ते ने काटा हो, लेकिन यदि उसका मांस अच्छी तरह पकाया गया है, तो संक्रमण की संभावना न के बराबर होती है।

भूपेश बोले- ऐतिहासिक धरोहर रामगढ़ भी सुरक्षित नहीं

कहा–ये भाजपाई सत्ता में मदमस्त हैं, पूर्व मुख्यमंत्री के स्वागत में नहीं पहुंचे टीएस समर्थक कांग्रेस नेता

सरगुजा, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। सरगुजा में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि, रामगढ़ को हमने राम वन गमन पर्यटन परिपथ में शामिल किया था। रामगढ़ में हजारों साल पुरानी ऐतिहासिक धरोहर है, जिसे सरकार उजाड़ने जा रही है। एसईसीएल ने प्रभावितों को मुआवजा नहीं दिया और जमीन खोदना शुरू कर दिया।

रायगढ़ के तमनार में आग लगी हुई है। ये भाजपाई सत्ता में मदमस्त हैं और हर जगह लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति बन रही है। दरअसल, भूपेश बघेल निजी प्रवास पर सरगुजा पहुंचे थे। जहां भूपेश बघेल के दौरे पर जमकर गुटबाजी दिखी। देर रात उनका स्वागत पूर्व मंत्री अमरजीत भगत और समर्थकों ने किया। स्वागत से लेकर भूपेश बघेल से मिलने वालों में भी जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष और टीएस समर्थक नेता नहीं दिखे।

भूपेश बघेल ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि, रामगढ़ के पहाड़ को हमने राम वनगमन पर्यटन परिपथ में शामिल किया और सौंदर्यीकरण किया था। यह हमारा ऐतिहासिक धरोहर है, यह 5000 साल पुराना है। यहां प्राचीन नाट्यशाला है। यहां भगवान राम-सीता रुके थे। ये हर जगह हमारे प्राकृतिक और ऐतिहासिक धरोहर को नष्ट करते जा रहे हैं। भूपेश बघेल ने कहा कि, सरगुजा में एसईसीएल के मामले में प्रभावितों को मुआवजा नहीं दिया और जमीन खोदनी शुरू कर दी। इससे लोग आक्रोशित हुए और लाठीचार्ज हुआ। उन्होंने रायगढ़ के तमनार मामले में कहा कि वहां आग लगी हुई है। तमनार में लोग 14 दिन से हड़ताल पर बैठे थे, लेकिन उनकी नहीं सुनी गई।

साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

फर्जी कस्टमर केयर कर्मी बनकर लोगों से करते थे धोखाधड़ी, 10 सिम कार्ड भी बरामद

गिरिडीह, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। गिरिडीह पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। एसपी डॉ. बिमल कुमार के निर्देश पर मिली गुप्त सूचना के आधार पर साइबर थाना गिरिडीह की टीम ने गांडेय थाना क्षेत्र के कछेल ग्राम स्थित तेलखरी जंगल के पास छापेमारी की।

इस कार्रवाई में फर्जी कस्टमर केयर बनकर साइबर ठगी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश हुआ। पुलिस ने तीन शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में साइबर थाना में कांड संख्या 43/25 दर्ज किया गया है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान खुर्शीद अंसारी (25), निवासी धरलेट्टो, थाना गांडेय, जिला गिरिडीह, आलमगीर अंसारी (25), निवासी चेतनारी, थाना पथरोल, जिला देवघर; और मो. सराफत अंसारी (25), निवासी पिंडरी, थाना सारठ, जिला देवघर के रूप में हुई है।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से 8 मोबाइल फोन, 10 सिम कार्ड, 2 मोटरसाइकिल, 2 एटीएम कार्ड, 1 आधार कार्ड, 1 पैन कार्ड और 1 ड्राइविंग लाइसेंस बरामद किया है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे गूगल साइट पर फर्जी मोबाइल नंबर अपलोड करते थे।

खुद को फोनपे, पेटीएम, डेबिट कार्ड कस्टमर केयर कर्मी, सैमसंग सर्विस, एसी सर्विस और गीजर इंस्टॉलेशन सर्विस का अधिकारी बताकर लोगों को झांसे में लेते थे।

जैसे ही कोई व्यक्ति इन फर्जी नंबरों पर कॉल करता था, आरोपी तकनीकी समस्या का बहाना बनाकर उससे गोपनीय जानकारी हासिल करते और फिर ठगी को अंजाम देते थे। इसके अतिरिक्त, आरोपी एचडीएफसी सहित अन्य बैंकों के अधिकारी बनकर पासबुक अपडेट कराने और एटीएम कार्ड भेजने के नाम पर भी लोगों को कॉल करते थे। वे विभिन्न बैंकों और डिजिटल वॉलेट के फर्जी .apk फाइल के लिंक भेजकर पीड़ितों के मोबाइल को अपने नियंत्रण में ले लेते थे।

सख्त वीजा नियमों से खौफ में भारतीय प्रवासी

अमेरिका में घर से निकलना तक किया बंद

वॉशिंगटन, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप ने वीजा को लेकर इतने सख्त नियम बना दिए हैं, इमिग्रेशन पर पाबंदी लगाने ट्रंप प्रशासन जिस तरह के कदम उठा रहा है, उसने भारतीय प्रवासियों के मन में खौफ भर दिया है। आलम ये है कि ज्यादातर लोगों को अपने घर से बाहर निकलने तक में डर लगता है। केएफएफ और एनवाईटी ने एक सर्वे के हवाले से कहा है कि ज्यादातर अप्रवासी, अब अमेरिकी इमिग्रेशन अधिकारियों की नजर से बचने के लिए विदेश यात्रा करने से बच रहे हैं। अमेरिका में रहने वाले लगभग 27 प्रतिशत प्रवासियों ने जानबूझकर कर यात्रा करना बंद कर दिया।

चिंता की बात यह है कि यह डर सिर्फ अवैध प्रवासियों तक सीमित नहीं है, बल्कि जिन लोगों के पास वैध वीजा है, और जिन लोगों ने प्राकृतिक नागरिकता भी हासिल कर रखी है, वो भी घर से बाहर निकलने में कतराते हैं, बहुत ज्यादा जरूरी होने पर ही यात्रा करते हैं।

ऐसे लोग भी खुद को लो प्रोफाइल रखते हैं। इनके मन में भी डर है कि कहीं अधिकारी इन्हें गिरफ्तार कर डिपोर्ट ना कर दे। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैध वीजा वाल 32 प्रतिशत लोग और प्राकृतिक वीजा धारक 15 प्रतिशत लोगों ने यात्रा करनी बंद कर दी है। जबकि, बिना दस्तावेज वाले अप्रवासियों में करीब दो-तिहाई, यानी 63% लोग, घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय, दोनों तरह की यात्रा से बच रहे हैं।

अमेरिका में इस वक्त क्रिसमस की छुट्टियां चल रही हैं और कई दिनों की छुट्टी है। ऐसे में हर साल भारी संख्या में लोग यात्रा करते हैं। लेकिन इस बार यात्रा में काफी कमी आई है।

केएफएफ और एनवाईटी की सर्वे रिपोर्ट से पता चलता है कि ट्रंप प्रशासन के तहत एयरपोर्ट पर काफी सख्ती बरती जा रही है, घरेलू उड़ानों पर नजर रखी जा रही है, ट्रांसपोर्ट सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन (टीएसए) ने घरेलू यात्रा से जुड़ा डेटा, जैसे कि पैसेंजर मैनिफेस्टो, इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) अधिकारियों के साथ शेयर करना शुरू कर दिया है।

ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि उन इमिग्रेंट्स की गिरफ्तारी हो सके, उन्हें हिरासत में लिया जा सके और उन्हें देश से बाहर निकाला जा सके, जो गैर-कानूनी रूप से रह रहे हो सकते हैं।

टेक्सास में रहने वाली 30 साल की भारतीय आईटी प्रोफेशनल शिखा एस. ने दो साल बाद अपने माता-पिता से मिलने के लिए भारत जाने के लिए टिकट बुक किए थे।

लेकिन एच-1बी प्रोफेशनल्स की एक्स्ट्रा जांच और अपॉइंटमेंट में देरी की खबरों के बाद, उन्होंने अपनी यात्रा मजबूर होकर टाल दी है।

मुंबई में रहने वाले शिखा के पिता ने कहा, मेरी बेटी एच-1बी वीज़ा पर है और भले ही उसे अभी एक्सटेंशन या स्टैंपिंग की जरूरत नहीं है, लेकिन हमने उसे अपनी यात्रा टालने की सलाह दी है। हम नहीं चाहते कि उसे किसी भी गैर-जरूरी परेशानी का सामना करना पड़े।

जुलाई महीने से डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने एच-1बी और एच-4 वीजा से जुड़े कई नियम बदल दिए हैं, जिसका सीधा असर भारतीयों पर पड़ा है।

ताइवान पर हमला: चीन के युद्धाभ्यास से टेंशन में क्यों आया अमेरिका

दो एयरक्राफ्ट कैरियर किए तैनात

वॉशिंगटन, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। ताइवान के पास चीन के महायुद्धाभ्यास से अमेरिका टेंशन में है। इस कारण उसन अपने दो एयरक्राफ्ट कैरियरों और एक एम्फीबियस असॉल्ट शिप को पश्चिमी प्रशांत महासागर में तैनात कर दिया है। अमेरिकी युद्धपोत ताइवान के करीब चीन की हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए हैं। अमेरिका को डर है कि चीन युद्धाभ्यास की आड़ में ताइवान पर हमला कर सकता है। चीन ने जो अभ्यास किया है, वो ताइवान के चारों ओर था। इनमें से कुछ अभ्यास तो ताइवान के तट से 12 किमी दूर हुए। इस कारण ताइवान ने अपनी सेना को हाई अलर्ट पर रखा हुआ है।

यूएसएस अब्राहम लिंकन लगा रहा गश्त

अमेरिकी नौसेना संस्थान (यूएसएनआई) फ्लीट और मरीन ट्रैकर अपडेट के अनुसार, निमित्ज-क्लास कैरियर यूएसएस अब्राहम लिंकन कैरियर स्ट्राइक ग्रुप के साथ नियमित अभियानों के लिए दक्षिण चीन सागर पहुंचा है।

यूएसएस लिंकन नवंबर के आखिर में सैन डिएगो से निकलने के बाद 11 दिसंबर को नेवल बेस गुआम में कुछ समय के लिए रुका था। इसके बाद यह एयरक्राफ्ट कैरियर दक्षिण चीन सागर में प्रवेश करने से पहले ताइवान के दक्षिण-पूर्व में फिलीपीन सागर में गया।

हाल की अमेरिकी नौसेना की तस्वीरों में एफ-35सी लाइटनिंग II स्टील्थ फाइटर जेट्स को यूएसएस अब्राहम लिंकन से उड़ान भरते और उतरते हुए दिखाया गया है। इन तस्वीरों में एफ-35सी लाइटनिंग II को हवा में रिफ्यूलिंग विमानों के साथ ईंधन भरते हुए दिखाया गया है। इससे लड़ाकू विमानों की ऑपरेशनल क्षमता कई गुना बढ़ जाती है। यूएसएस अब्राहम लिंकन 333 मीटर लंबा है। इस एयरक्राफ्ट कैरियर पर 90 फिक्स्ड विंग और हेलीकॉप्टर तैनात रहते हैं।

इस एयरक्राफ्ट कैरियर के अलावा अमेरिका-क्लास एम्फीबियस असॉल्ट शिप यूएसएस त्रिपोली भी दिसंबर की शुरुआत में दक्षिण चीन सागर में नियमित अभियान चला रहा है। यूएसएस त्रिपोली एफ-35बी शॉर्ट टेकऑफ़ और वर्टिकल लैंडिंग (एसटीओवीएल) जेट लॉन्च करने और उतारने में सक्षम है। इसके अलावा इस शिप पर वर्तमान में 31वीं मरीन एक्सपेडिशनरी यूनिट भी मौजूद है। फ्लीट ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, 22 दिसंबर, 2025 तक त्रिपोली अपने एक्सपेडिशनरी स्ट्राइक ग्रुप के जहाजों के साथ पूर्वी चीन सागर में गश्त लगा रहा था, जिसमें गाइडेड-मिसाइल क्रूजर यूएसएस रॉबर्ट स्मॉल्स और डिस्ट्रॉयर यूएसएस राफेल पेराल्टा शामिल थे।

यूएसएस जॉर्ज वाशिंगटन एयरक्राफ्ट कैरियर भी अपने होमपोर्ट जापान के योकोसुका में तैनात है। यह इस क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना का एकमात्र स्थायी रूप से तैनात एयरक्राफ्ट कैरियर है। यह निमित्ज क्लास का छठा एयरक्राफ्ट कैरियर है। यह एयरक्राफ्ट कैरियर 332.8 मीटर लंबा है। इसमें परमाणु रिएक्टर और स्टीम टरबाइन लगे हैं, जिनकी मदद से यह 30 समुद्री मील (56 किमी प्रति घंटा) की स्पीड से चल सकता है।

बांग्लादेश ने भारत में नियुक्त उच्चायुक्त को ढाका बुलाया

देर रात देश लौटे हमीदुल्लाह, भारत से संबंधों पर चर्चा करना मकसद

ढाका, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने भारत में तैनात अपने उच्चायुक्त एम रियाज हमीदुल्लाह को तुरंत ढाका तलब किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, विदेश मंत्रालय के बुलावे पर हमीदुल्लाह सोमवार देर रात ढाका पहुंच गए।

बांग्लादेश के प्रमुख अखबार प्रथम आलो ने विदेश मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से बताया कि भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों की मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह फैसला लिया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, हमीदुल्लाह को हालिया घटनाक्रम और भारत-बांग्लादेश रिश्तों पर चर्चा के लिए बुलाया गया है। हालांकि, सरकार की ओर से आधिकारिक तौर पर यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि बातचीत के एजेंडे में कौन-कौन से मुद्दे शामिल होंगे।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति पर चिंता जता चुका भारत

भारत ने 26 दिसंबर को दिए एक बयान में बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों को लेकर चिंता जताई थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की निर्मम हत्या को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

जायसवाल ने कहा, "हम ढाका में हिंदू युवक की हत्या की निंदा करते हैं और उम्मीद करते हैं कि अपराधियों को जल्द से जल्द सजा मिलेगी।"

भारत ने 7 दिन पहले हमीदुल्लाह को तलब किया था

भारत ने 23 दिसंबर को हमीदुल्लाह को तलब किया था। इस दौरान भारत ने हमीदुल्लाह के सामने बांग्लादेश में भारतीय राजनयिकों और मिशनों की सुरक्षा पर चिंता जताई थी।

प्रशांत महासागर में एक नाव पर अमेरिकी सेना का हमला

वाशिंगटन, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका की सेना ने सोमवार को पूर्वी प्रशांत महासागर में एक नाव पर हमला किया, जिस पर ड्रग तस्करी करने का शक था। इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई। अमेरिका की साउदर्न कमांड ने इसकी जानकारी दी है।

सेना के मुताबिक यह हमला इंटरनेशनल समुद्री सीमा में किया गया और इसमें किसी भी अमेरिकी सैनिक को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। अमेरिकी साउदर्न कमांड ने सोशल मीडिया पर बताया कि यह कार्रवाई रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के आदेश पर की गई। सेना का कहना है कि जिस नाव को निशाना बनाया गया, वह प्रतिबंधित संगठनों से जुड़ी हुई थी और ड्रग तस्करी में इस्तेमाल हो रही थी। अमेरिका ने इस हमले को 'ऑपरेशन साउदर्न स्पीयर' का हिस्सा बताया है, जिसका मकसद समुद्र के रास्ते होने वाली नशीली दवाओं की तस्करी को रोकना है।

इस ऑपरेशन के तहत अब तक ड्रग तस्करी से जुड़ी नावों पर किए गए हमलों में 107 लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका ने इन लोगों को 'गैरकानूनी लड़ाके' बताया है और कहा है कि एक सीक्रेट कानूनी फैसले के तहत वह बिना अदालत की इजाजत के ऐसे हमले कर सकता है। इसी वजह से इन कार्रवाइयों पर सवाल भी उठ रहे हैं। इन हमलों को लेकर अमेरिकी संसद के कुछ सदस्य और मानवाधिकार संगठन चिंता जता रहे हैं। उनका कहना है कि बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के लोगों को मारना गंभीर मामला है और इसकी जांच होनी चाहिए। इससे पहले 22 दिसंबर को भी अमेरिका ने इसी इलाके में एक छोटी नाव पर हमला किया था, जिस पर ड्रग तस्करी का आरोप था।

बांग्लादेश में एक और हिंदू की हत्या

फैक्ट्री में साथी ने ही मार दी गोली, 2 हफ्ते में तीसरी घटना

ढाका, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के मैमनसिंह जिले में एक फैक्ट्री के अंदर सिक्योरिटी ड्यूटी पर तैनात एक हिंदू गारमेंट वर्कर को उसके साथ काम करने वाले मजदूर ने गोली मार दी। इससे हिंदू वर्कर की मौके पर ही मौत हो गई।

यह पिछले दो हफ्तों में तीसरी ऐसी घटना है, जब किसी हिंदू की हत्या हुई है। यह घटना सोमवार को शाम करीब 6.45 बजे भालुका उपजिला इलाके में लबीब ग्रुप की गारमेंट यूनिट सुल्ताना स्वेटर्स लिमिटेड में हुई। पीड़ित की पहचान 42 साल के बजेंद्र बिस्वास के रूप में हुई है। वहीं, गोली मारने वाला आरोपी 29 साल का नोमान मिया है। पुलिस ने आरोपी नोमान मिया को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस के मुताबिक, दोनों आदमी फैक्ट्री में सिक्योरिटी गार्ड के तौर पर तैनात थे। ये दोनों फैक्ट्री के अंदर ही अंसार बैरक में रह रहे थे। बातचीत के दौरान, नोमान मिया ने कथित तौर पर मजाक में या हल्के-फुल्के अंदाज में बिस्वास पर सरकारी शॉटगन तान दी। कुछ ही देर बाद हथियार से गोली चल गई, और गोली बिस्वास की बाईं जांघ में लगी। बिस्वास को तुरंत भालुका उपजिला हेल्थ कॉम्प्लेक्स ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। संबंधित पुलिस स्टेशन के इंचार्ज मोहम्मद जाहिदुल इस्लाम ने बताया कि आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और घटना में इस्तेमाल की गई शॉटगन ज़ब्त कर ली गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए मैमनसिंह मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि कानूनी कार्रवाई चल रही है। इस हत्या से भालुका इलाके में तनाव बढ़ गया है। 18 दिसंबर को, उसी इलाके में हिंदू दीपू चंद्र दास को कथित तौर पर पीटा गया, कपड़े उतारे गए और जलाकर मार डाला गया था।

ट्रम्प बोले- ईरान पर फिर हमला करेंगे

कहा- दोबारा न्यूक्लियर प्रोग्राम शुरू न करे हमास को भी जल्द हथियार छोड़ने की चेतावनी दी

वॉशिंगटन, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने को कहा है कि अगर ईरान दोबारा अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम को शुरू करने की कोशिश करता है, तो अमेरिका उस पर एक और बड़ा हमला कर सकता है।

इसके साथ ही ट्रम्प ने फिलिस्तीनी संगठन हमास को चेतावनी दी कि अगर उसने हथियार नहीं डाले, तो उसे गंभीर नतीजे भुगतने होंगे।

ट्रम्प ने इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के साथ सोमवार रात मुलाकात के दौरान पत्रकारों से यह कहा।

ट्रम्प ने कहा कि उन्हें आशंका है कि जून में किए गए बड़े अमेरिकी हमले के बाद ईरान अपने हथियार कार्यक्रम को फिर से खड़ा करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने बताया कि मीडिया रिपोर्ट्स में इस तरह के संकेत मिल रहे हैं।

ट्रम्प ने कहा, "मैं ऐसी खबरें पढ़ रहा हूं कि वे फिर से हथियार और दूसरी सैन्य क्षमताएं विकसित कर रहे हैं। अगर वाकई ऐसा हो रहा है, तो वे उन ठिकानों का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं जिन्हें हमने पूरी तरह नष्ट कर दिया था, बल्कि किसी दूसरी जगह से यह काम कर रहे हैं।"

उन्होंने आगे कहा, "हमें पूरी जानकारी है कि वे कहां जा रहे हैं और क्या कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि वे ऐसा रास्ता नहीं अपनाएंगे, क्योंकि हम बी-2 बॉम्बर पर ईंधन खर्च नहीं करना चाहते। इसमें दोनों ओर से मिलाकर करीब 37 घंटे की उड़ान होती है, और मैं इस तरह ईंधन की बर्बादी नहीं चाहता।"

बी-2 अमेरिका का सबसे आधुनिक और ताकतवर स्टेल्थ बॉम्बर है, जिसका इस्तेमाल सिर्फ बेहद गंभीर और बड़े सैन्य अभियानों में किया जाता है। जून में ईरान पर हुए अमेरिकी हमले में भी इसी का इस्तेमाल किया गया था, इसलिए ट्रम्प उसी कार्रवाई की याद दिला रहे थे।

बी-2 स्टेल्थ बॉम्बर की सटीक ईंधन खपत सार्वजनिक नहीं की जाती, लेकिन माना जाता है कि बी-2 बॉम्बर औसतन हर घंटे करीब 20 हजार से 25 हजार किलोग्राम जेट फ्यूल खर्च करता है।

37 घंटे की उड़ान हो, तो इसमें लगभग 7 लाख 40 हजार से 9 लाख 25 हजार किलोग्राम तक ईंधन खर्च हो सकता है। यानी एक ही मिशन में करीब 750 से 900 टन जेट फ्यूल जल जाता है।

इतनी मात्रा में ईंधन की खपत हजारों सामान्य यात्री विमानों की उड़ानों के बराबर मानी जाती है और इसकी लागत करोड़ों डॉलर तक पहुंच जाती है। इसी भारी खर्च की ओर इशारा करते हुए ट्रम्प ने कहा था कि वह बी-2 बॉम्बर पर ईंधन 'बर्बाद' नहीं करना चाहते।

यूक्रेन का पुतिन के घर पर 91 ड्रोन से हमला

रूस का दावा- सभी मार गिराए, पीएम मोदी बोले- हिंसा नहीं कूटनीति का रास्ता अपनाएं

मॉस्को/कीव, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस ने सोमवार को आरोप लगाया कि यूक्रेन ने नोवगोरोड में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सरकारी आवास पर हमला करने की कोशिश की।

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के मुताबिक यूक्रेन ने 28 और 29 दिसंबर की रात 91 ड्रोन से हमला किया, जिसे रूस के एयर डिफेंस सिस्टम ने नाकाम कर दिया। लावरोव ने चेतावनी दी कि हमले का जवाब दिया जाएगा। उन्होंने इस हमले को आतंकवाद करार दिया।

पीएम मोदी ने भी इन खबरों पर चिंता जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया X पर पोस्ट करके कहा कि मौजूदा हालात में जारी कूटनीतिक कोशिशें संघर्ष खत्म करने और शांति कायम करने का सबसे बेहतर रास्ता है। सभी पक्ष ऐसा कोई कदम न उठाएं जिससे शांति की कोशिशों को नुकसान पहुंचे।

दूसरी तरफ यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इस आरोप को पूरी तरह झूठा और मनगढंत बताया। उन्होंने कहा कि रूस हम पर हमला करने का बहाना खोज रहा है। उसका मकसद कीव में सरकारी इमारतों पर हमला करना है।

हालांकि यह साफ नहीं हो पाया है कि हमले के वक्त पुतिन नोवगोरोड स्थित घर पर थे या नहीं। रूस की तरफ से फिलहाल हमले का कोई वीडियो भी रिलीज नहीं किया गया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि पुतिन के घर पर हमले की कहानी सिर्फ कीव पर हमला करने और उन्हें सही ठहराने के लिए बनाई गई है।

जेलेंस्की ने X पर पोस्ट कर कहा कि रूस खुद युद्ध खत्म करने के लिए जरूरी कदम उठाने से इनकार कर रहा है, जबकि यूक्रेन हमेशा कूटनीतिक रास्ते पर कायम है। उन्होंने कहा, हम दुनिया को चुप नहीं रहने देंगे और रूस को स्थायी शांति के प्रयासों को कमजोर करने की परमिशन नहीं देंगे।

रूसी विदेश मंत्री लावरोव ने कहा कि पुतिन के सरकारी आवास पर हमले के बाद रूस ने यूक्रेन पर पलटवार के लिए समय और लक्ष्य तय कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि रूस अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करेगा।

रूस के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव के मुताबिक, पुतिन ने यूक्रेन के हमले की जानकारी ट्रम्प को सोमवार को फोन पर दी। राष्ट्रपति ट्रम्प इस खबर से शॉक्ड थे। हमले की खबर इस दौरान आई है जब रविवार को ही जेलेंस्की और ट्रम्प ने फ्लोरिडा में जंग खत्म करने को लेकर 3 घंटे लंबी बैठक की थी।

मेक्सिको में ट्रेन पटरी से उतरी, इंजन पलटा

13 की मौत, 98 घायल, 250 यात्री सवार थे मेक्सिकन नेवी की देखरेख में चलती है ट्रेन

मेक्सिको, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। मेक्सिको के दक्षिणी राज्य ओअक्साका में एक ट्रेन के पटरी से उतर गई, जिसके बाद ट्रेन का इंजन पलट गया। कई बोगियां भी पलट गईं।

इसमें 13 लोगों की मौत हो गई और 98 लोग घायल हो गए हैं। यह ट्रेन मेक्सिको की खाड़ी और प्रशांत महासागर को जोड़ने वाले एक नए रेलमार्ग पर चल रही थी। इस रेलवे लाइन का संचालन मैक्सिकन नौसेना करती है।

मेक्सिकन नौसेना के अनुसार, ट्रेन में 250 लोगों सवार थे, जिसमें 9 क्रू मेंबर शामिल थे। हादसा चिवेला और निजांडा कस्बों के बीच एक मोड़ पर हुआ।

घायलों में से 36 को अस्पताल में इलाज दिया जा रहा है। राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाउम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर बताया कि पांच घायल गंभीर हालत में हैं। उन्होंने सीनियर अधिकारियों को मौके पर भेजकर मृतकों के परिवारों की मदद करने के निर्देश दिए हैं। ओअक्साका राज्य के गवर्नर सलोमोन जारा ने X पर पोस्ट करके बताया कि कई सरकारी एजेंसियां हादसे की जगह पर पहुंच गई हैं और घायलों की मदद कर रही हैं।

मेक्सिको की अटॉर्नी जनरल अर्नेस्टिना गोदॉय रामोस ने भी सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि इस घटना की जांच शुरू कर दी गई है। यह ट्रेन प्रशांत महासागर के सालिना क्रूज बंदरगाह से अटलांटिक महासागर तक लगभग 290 किलोमीटर की दूरी तय करती है। यह इंटरोशियनिक ट्रेन सेवा 2023 में तत्कालीन राष्ट्रपति एंद्रेस मैनुअल लोपेज ओब्राडोर ने शुरू की गई थी। यह मेक्सिको के दक्षिणी हिस्से में रेल यात्रा को बढ़ावा देने और तेहुआंतेपेक इस्त्मस क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास का हिस्सा है।

सरकार का योजना इस क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए रणनीतिक कॉरिडोर बनाने की है, जहां बंदरगाहों और रेल लाइनों से दोनों महासागरों को जोड़ा जा सके। इस हादसे से रेल सेवा प्रभावित हुई है और बचाव कार्य जारी हैं।

कपूरथला के युवक की आर्मेनिया में मौत

कपूरथला, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। कपूरथला के सुल्तानपुर लोधी निवासी एक युवक की आर्मेनिया में हार्ट अटैक आने से मौत हो गई। युवक की मौत से परिवार और गांव में शोक का माहौल है। परिजनों ने सरकार से शव भारत लाए जाने की मांग की है। गांव सुल्तानपुर लोधी निवासी 21 वर्षीय कमल कुमार पुत्र बलविंदर सिंह करीब दो वर्ष पहले काम करने के लिए विदेश गया था। बताया जाता है कि कमल कुमार आर्मेनिया में एक होटल में काम करता था। कमल कुमार अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य था। उसकी मौत से उसकी विधवा मां का सहारा छिन गया है।

परिवार के अनुसार, बीती रात हार्ट अटैक से उसकी अचानक मृत्यु हो गई। इस घटना से परिवार गहरे सदमे में है, जो पहले से ही आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। परिवार ने राज्यसभा सदस्य संत बलबीर सिंह सीचेवाल से मदद की अपील की है।

यमन से 24 घंटे में सेना हटाए यूएई, नहीं तो तबाही मचा देंगे

एसटीसी बम बरसाने के बाद सऊदी अरब ने दी धमकी

रियाद, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। सऊदी अरब सरकार ने यमन के बंदरगाह पर हवाई हमला करने के बाद अब संयुक्त अरब अमीरात पर सीधा जुबानी हमला दिया है। सऊदी अरब ने यूएई को यमन से अपनी सेना हटाने के लिए मात्र 24 घंटे का समय दिया है। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी करके यूएई को चेतावनी दी कि उनका देश अपने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए किसी भी खतरे को खत्म करने से नहीं हिचकेगी। सऊदी अरब ने यमन में एसटीसी विद्रोहियों के आगे बढ़ने को सीधे तौर पर यूएई से जोड़ा है और कहा कि यह कदम 'बहुत ही खतरनाक' है। इससे पहले सऊदी अरब की वायुसेना ने यमन के मुकाला पोर्ट पर हमला किया था। सऊदी का कहना है कि इस पोर्ट पर यूएई ने एसटीसी के लिए हथियार भेजा था।

सऊदी अरब ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा उसके लिए रेड लाइन है और वह इसकी रक्षा करेगा। सऊदी अरब ने कहा कि उसने सीमित सैन्य अभियान चलाया है। इस बीच यमन में सऊदी अरब के समर्थन वाली राष्ट्रपति काउंसिल के प्रमुख रशद अल अलीमी ने कहा है कि उसने यूएई के सभी सैनिकों को अगले 24 घंटे के अंदर यमन के क्षेत्र से वापस जाने के लिए कहा है। उन्होंने टीवी पर दिए एक भाषण में सऊदी अरब और गठबंधन सेना के समर्थन की जमकर तारीफ की। यमन के नेता ने यूएई के साथ रक्षा डील को भी रद कर दिया है। संयुक्त अरब अमीरात से यमन में अलगाववादियों के लिए भेजी गई हथियारों की खेप को निशाना बनाकर सऊदी अरब द्वारा किए गए हवाई हमलों के बाद यमन में हूती-विरोधी बलों ने मंगलवार को आपातकाल की घोषणा कर दी।

इन बलों ने अपने नियंत्रण वाले इलाकों में सभी सीमा चौकियों को 72 घंटे के लिए बंद करने की घोषणा की। साथ ही, हवाई अड्डों और बंदरगाहों में प्रवेश पर भी रोक लगा दी है, केवल उन लोगों पर प्रतिबंध नहीं है जिन्हें सऊदी अरब ने अनुमति दी है। सऊदी अरब ने मंगलवार को बताया कि उसने यमन के बंदरगाह शहर मुकाला पर अलगाववादी संगठन 'सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल' (एसटीसी) के लिए यूएई से आई हथियारों की खेप को निशाना बनाकर बमबारी की। एसटीसी को यूएई का समर्थन प्राप्त है। इस मामले में यूएई ने तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

इससे पहले दक्षिणी यमन के अलगाववादियों ने शुक्रवार को सऊदी अरब पर अपनी सेनाओं पर हवाई हमले करने का आरोप लगाया था। हालांकि, सऊदी अरब ने इस आरोप की तत्काल पुष्टि नहीं की।

पीएम मोदी जनवरी में करेंगे रिफाइनरी का उद्घाटन

राजस्थान में 15 साल से पुराने वाहन स्क्रैप किए जाएंगे

अधिकतम 1 लाख रुपए की छूट मिलेगी

जयपुर, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। भजनलाल सरकार की कैबिनेट बैठक मंगलवार शाम को हुई। बैठक में राजस्थान वाहन स्क्रैपिंग नीति का अनुमोदन किया गया। बजट में सरकार ने इसकी घोषणा की थी। इस नीति में 15 साल की अवधिपार कर चुके वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाने का प्रावधान किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रिफाइनरी के पहले चरण का जनवरी में शुभारंभ करेंगे।

डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा ने बताया- नीति के तहत 15 साल की अवधिपार कर चुके वाहन, प्रदूषण फैलाने वाले वाहन, कबाड़ी के पास पड़े वाहनों सहित अन्य वाहनों को स्क्रैप किया जा सकेगा।

1 लाख की छूट मिल सकेगी

वाहन मालिक को सर्टिफिकेट जारी किया जा सकेगा। इससे उसे नए वाहनों के रजिस्ट्रेशन पर 50 प्रतिशत और अधिकतम 1 लाख रुपए की छूट मिल सकेगी। इससे पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाया जाएगा। स्क्रैपिंग यूनिट को भी विशेष छूट मिलेगी। जिससे ज्यादा से ज्यादा यूनिट राजस्थान में लग सके।

वहीं बैठक में राजस्थान एआई-एमएल पॉलिसी का भी अनुमोदन किया गया है। कैबिनेट ने इस नीति को मंजूरी दी है। प्रदेश में ई-गर्वनेंस को बढ़ावा देने के लिए इस नीति को लाने की घोषणा की गई थी। इस नीति का उद्देश्य सार्वजनिक वितरण प्रणाली और प्रशासन को अधिक पारदर्शी बनाना है।

बाड़मेर रिफाइनरी की लागत 80 हजार करोड़ रुपए हुई

बाड़मेर रिफाइनरी की लागत बढ़कर 80 हजार करोड़ रुपए हुई। वहीं, रिफाइनरी मे कॉमर्शियल प्रोडक्शन जुलाई 2026 से शुरू होगा। कैबिनेट ने बढ़ी हुई लागत का अनुमोदन किया। विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि इससे पहले रिफाइनरी पहले चरण का शुभारंभ जनवरी में पीएम मोदी करेंगे।

विधायक फंड में करप्शन का मामला

बीजेपी ने डांगा को दिया नोटिस

20 दिन में मांगा जवाब

जयपुर, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में साल के अंत में सबसे बड़े सियासी घटनाक्रम में भाजपा विधायक रेवंतराम डांगा की मश्किलें बढ़ सकती हैं। विधायक निधि से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामले में भारतीय जनता पार्टी ने बड़ा कदम उठाया है। पार्टी नेतृत्व ने संबंधित विधायक डांगा को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए उनसे पूरे मामले पर स्पष्ट जवाब मांगा है। आरोप है कि विधायक निधि के कार्यों में अनियमितताएं बरती गईं और नियमों को नजरअंदाज कर भुगतान किए गए।

पार्टी की छवि पर असर का हवाला

भाजपा प्रदेश संगठन का कहना है कि इस मामले से पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा है। इसी को ध्यान में रखते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई है। नोटिस में विधायक से पूछा गया है कि उनके खिलाफ सामने आए तथ्यों और शिकायतों पर उनका पक्ष क्या है और क्यों न उनके खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाए।

विधायक रेवंतराम डांगा को पहले भी मिल चुका है नोटिस

पार्टी सूत्रों के अनुसार, यह पहला मौका नहीं है जब विधायक डांगा को इस तरह का नोटिस दिया गया हो। इससे पहले भी उन्हें जवाब देने का अवसर दिया गया था, लेकिन संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं मिलने के कारण अब दोबारा नोटिस जारी किया गया है। पार्टी का मानना है कि जवाब मिलने के बाद ही अगला निर्णय लिया जाएगा।

अनुशासन समिति करेगी समीक्षा

भाजपा की अनुशासन समिति इस पूरे प्रकरण की समीक्षा कर रही है। समिति के सदस्य उपलब्ध दस्तावेजों, शिकायतों और विधायक के जवाब का अध्ययन करेंगे। इसके बाद यह तय किया जाएगा कि मामले में चेतावनी, निलंबन या अन्य कोई सख्त कदम उठाया जाए या नहीं।

20 दिन में जवाब देना होगा

नोटिस में विधायक को एक निश्चित समय सीमा (20 दिन) के भीतर लिखित जवाब देने के निर्देश दिए गए हैं। पार्टी नेतृत्व ने साफ किया है कि समय पर जवाब नहीं देने या जवाब असंतोषजनक पाए जाने की स्थिति में कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। इस कार्रवाई के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। विपक्ष ने जहां भाजपा पर निशाना साधा है, वहीं सत्तारूढ़ दल का कहना है कि भ्रष्टाचार के मामलों में वह किसी को भी नहीं बख्शेगी और आंतरिक अनुशासन बनाए रखने के लिए ऐसे कदम जरूरी है।

एनएसयूआई के पूर्व अध्यक्ष समेत 15 नेता भाजपा में शामिल, 'वहां निराशा और कुंठा का माहौल'

जयपुर, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की सियासत में एक अहम राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला, जब नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष बीके कुशवाह ने अपने 15 सहयोगियों के साथ भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। बता दें कि यह कार्यक्रम भाजपा प्रदेश कार्यालय में नवनियुक्त प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी की उपस्थिति में आयोजित हुआ। जहां सभी नए सदस्यों को पार्टी का दुपट्टा पहनाकर औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल किया गया।

इस मौके पर भाजपा प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी ने कहा, पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और राजस्थान में हो रहे विकास कार्यों, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की कार्यशैली और प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के संगठनात्मक नेतृत्व से प्रभावित होकर बीके कुशवाह ने भाजपा की सदस्यता ली है। उन्होंने कहा, भाजपा की स्पष्ट नीति, राष्ट्रवादी विचारधारा और विकास केंद्रित सोच आज युवाओं को आकर्षित कर रही है, जिसका उदाहरण यह राजनीतिक जुड़ाव है। सैनी ने विश्वास जताया कि बीके कुशवाह और उनकी टीम संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि छात्र राजनीति से निकले ये कार्यकर्ता युवाओं के बीच भाजपा की नीतियों और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से पहुंचाने का कार्य करेंगे। उन्होंने कांग्रेस और उसके छात्र संगठन एनएसयूआई पर निशाना साधते हुए कहा कि वहां निराशा और कुंठा का माहौल है। जबकि भाजपा में कार्यकर्ताओं को काम करने और आगे बढ़ने के पूरे अवसर मिलते हैं।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव पर अशोक गहलोत का बड़ा आरोप

कहा- वे लोगों को गुमराह कर रहे

जयपुर, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव पर बड़ा आरोप लगाया है। पूर्व सीएम ने कहा कि वे लोगों को गुमराह कर रहे हैं। बता दें कि अरावली पहाड़ियों को बचाने के विवाद में अब एक नया मोड़ आ गया है। सुप्रीम कोर्ट ने 29 दिसंबर को अपने 20 नवंबर के फैसले पर रोक लगा दी। उस फैसले में केंद्र सरकार की कमेटी की सिफारिश मानकर अरावली पहाड़ियों की परिभाषा तय की गई थी। इसमें 100 मीटर या उससे ज्यादा ऊंची जगहों को ही अरावली माना गया था। इससे पहाड़ियों के बड़े हिस्से (लगभग 90 प्रतिशत) को खनन और विकास की सुरक्षा से बाहर कर दिया गया था, जिससे लोगों में गुस्सा भड़क उठा था। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि देश भर में चला जन आंदोलन और सेव अरावली मुहिम की वजह से कोर्ट ने खुद इस पर संज्ञान लिया। गहलोत ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव पर आरोप लगाया कि वे लोगों को गुमराह कर रहे हैं। गहलोत ने कहा, उन्होंने अपने ही जिले अलवर में इस जून में सरिस्का टाइगर रिजर्व का संरक्षित क्षेत्र का दर्जा बदलकर वहां खनन शुरू करने की कोशिश की थी। वहीं, दूसरी तरफ मंत्री भूपेंद्र यादव ने भी कोर्ट के इस फैसले का स्वागत किया और कहा कि अरावली की सुरक्षा के लिए सरकार पूरी मदद करेगी। अभी नई खदानों पर पूरी तरह रोक है। कोर्ट ने जनता के विरोध और कुछ अहम मुद्दों पर स्पष्टता न होने का हवाला देते हुए यह रोक लगाई। अब एक नई हाई पावर कमेटी बनाई जाएगी, जिसमें विशेषज्ञ होंगे। यह कमेटी पूरे मुद्दे की जांच करेगी और अरावली की सही परिभाषा तय करने में मदद करेगी। अगली सुनवाई 21 जनवरी 2026 को होगी।

'हेलमेट रखा नहीं, पहना जाता है'

वसुंधरा राजे ने स्कूटी सवार स्टूडेंट्स को सिखाए ट्रैफिक नियम

झालावाड़, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का एक मानवीय और जागरुकता से जुड़ा पहलू देखने को मिला, जब उन्होंने सड़क पर स्कूटी से जा रहे बच्चों को रोककर उसे यातायात नियमों का महत्व समझाया।

बता दें कि यह घटना 26 दिसंबर 2025 की बताई जा रही है। जो झालावाड़ जिले के झालरापाटन क्षेत्र स्थित गोदाम की तलाई इलाके में हुई। वसुंधरा राजे डाक बंगले से भाजपा के वरिष्ठ नेता श्रीकृष्ण पाटीदार के निवास की ओर जा रही थीं।

इसी दौरान रास्ते में उन्होंने देखा कि दो छात्र स्कूटी पर सवार होकर कोचिंग के लिए जा रहे हैं, लेकिन

दोनों ने हेलमेट नहीं पहन रखा था। इस पर राजे ने तुरंत अपनी कार रुकवाई और स्कूटी सवार बच्चों को पास बुलाया।

बच्चों से बातचीत के दौरान वसुंधरा राजे ने उनसे पूछा कि हेलमेट कहां है। इस पर बच्चों ने मुस्कराते हुए जवाब दिया कि हेलमेट उनके पास रखा हुआ है। इस पर राजे ने सहज लेकिन सख्त लहजे में कहा कि हेलमेट रखने के लिए नहीं, पहनने के लिए होता है। उन्होंने बच्चों को समझाया कि यातायात नियमों के अनुसार दोपहिया वाहन चलाने वाले और पीछे बैठने वाले दोनों के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य है। क्योंकि यह उनकी सुरक्षा से जुड़ा हुआ है।

राजे ने कहा कि छोटी सी लापरवाही कभी-कभी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। उन्होंने बच्चों को अपने परिवार और भविष्य की जिम्मेदारियों का भी हवाला देते हुए ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील की। बच्चों ने भी उनकी बातों को गंभीरता से सुना और आगे से नियमों का पालन करने का आश्वासन दिया।

पायलट की रैली में भीड़ जुटाने का आरोप

पैसे न मिलने पर थाने पहुंचा मामला

जयपुर, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर में आयोजित कांग्रेस की रैली को लेकर अब भीड़ जुटाने और मजदूरी भुगतान न होने का मामला सामने आया है। अरावली बचाओ अभियान के तहत 26 दिसंबर को एनएसयूआई की ओर से निकाली गई पैदल यात्रा के बाद यह विवाद सामने आया, जिसमें सचिन पायलट सहित कई जनप्रतिनिधि शामिल हुए थे।

मजदूरों के आरोप और शिकायत

चूरू जिले के सुजानगढ़ से आए 19 मजदूरों का आरोप है कि उन्हें रैली में शामिल होने के लिए जयपुर लाया गया था। प्रति व्यक्ति 500 रुपये मजदूरी और भोजन देने का आश्वासन दिया गया, लेकिन न तो खाने की व्यवस्था

हुई और न ही मजदूरी का भुगतान किया गया। मजदूरों के अनुसार, पूरे दिन रैली में रहने के बाद रात को उन्हें वापस छोड़ दिया गया।

थाने में दर्ज कराई शिकायत

मजदूरों का कहना है कि भुगतान की मांग करने पर एनएसयूआई जिलाध्यक्ष संजय कंताला से संपर्क नहीं हो पाया। कई प्रयासों के बावजूद समाधान नहीं मिलने पर उन्होंने सुजानगढ़ थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई और तीन दिन की मजदूरी भुगतान की मांग की है।

संगठन की प्रतिक्रिया और जांच की बात

एनएसयूआई प्रभारी राहुल भाकर ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है और जांच कराई जा रही है। आरोप सही पाए जाने पर संगठनात्मक कार्रवाई की जाएगी। वहीं, संजय कंताला से संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन उनका फोन बंद मिला।

राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप

दूसरी ओर, युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अभिमन्यु पूनिया ने इस पूरे मामले को भारतीय जनता पार्टी की साजिश बताया है। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई का धरना पूरी तरह सफल रहा, जिसे भाजपा पचा नहीं पा रही है। हालांकि जब उनसे आरोपों के प्रमाण मांगे गए तो उन्होंने स्वीकार किया कि उनके पास कोई ठोस सबूत नहीं है, लेकिन फिर भी उन्होंने इसे भाजपा की साजिश करार दिया।

बाड़मेर के माजीसा मंदिर में बड़ी चोरी : 23 तोला सोने-चांदी के आभूषण ले उड़े चोर, लोगों का भड़का गुस्सा

बाड़मेर, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। बाड़मेर शहर के गडरारोड सर्किल स्थित माजीसा मंदिर में रविवार देर रात अज्ञात बदमाशों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। बदमाश मंदिर के मुख्य द्वार के ताले तोड़कर भीतर घुसे और करीब 23 तोला सोना चोरी कर ले गए।

चोरी की पूरी घटना मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। जब श्रद्धालु दर्शन के लिए मंदिर पहुंचे, तो टूटे ताले देखकर उनके होश उड़ गए। जिसके बाद तत्काल मंदिर ट्रस्ट और कोतवाली थाना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना स्थल का निरीक्षण किया।

23 तोला सोना चोरी

कोतवाली थाना पुलिस के अनुसार, मंदिर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष मुरलीधर की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया है। रिपोर्ट में बताया गया कि माताजी की करीब 20 से 23 तोला सोने की आड़ सहित और अन्य छोटे आभूषण भी चोरी हुए हैं। इसके अलावा मंदिर की तिजोरी में भी तोड़फोड़ के निशान मिले हैं।

रात तीन बजे दिया चोरी को अंजाम

सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, तीन नकाबपोश चोर सरियों के साथ मंदिर परिसर में दाखिल हुए। पहले मैन गेट और साइड गेट के ताले तोड़े गए।

इसके बाद चोरों ने मंदिर के भीतर करीब डेढ़ घंटे तक पूरी तरह रेकी की और करीब रात तीन बजे सेंटर लॉक तोड़कर माताजी की सोने की आड़ चुरा ली। चोर चांदी के बर्तन और अन्य कीमती सामान मौके पर छोड़ गए, जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि वारदात में किसी जानकार का हाथ हो सकता है।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर तलाश तेज

मंदिर में चोरी की घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी नरेंद्र सिंह मीना ने विशेष पुलिस टीमों का गठन किया है। मंदिर सहित आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

मंदिर चोरी से लोगों में भारी रोष

माजीसा मंदिर में चोरी की घटना के बाद इलाके में आक्रोश फैल गया। सूचना पर एसपी नरेंद्र सिंह मीना, एएसपी नीतेश आर्य और पूर्व विधायक मेवाराम जैन मौके पर पहुंचे और लोगों से समझाइश की। पुलिस अधिकारियों के आश्वासन के बाद स्थिति शांत हुई।

पहले भी हो चुकी हैं चोरियां

मंदिर ट्रस्टी अशोक भूणिया ने बताया कि जूना किराडू मार्ग स्थित इस माजीसा मंदिर में पूर्व में भी चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। क्षेत्र में यह पांचवीं-छठी बड़ी चोरी बताई जा रही है, जिससे स्थानीय लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

जल्द करेंगे खुलासा

चोर केवल सोने की आड़ लेकर फरार हुए हैं, जबकि चांदी के बर्तन नहीं ले जाए गए। इससे स्पष्ट है कि आरोपियों को मंदिर की जानकारी थी। पुलिस की टीमें सक्रिय हैं और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

वकीलों का तहसीलदार के चेंबर में हंगामा

कोर्ट में देखने की धमकी भी दी

कोटा, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा जिले में लाडपुरा तहसीलदार के चेंबर में वकीलों ने जमकर हंगामा किया। इस दौरान एक वकील ने तहसीलदार को कोर्ट में देख लेने की धमकी तक दे डाली। वकीलों ने तहसीलदार पर आरोप लगाया कि उन्होंने रुपए लेकर जमानत पर छोड़ दिया। यह हंगामा काफी देर तक तहसील कार्यालय में जारी रहा।

वकीलों के एक पैनल ने जिला कलेक्टर को भी शिकायत दी और तहसीलदार को निलंबित करने की मांग की है। दरअसल, यह पूरा विवाद उस मामले से जुड़ा है जिसमें एक वकील से मारपीट के आरोपियों को तहसील कार्यालय में पेश करने का मामला था। वकील 28 दिसंबर को तहसील कार्यालय पहुंचे और वहां हंगामा किया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ। अधिवक्ता अतीश सक्सेना ने आरोप लगाया कि तहसीलदार राजवीर यादव ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया और कहा, 'कानून मत सिखाओ, मेरे यहां वकालतनामा और वकील की जरूरत नहीं है। मैं अपने हिसाब से आर्डर करूंगा।' वहीं तहसीलदार राजवीर यादव का कहना है कि वकीलों के आरोप बेबुनियाद हैं। उन्होंने बताया कि रेलवे कॉलोनी थाना सीआई से मुलजिमों को लाने के लिए कहा गया, लेकिन जाब्ता और गाड़ी उपलब्ध नहीं थी। इसके बाद मुलजिम को उनके घर पर पेश किया गया और कागजात भी पेश किए गए।

मामला रेलवे कॉलोनी थाना क्षेत्र का है। यहां अधिवक्ता अंसार मोहम्मद और उनके बेटे के साथ आधा दर्जन से अधिक लोगों ने मारपीट की थी। पुलिस ने शिकायत पर 6 लोगों को डिटेन किया और चार लोगों को थाने से वापस भेज दिया। इसके बाद चांद मोहम्मद और फैजान को लाडपुरा तहसीलदार के सामने पेश किया गया। इस दौरान अधिवक्ता अंसार की ओर से सीनियर वकीलों ने भी बहस की। वकीलों का आरोप है कि तहसील में न तो मुलजिम पेश हुए, न कागज पेश हुए और न ही कोई वकालतनामा पेश किया गया। फिर भी तहसीलदार ने मुलजिम से 20 हजार रुपए जमानत के रूप में ले लिए।

मध्यप्रदेश में मर्डर का आरोपी साधु बनकर राजस्थान में काट रहा था फरारी

30 साल बाद हुआ गिरफ्तार

बारां, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। बारां की सदर थाना पुलिस ने मप्र के अशोक नगर जिले के साडोरा थाना पर 1993 में दर्ज हत्या के मामले में वांछित एक आरोपी को हीकड़ गांव से गिरफ्तार कर मप्र पुलिस को सौंपा। आरोपी हीकड़ गांव में नदी किनारे स्थित आश्रम में साधु के वेष में सेवा पूजा करते हुए फरारी काट रहा था। न्यायालय से उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई हुई है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु ने बताया कि इस मामले में मध्यप्रदेश पुलिस ने बारां सदर थाना पर सूचना दी थी की उच्च न्यायालय ग्वालियर बैंच ने 2 जनवरी 2018 को पारित निर्णय की पालना में 1993 में थाना साडोरा जिला अशोक नगर मप्र में दर्ज प्रकरण में अभियुक्त माधोसिंह शिकारी, निहालसिंह शिकारी, मोहन सिंह शिकारी, जुगराज सिंह शिकारी व रामभरोस सिंह शिकारी को सजा भुगतने के लिए जेल भेजने का आदेश दिया है। इस पर टीम गठित की गई। टीम ने हीकड़ गांव से एक अभियुक्त रामभरोस सिंह शिकारी निवासी देरशी थाना साडोरा जिला अशोक नगर मप्र को गिरफ्तार कर मप्र पुलिस के साथ रवाना किया। सूत्रों ने बताया कि प्रकरण में एक ही परिवार के पांच लोग आरोपी हैं। इनमें से एक पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। एक आरोपी बारां जिले में रह रहा था। इसे गिरफ्तार कर मप्र पुलिस को सौंपा गया।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी यूपी से गिरफ्तार

बुर्का पहने लिपस्टिक लगाए महिला के वेश में छिपा था

धौलपुर, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। धौलपुर जिले की कोतवाली थाना इलाके में एक पखवाड़ा पूर्व नौकरी का झांसा देकर नाबालिग लड़की से दुष्कर्म करने के आरोपी रामभरोसी उर्फ राजेंद्र सिसोदिया को पुलिस ने उत्तर प्रदेश के वृंदावन शहर से गिरफ्तार किया है। आरोपी मुस्लिम महिला का वेश धारण कर छिपा हुआ था। आरोपी बुर्का पहनकर और लिपस्टिक लगाकर छिपा बैठा था।

पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने बताया कि बर्खास्त आरएसी के जवान रामभरोसी उर्फ राजेंद्र सिसोदिया ने 15 दिसंबर 2025 को बसेड़ी थाना इलाके की 16 साल की नाबालिग लड़की और उसके भाई को जेल पुलिस में नौकरी का झांसा देकर अपने घर पर बुलाया था। आरोपी ने

नाबालिग के भाई को बाजार भेज दिया था। इसी दौरान आरोपी ने नाबालिग से दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। लड़की के चीखने चिल्लाने पर कॉलोनी के लोग मौके पर पहुंच गए। तत्कालीन समय पर कॉलोनी के लोगों ने काफी प्रदर्शन किया था। लेकिन आरोपी मौके से फरार हो गया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने इस मामले में अनुसंधान शुरू किया। नाबालिग का पर्चा बयान लेकर पुलिस आरोपी के संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी। लेकिन हर बार आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार हो रहा था। इस दौरान आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर 10 हजार का इनाम घोषित कर दिया। पुलिस से बचने के लिए आरोपी ने स्वरूप बदलना शुरू कर दिया। आरोपी की लोकेशन आगरा लखनऊ, मध्य प्रदेश के ग्वालियर शहर समेत अन्य स्थानों पर ट्रेस हुई थी। लेकिन शातिर किस्म का आरोपी हर बार पुलिस को चकमा दे रहा था। एसपी ने बताया कोतवाली पुलिस थाने के सहायक उप निरीक्षक शिव गणेश को मुखबिर से सटीक लोकेशन प्राप्त हुई कि आरोपी उत्तर प्रदेश के वृंदावन शहर में वेश बदलकर रह रहा है।

सीसीटीवी निगरानी प्रणाली में महत्वपूर्ण : संजय श्रीवास्तव

महाप्रबंधक ने सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

हैदराबाद, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने आज रेल निलयम, सिकंदराबाद में पूरे ज़ोन में रेल संचालन सुरक्षा पर विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में सत्य प्रकाश, अतिरिक्त महाप्रबंधक दमरे, और सभी विभाग प्रमुख उपस्थित रहे।

सभी छह डिवीज़न यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटूर, गुंतकल और नांदेड़ के डिवीज़नल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। बैठक में यह रेखांकित किया गया कि प्रत्येक सुरक्षा प्रणाली या उपकरण में मानव निरीक्षण का महत्व सर्वोपरि है। महाप्रबंधक ने कहा कि हर सुरक्षा प्रणाली की कुछ सीमाएं होती हैं और मानव सतर्कता ही ट्रेन संचालन को सुरक्षित बनाए रखती है। उन्होंने समय पर उच्च अधिकारियों को ट्रेन संचालन या ट्रैक पर किसी भी असामान्य घटना या व्यवधान की सूचना देने पर जोर दिया। बैठक में सर्दियों की तैयारियों, सिग्नल प्रणाली और उसके कार्य करने की स्थिति पर भी चर्चा की गई। महाप्रबंधक ने यह भी कहा कि यात्रियों की शिकायतें रोकने के लिए कोचों की सफाई, लाइटिंग और एयर कंडीशनिंग सुनिश्चित की जाए। श्रीवास्तव ने कहा कि सीसीटीवी निगरानी प्रणाली दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों की रोकथाम में महत्वपूर्ण है। उन्होंने डिवीज़नल रेलवे मैनेजरों को निर्देश दिए कि सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी कवरेज बढ़ाया जाए, ताकि सुरक्षा और निगरानी व्यापक रूप से सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि सभी स्टेबल किए गए कोच लॉक किए गए हों और रेलवे परिसर, स्टेशन क्षेत्रों, यार्ड और साइडिंग में सुरक्षा उपायों का पालन हो। महाप्रबंधक ने अधिकारियों और कर्मचारियों को लेवल क्रॉसिंग गेट्स पर नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने पूरे ज़ोन में ट्रेनों की समयपालन प्रदर्शन की समीक्षा की और डिवीज़नल रेलवे मैनेजरों को उन ट्रेनों की पहचान कर समयपालन सुधारने के उपाय लेने के लिए कहा।

एआई से तेंदुए की फर्जी तस्वीर फैलाने वाला किशोर पकड़ा गया

हैदराबाद, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शमीरपेट पुलिस ने सोशल मीडिया पर तेंदुए के देखे जाने की झूठी सूचना फैलाने के मामले में एक किशोर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपी ने दावा किया था कि शमीरपेट झील के पास तेंदुआ घूम रहा है, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस के अनुसार बिहार निवासी 18 वर्षीय रविंदर कुमार ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से तेंदुए की एक फर्जी तस्वीर तैयार की और उसे सोशल मीडिया पर साझा किया। यह तस्वीर स्थानीय व्हाट्सएप ग्रुपों में तेजी से वायरल हो गई, जिससे आसपास के लोग डर गए। सूचना मिलने के बाद शमीरपेट पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और झील व आसपास के क्षेत्रों की जांच की। तलाशी के दौरान किसी भी जंगली जानवर के पदचिह्न या मौजूदगी के कोई सबूत नहीं मिले। इसके बाद पुलिस ने जांच कर तस्वीर के स्रोत का पता लगाया और रविंदर को फर्जी तस्वीर बनाने व प्रसारित करने वाला पाया। उसके खिलाफ झूठी जानकारी फैलाने और लोगों में भय पैदा करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

किसान गोरेनकला चिन्ना येलैय्या की खेत में फांसी लगाकर मौत

करीमनगर, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मानकोंदूर मंडल के गट्टुद्देनापल्ली गांव में 55 वर्षीय किसान गोरेनकला चिन्ना येलैय्या ने अपने खेत में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। स्थानीय निवासियों के अनुसार, येलैय्या सोमवार शाम को खेत गए थे और देर रात तक घर नहीं लौटे। परिवार ने जब उनकी तलाश की तो उन्हें खेत में पेड़ से लटका पाया। येलैय्या के परिवार में उनकी पत्नी और दो बेटे हैं। आत्महत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

सीसीटीवी की मदद से घर में घुस आए चोर पकड़े गए

संगारेड्डी, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सदाशिवपेट मंडल के अरूर में मंगलवार तड़के एक सतर्क मकान मालिक की सतर्कता और सीसीटीवी कैमरों की मदद से पुलिस ने दो चोरों को पकड़ लिया। घर के मालिक भरत कुमार और उनका परिवार सोमवार को भद्राचलम वैकुंठ द्वार दर्शन के लिए रवाना हुए थे। मंगलवार को लौटते समय पटनचेरु के पास चाय पीने के लिए रुके, तब उन्होंने मोबाइल पर अपने घर के सीसीटीवी कैमरे चेक किए और देखा कि कुछ लोग उनके घर में कुछ ढूंढ रहे थे।

भरत कुमार ने पड़ोसियों को सतर्क किया और घर को बाहर से बंद करने का निर्देश दिया। इसके बाद उन्होंने 100 नंबर पर कॉल की, जिस पर सदाशिवपेट पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। घटनाक्रम में चोरों ने कथित तौर पर रेजर ब्लेड से अपने हाथ काट लिए, ताकि स्थानीय लोगों के हमलों से बच सकें। पुलिस ने आरोपियों को अस्पताल भेजा और बाद में अदालत में पेश किया। आरोपियों की पहचान कामारेड्डी जिले के बोके मोहन (25) और चेकुरी विष्णु (19) के रूप में हुई। उनके दो अन्य साथी एक ऑटो में बैठकर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, मोहन और विष्णु शातिर चोर हैं और कई चोरी की घटनाओं में शामिल रहे हैं। भरत कुमार ने अपने घर में अज्ञात चोरों द्वारा हुई लूट के 10 महीने बाद सीसीटीवी कैमरे लगवाए थे। इस निगरानी प्रणाली की मदद से चोरों को उनकी अगली कोशिश के दौरान पकड़ने में सफलता मिली। पुलिस जांच जारी है।

नव नियुक्त फ्यूचर सिटी पुलिस कमिश्नर जी. सुधीर बाबू ने कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जी. सुधीर बाबू ने मंगलवार शाम को नव नियुक्त फ्यूचर सिटी पुलिस कमिश्नर के रूप में कार्यभार संभाला। इस अवसर पर विद्वानों ने उन्हें वैदिक मंत्रों से आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर बोलते हुए पुलिस आयुक्त ने कहा कि सरकारी आदेशों के अनुसार, मैंने आज फ्यूचर सिटी पुलिस आयुक्त के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है, और राज्य के विकास से विश्व को अवगत कराने के लिए हाल ही में एक वैश्विक शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया था।

उन्होंने कहा कि राज्य के विकास के अंतर्गत चार नए पुलिस आयुक्त कार्यालय स्थापित किए गए हैं, और इसी के तहत मैंने आज फ्यूचर सिटी पुलिस आयुक्त के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। उन्होंने कहा कि हम राज्य के विकास में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह करेंगे। उन्होंने कहा कि हम सभी विभागों के साथ समन्वय में कार्य करेंगे, फ्यूचर सिटी आयुक्त कार्यालय के अंतर्गत 22 पुलिस स्टेशन कार्यरत होंगे, और हम इन पुलिस स्टेशनों के अधिकारियों के साथ मिलकर प्रभावी ढंग से कार्य करेंगे।

डॉ.एम. रमेश बने साइबराबाद के नए कमिश्नर

हैदराबाद, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ.एम. रमेश, आईपीएस (2005 बैच), ने आज साइबराबाद पुलिस के कमिश्नर का पद संभाला। उन्होंने अविनाश मोहंती का स्थान लिया, जिससे नेतृत्व में बदलाव हुआ। इससे पहले डॉ. रमेश आईजीपी, प्राविजनिंग एंड लॉजिस्टिक्स के पद पर कार्यरत थे और साथ ही पुलिस ट्रांसपोर्ट संगठन के आईजीपी का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रहे थे।

पद संभालने के बाद उन्होंने कहा कि साइबराबाद पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी कानून का शासन बनाए रखना और सभी नागरिकों के साथ निष्पक्ष एवं पारदर्शी व्यवहार सुनिश्चित करना होगी। उन्होंने पेशेवराना कार्यशैली, पारदर्शिता और जनता-केंद्रित पुलिसिंग को अपनी प्राथमिकता बताते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना सभी पुलिस गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य रहेगा, ताकि जनता के लिए सुरक्षित और संरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया जा सके। डॉ. रमेश ने यातायात प्रबंधन को भी प्रमुखता देने की बात कही और शराब के प्रभाव में ड्राइविंग पर नियमित जांच करने के निर्देश दिए। नववर्ष के आगामी जश्न को लेकर उन्होंने सुरक्षा और दुर्घटना मुक्त उत्सव सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। साथ ही, उन्होंने पुलिसकर्मियों को नागरिकों की प्रतिक्रिया को पुलिसिंग गतिविधियों में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया।

तेलंगाना के विश्वविद्यालय संकट में : बीजेपी

राज्य सरकार को वीसी की मांगों को पूरा करें

हैदराबाद, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीजेपी तेलंगाना के उपाध्यक्ष कासम वेंकटेश्वरलु ने मंगलवार को राज्य सरकार से आग्रह किया कि राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों द्वारा उठाए गए सभी मांगों को तुरंत पूरा किया जाए, अन्यथा तेलंगाना में उच्च शिक्षा मृत्युपथ पर है। बीजेपी नेता ने मीडिया को बताया कि विधानसभा की शीतकालीन सत्र सिर्फ भाषणबाज़ी में बदल गई है और जनता के मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। कुलपतियों की सम्मेलन में सभी ने उच्च शिक्षा की बिगड़ती स्थिति पर गहरी चिंता जताई। डॉ. वेंकटेश्वरलु ने कहा कि पिछले केसीआर शासन ने शिक्षा प्रणाली को नुकसान पहुंचाया, जबकि वर्तमान रेवंत रेड्डी सरकार इसे पूरी तरह से बर्बाद कर रही है। उन्होंने कहा कि कुलपतियों को बुनियादी ढांचे के लिए भी धन जुटाना पड़ रहा है, जो विश्वविद्यालयों की गंभीर स्थिति को दर्शाता है। आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि राज्य विश्वविद्यालयों में 2,816 स्वीकृत शिक्षण पदों में से 2,059 खाली हैं, केवल 755 ही काम कर रहे हैं। 150 सरकारी डिग्री कॉलेजों में 4,098 पदों में से केवल 1,255 कर्मचारी काम कर रहे हैं। छह विश्वविद्यालयों में कुल प्रोफेसर नहीं हैं, जिससे शोध कार्य करना असंभव है। उन्होंने कहा कि बिना शोध के यूजीसी अनुदान, प्रकाशन और रैंकिंग संभव नहीं है। कांग्रेस सरकार ने फैकल्टी की भर्ती पर ध्यान नहीं दिया और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के क्रियान्वयन की अनदेखी की। उन्होंने कहा कि शिक्षा के बजट का केवल 7.6 प्रतिशत ही आवंटित किया गया, जबकि 15 प्रतिशत का वादा था। बीजेपी नेता ने मांग की कि एनईपी को तुरंत लागू किया जाए और कुलपतियों की सभी मांगों को पूरा किया जाए।

जीएचएमसी कॉरपोरेटर्स की अध्ययन यात्रा का विरोध

एफजीजी ने जनता के पैसे की बर्बादी बताया

हैदराबाद, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। फोरम फॉर गुड गवर्नेंस (एफजीजी) ने तेलंगाना सरकार से अपील की है कि 145 जीएचएमसी कॉरपोरेटर्स की प्रस्तावित अध्ययन यात्रा को मंजूरी न दी जाए। एफजीजी का कहना है कि यह कोई सार्वजनिक उद्देश्य पूरा नहीं करती और यह करदाताओं के पैसे की बर्बादी है। एफजीजी के अध्यक्ष एम. पद्मनाभा रेड्डी ने नगर प्रशासन और शहरी विकास विभाग के प्रमुख सचिव को दी गई एक प्रतिनिधित्व में बताया कि जीएचएमसी की स्टैंडिंग कमिटी ने 29 दिसंबर 2025 को अध्ययन यात्रा को मंजूरी दे दी, जबकि कॉरपोरेटर्स का कार्यकाल फरवरी 2026 में समाप्त हो रहा है।

रेड्डी ने कहा कि जब कॉरपोरेटर्स यात्रा से लौटेंगे, तब उनके पास प्राप्त ज्ञान को लागू करने के लिए शायद ही समय बचेगा, जिससे यह पूरी प्रक्रिया निरर्थक हो जाएगी। उनका कहना है कि प्रस्तावित यात्रा न तो तेलंगाना के लोगों को लाभान्वित करेगी और न ही हैदराबाद के नागरिकों को। सरकारी सेवा नियमों की तुलना करते हुए एफजीजी ने कहा कि एक वर्ष से कम सेवा शेष रहने वाले अधिकारियों को आमतौर पर अध्ययन यात्राओं पर जाने की अनुमति नहीं होती, क्योंकि उनके पास ज्ञान को व्यवहार में लागू करने का पर्याप्त समय नहीं होता। एफजीजी ने कहा कि यही सिद्धांत निर्वाचित प्रतिनिधियों पर भी लागू होना चाहिए।

कुमराम भीम आसिफाबाद में अपराधों में 60 प्रतिशत की वृद्धि

कुमराम भीम आसिफाबाद, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस अधीक्षक नितिका पंत ने बताया कि पिछले वर्षों की तुलना में वर्ष 2025 में जिले में अपराधों में करीब 60 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने सोमवार को मीडिया को वार्षिक अपराध रिपोर्ट की जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि वर्ष 2025 में जिले में कुल 1,934 अपराध दर्ज किए गए, जबकि वर्ष 2024 में यह संख्या 1,207 थी। यह 60.23 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा कई कदम उठाए जाने के बावजूद रात में घरों में सेंधमारी, चोरी, गैर इरादतन हत्या, अपहरण, गंभीर चोट और धोखाधड़ी के मामलों में बढ़ोतरी हुई है।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष संपत्ति से जुड़े 210 मामले दर्ज किए गए। इनमें एक डकैती, 19 नकद चोरी, 34 सोने-चांदी की चोरी, 83 रेत चोरी, 10 तांबे के तार चोरी, 5 मवेशी चोरी, 9 वाहन चोरी और 49 अन्य चोरी के मामले शामिल हैं। संपत्ति की कुल हानि 1.06 करोड़ रुपये आंकी गई है, जबकि 23 लाख रुपये की संपत्ति बरामद की गई। शराब पीकर वाहन चलाने के मामलों में भी भारी वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2025 में 3,757 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2024 में यह संख्या 1,290 थी। यह 191 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। यातायात नियमों के उल्लंघन पर 1,04,526 ई-चालान जारी किए गए, जिनसे 1.97 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला गया। वर्ष 2024 में 63,628 चालान और 1.13 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया था। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि वर्ष 2025 में 46 आरोपियों को दोषी ठहराया गया, जबकि 2024 में 48 और 2023 में 29 आरोपियों को सजा हुई थी। जिले में प्रतिबंधित गांजा की तस्करी और 1,118 गांजा पौधों की खेती के मामलों में 122 लोगों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत 73 मामले दर्ज किए गए। पिछले वर्ष ऐसे 39 मामले दर्ज हुए थे। ग्राम स्तर पर पुलिसिंग को मजबूत करने के लिए ग्राम पुलिस अधिकारी प्रणाली को सशक्त किया गया है। जिले में 278 ग्राम पुलिस अधिकारी 868 गांवों को कवर कर रहे हैं। इस दौरान 126 घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाए गए, जिनमें 200 लीटर अवैध शराब जब्त की गई। इस अवसर पर डीएसपी करुणाकर, डीएसपी वहीदुद्दीन सहित अन्य इंस्पेक्टर और सब-इंस्पेक्टर उपस्थित रहे।

उस्मानिया विश्वविद्यालय में निवेशक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग ने यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस मैनेजमेंट में निवेशक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम मुंबई स्थित एसईबीआई पंजीकृत संस्था जी-इंस्टीट्यूशंस एंड कंसल्टेंसी के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य एमकॉम और एमकॉम (आईएस) के छात्रों को आधुनिक वित्तीय बाजारों की समझ देना और सही निवेश के लिए आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराना था। सत्र में इस बात पर जोर दिया गया कि शिक्षित निवेशक ही सुरक्षित निवेश कर सकता है। मुंबई की विशेषज्ञ डॉ. सारिका लोहाना ने इक्विटी और डेरिवेटिव्स पर लगभग दो घंटे का व्याख्यान दिया।

मल्काजगिरी के नए पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने मंगलवार को पदभार संभाला लिया।

राज्य में यूरिया की आपूर्ति जारी रहेगी : कृषि मंत्री

हैदराबाद, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने मंगलवार को किसानों को आश्वासन दिया कि राज्य में यूरिया की कोई कमी नहीं है और आपूर्ति निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि रबी 2025-26

सीजन के लिए केंद्र सरकार ने तेलंगाना को 20.10 लाख मीट्रिक टन उर्वरक आवंटित किए हैं, जिसमें 10.40 लाख मीट्रिक टन यूरिया शामिल है। इस दौरान राज्य को 5.84 लाख मीट्रिक टन यूरिया प्राप्त हो चुका है, जो अपेक्षित आपूर्ति से 24,000 मीट्रिक टन अधिक है। किसानों ने अब तक 3.71 लाख मीट्रिक टन यूरिया खरीदी है।

तुम्मला ने किसानों से आग्रह किया कि विपक्षी नेताओं के बयानों पर डरकर अत्यधिक यूरिया न खरीदें और केवल आवश्यकतानुसार ही उपयोग करें। उन्होंने अवैध भंडारण और काला बाज़ारी पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। कृषि मंत्री ने कहा कि जिला कलेक्टर्स की निगरानी में यूरिया की आपूर्ति व्यवस्थित रूप से जारी है और किसानों को किसी भी असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा।

कुमावत प्रीमियर लीग दूसरे दिन के मैच सम्पन्न

हैदराबाद, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शिवरामपल्ली स्थित विजय आनन्द क्रिकेट ग्राउंड में कुमावत प्रीमियर लीग-10 पांच दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता के दूसरे दिन 30 दिसंबर के मैच का शुभारम्भ मुख्यअतिथि व आयोजकों के करकमलो द्वारा किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में आयोजक कार्यकर्ता नाथुराम लारणा, रमेश अडाणीया, वासुदेव दुबलदिया, ओमकार दुबलदिया ने संयुक्त रूप से बताया कि दूसरे दिन के मैचोफ़्र का शुभारम्भ मुख्यअतिथि मैच टॉस के लाभार्थी बाबुलाल खरनानिया, कन्हैयालाल चांदोरा, माणकचन्द भोबरिया द्वारा किया गया। प्रथम मुकाबला कुमावत यंगस्टर एवं कुमावत रॉयल चैलेंजर द्वारा खेला गया। जिसमें कुमावत यंगस्टर की टीम विजेता रही। दूसरे मैच कुमावत किंग्स एवं उप्पल सुपर स्ट्राईकर के मध्य खेला गया। जिसमें कुमावत किंग्स की टीम विजेता रही। अंतिम व तीसरा मुकाबला कुमावत महादेव 11 एवं कुमावत चैंम्पियन स्टार के मध्य खेला गया। टॉस जीतकर पहले खेलते हुए कुमावत महादेव 11 ने 4 विकेट के नुकसान पर 174 रन बनाये। रनोफ़्र का पीछा करते हुए कुमावत चैम्पियन स्टार ने 7 विकेट के नुकसान पर 175 रन बनाकर मैच जीत लिया। जिसमें कप्तान ओमकार कुमावत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 62 रन बनाये, जिसमें 7 चौके व 2 छक्के लगाये। पधारे समाज बन्धुओ व खिलाड़ियो के लिए अल्पहार व भोजन की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। कार्यक्रम में समाज की विभिन्न संस्थाओ के पदाधिकारी व समाज बन्धुओफ़्र ने मैदान में उपस्थित रहकर खिलाड़ियो का हौसला बढाया। यह प्रतियोगिता समस्त कुमावत समाज हैदराबाद-सकंदराबाद (तेलंगाना) समाज बन्धुओ के सानिध्य में खेली जा रही है। आयोजक कार्यकर्ताओं ने समाज बन्धुओं व खिलाड़ियों से निवेदन किया है समय पर पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

अमीरपेट स्थित तेलंगाना ज्वैलर्स एंड पॉन ब्रोकर्स एसोशिएशन के नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष चुने जाने पर गुलाबसिंह राजपुरोहित का पुष्प-माला, शॉल व गुलदस्ते से सम्मान करते हुए विजयसिंह जाणुंदा, झब्बरसिंह राजपुरोहित, सुमेरसिंह, किशोरसिंह, नवीनसिंह राजपुरोहित व अन्य।

ग्राम पंचायत की जमीन पर अवैध निर्माण बंद किया जाए

मदनूर, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मदनूर मंडल राचूर गांव के निवाशी शंकर पटेल ने स्थानिक मंडल विकास अधिकारी रानी को एक अर्जी देते हुए बताया कि 2022-23 वर्ष में स्वर्गीय सरपंच पार्वती बाई के कालावधि के समय गांव के वार्ड सभासद के सहमति से ग्राम पंचायत भवन निर्माण के लिए शासकीय दो गूंटा जमीन दी गई थी। आज इसी जगह पर मदनूर मंडल राचूर गांव के निवासी मदने विट्ठलराव ने मकान निर्माण शुरू कर दिया है। उन्होंने आगे बताया कि इस विषय के बारेमी जुक्कल विस क्षेत्र के विधायक को अर्जी देते हुए मंडल विकास अधिकारी को जांच पड़ताल कर कार्रवाई करने को कहा गया। इसी विषय के बारमे मंडल विकास अधिकारी रानी ने बताया कि मुझे इसी विषय में पटेल व विधायक की अर्जी मिली है। मैं बुधवार के दिन राचूर गांव जाकर इस जमीन के बारे मे गांव वालो से चर्चा कर कानूनी कार्रवाई करूंगी।

श्री लक्ष्मी नर्सिंग मंदिर में श्री गोदा रंगनाथजी की सगाई पर उपस्थित गोविन्द राठी वाइस चेयरमैन महेश बैंक एवं संचालक राधेश्याम राठी एवं भक्त गण।

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल ने गौलीगुडा राममंदिर में व्यकुंटा एकादशी के अवसर पर भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी का दर्शन कर आशीर्वाद लिया। अवसर पर प्रमोद महराज, सुशांत महराज, पांडु दीक्षित, राजू यादव व अन्य लोग बडी संख्या में शामिल हुए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बावुमा कप्तान, सिराज आउट - आ गई बेस्ट वर्ल्ड टेस्ट प्लेइंग 11

सिर्फ 3 भारतीय प्लेयर्स की चमकी किस्मत

मेलबोर्न, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। साल 2025 टेस्ट क्रिकेट के लिए काफी शानदार रहा। साउथ अफ्रीका ने इस साल इतिहास रचा और ऑस्ट्रेलिया को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में हराया। उन्होंने लॉर्ड्स में मिली शानदार जीत को सेलिब्रेट किया और सालों बाद कोई आईसीसी ट्रॉफी जीती। भारत और इंग्लैंड के बीच इतिहास की सबसे रोमांचक टेस्ट सीरीज में से एक देखने को मिली। कुल मिलाकर टेस्ट के लिए साल बढ़िया रहा और अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 2025 की सबसे बेस्ट वर्ल्ड टेस्ट प्लेइंग 11 जारी कर दी।

2025 की बेस्ट वर्ल्ड टेस्ट प्लेइंग 11

केएल राहुल (भारत)

केएल राहुल ने 2025 में बतौर ओपनर प्रभावित किया है और उन्होंने 10 मैचों में 45।16 के औसत से 813 रन बनाए। इसी कारण उन्हें वर्ल्ड 11 में जगह मिली।

ट्रेविस हेड (ऑस्ट्रेलिया)

ट्रेविस हेड ने मिडल ऑर्डर और ओपनिंग, दोनों स्लॉट में इस साल बल्लेबाजी की। उन्होंने 11 मैचों में 817 रन बनाए। उन्हें केएल राहुल के पार्टनर के रूप में चुना गया।

जो रूट (इंग्लैंड)

जो रूट टेस्ट के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक हैं और 2025 में उन्होंने 10 मैचों में 805 रन बनाए। उनका औसत 50।31 का रहा और उन्हें बेस्ट प्लेइंग 11 में शामिल करना बनता था।

शुभमन गिल (भारत)

नंबर 4 पर शुभमन गिल से अच्छा विकल्प नहीं होगा। उन्होंने इस साल 9 मैचों में 983 रन बनाए हैं और उनका औसत 70।21 का रहा है।

टेम्बा बावुमा (साउथ अफ्रीका)

टेम्बा बावुमा की कप्तानी में साउथ अफ्रीका ने WTC फाइनल जीता। उन्हें वर्ल्ड 11 का भी कप्तान बनाया गया है। उन्होंने इस साल 4 मैचों में 51।66 के औसत से 310 रन बनाए हैं।

6। एलेक्स कैरी (ऑस्ट्रेलिया)

एलेक्स कैरी 2025 में सबसे बेस्ट विकेटकीपर रहे। उन्होंने 11 मैचों में 767 रन बनाए। उनके नाम 44 कैच और 5 स्टंपिंग रही। वो भी वर्ल्ड टेस्ट 11 का हिस्सा हैं।

बेन स्टोक्स (इंग्लैंड)

मौजूदा समय में बेन स्टोक्स से अच्छा कोई ऑलराउंडर नहीं है। उन्होंने 9 मैचों में 496 रन बनाए हैं और गेंद से 33 विकेट दर्ज किए। उनका टीम में होना बनता था।

मिचेल स्टार्क (ऑस्ट्रेलिया)

गेंद से मिचेल स्टार्क के लिए 2025 तगड़ा रहा है। उन्होंने टेस्ट में इस साल 11 मैचों में 55 विकेट झटके हैं। उनके नाम 3 फाइव विकेट हॉल रहे।

जसप्रीत बुमराह (भारत)

जसप्रीत बुमराह दुनिया के बेस्ट गेंदबाजों में से एक हैं। उन्होंने 2025 में 8 मैचों में 31 विकेट झटके। इसी प्रदर्शन के चलते उन्हें वर्ल्ड टेस्ट 11 में जगह दी गई।

स्कॉट बोलैंड (ऑस्ट्रेलिया)

ऑस्ट्रेलिया ने 2025 में मात्र 6 मैच खेले और इसमें वो 32 विकेट झटकने में सफल रहे। उनका गेंदबाजी औसत मात्र 15 का रहा। इसी कारण उन्हें टीम में जगह मिली।

साइमन हार्मर (साउथ अफ्रीका)

साइमन हार्मर 2025 के बेस्ट स्पिनर रहे। उन्होंने 4 मैचों में 30 विकेट अपने किए और उनका औसत 14।30 का रहा है। प्लेइंग 11 में उनकी जगह बनती थी।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने टीम में मोहम्मद सिराज को जगह नहीं दी है, वहीं रवींद्र जडेजा को शानदार प्रदर्शन के बावजूद 12th मैन बनाया गया है।

चेस वर्ल्ड चैंपियन कार्लसन ने फिर टेबल पर हाथ पटका

ब्लिट्ज चैंपियनशिप में भारतीय प्लेयर से हारे; गुकेश से हारने पर भी खीझे थे

दोहा, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया के नंबर-1 चेस प्लेयर और 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन मैग्नस कार्लसन एक बार फिर अपने रिएक्शन को लेकर चर्चा में हैं। कतर की राजधानी दोहा में चल रही वर्ल्ड रैपिड/ब्लिट्ज चैंपियनशिप के दौरान भारत के अर्जुन एरिगैसी से हार के बाद कार्लसन ने गुस्से में टेबल पर जोर से हाथ मारा। इसका वीडियो वायरल हो गया।

यह वीडियो फिडे और चेस कम्युनिटी से जुड़े आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट्स पर भी शेयर किया गया। फुटेज में कार्लसन की क्वीन हाथ से फिसलकर गिरती दिखती है, जिसके बाद वे टेबल पर हाथ मारते नजर आते हैं।

गुस्से में कैमरामैन को धक्का दिया था

इससे पहले, ब्लिट्ज टूर्नामेंट में ही रूस के व्लादिस्लाव आर्टेमिएव से मुकाबला हारने के बाद बाहर जाते वक्त उन्होंने कैमरामैन को धक्का दे दिया था। इस घटना का भी वीडियो वायरल हुआ था। 27 दिसंबर को राउंड-7 में कार्लसन ने 15वीं चाल पर बड़ी गलती की, जिसका फायदा उठाकर आर्टेमिएव ने मुकाबला अपने नाम किया।

गुकेश से हार के बाद बोर्ड पर मुक्का मारा था

नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में गुकेश से हारने के बाद कार्लसन ने बोर्ड पर मुक्का मारा था। 2 जून को नॉर्वे चेस टूर्नामेंट के छठे राउंड में गुकेश ने वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन को हराया था। गुकेश की क्लासिकल चेस में कार्लसन के खिलाफ पहली जीत थी। हारने के बाद कार्लसन ने बोर्ड पर मुक्का मार था।

अर्जुन का शानदार टूर्नामेंट

वर्ल्ड नंबर-5 अर्जुन एरिगैसी इस टूर्नामेंट की रैपिड कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीत चुके हैं। 22 साल के अर्जुन इस साल अलग-अलग फॉर्मेट में कार्लसन को कई बार हरा चुके हैं, जिसे भारतीय शतरंज के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। टूर्नामेंट अभी जारी है और ब्लिट्ज का फाइनल मुकाबला कल यानी बुधवार को खेला जाएगा।

शान मसूद ने सहवाग का 19 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

पाकिस्तान में सबसे तेज फर्स्ट-क्लास दोहरा शतक बनाया; 177 गेंदों में डबल सेंचुरी

कराची, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान शान मसूद ने घरेलू क्रिकेट में बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने पाकिस्तान की धरती पर फर्स्ट-क्लास क्रिकेट का सबसे तेज दोहरा शतक जड़ते हुए भारत के पूर्व ओपनर वीरेंद्र सहवाग का 19 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

यह उपलब्धि शान मसूद ने कराची में खेले जा रहे प्रेसिडेंट्स ट्रॉफी ग्रेड-1 2025/26 के मुकाबले में हासिल की। यह मैच सुई नॉर्दर्न गैस पाइपलाइंस लिमिटेड और साहिर एसोसिएट्स के बीच खेला जा रहा है, जिसमें मसूद एसएलजीपीएल की ओर से मैदान में उतरे।

मसूद ने सिर्फ 177 गेंदों में अपना दोहरा शतक पूरा किया। इससे पहले वीरेंद्र सहवाग ने 2006 में लाहौर में पाकिस्तान के खिलाफ 182 गेंदों में दोहरा शतक लगाया था।

इंजमाम-उल-हक का रिकॉर्ड भी टूटा

शान मसूद ने पाकिस्तान के सबसे तेज दोहरे शतक का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड इंजमाम-उल-हक के नाम था, जिन्होंने 1992 में 188 गेंदों में दोहरा शतक जड़ा था।

390 रन की साझेदारी

मैच के पहले दिन एसएलजीपीएल को पहले बल्लेबाजी के लिए उतारा गया। टीम का पहला विकेट अजान अवैस के रूप में 53 रन पर गिरा। इसके बाद शान मसूद और अली जरयाब ने दूसरे विकेट के लिए 390 रन की बड़ी साझेदारी की। यह साझेदारी पाकिस्तान में किसी भी विकेट के लिए नौवीं सबसे बड़ी साझेदारी रही। अली जरयाब ने 237 गेंदों पर 192 रन बनाए, जबकि शान मसूद दिन का खेल खत्म होने तक 185 गेंदों पर 212 रन बनाकर नाबाद रहे। उनकी स्ट्राइक रेट 114 से अधिक रही। पहले दिन के अंत तक एसएलजीपीएल ने 82।1 ओवर में 2 विकेट पर 460 रन बना लिए।

इस साल का दूसरा दोहरा शतक

यह शान मसूद का 2025 में दूसरा फर्स्ट-क्लास दोहरा शतक है। इससे पहले उन्होंने कराची ब्लूज़ की ओर से एबटाबाद के खिलाफ 250 रन बनाए थे। उनके करियर में अब कुल पांच फर्स्ट-क्लास दोहरे शतक हो चुके हैं।

विमेंस टी-20 बॉलर्स रैंकिंग में दीप्ति टॉप पर बरकरार

बैटर्स में शेफाली को 4 स्थान का फायदा; जेमिमा रॉड्रिग्ज 10वें नंबर पर खिसकीं

खेल डेस्क, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम की ओपनर शेफाली वर्मा ने शानदार प्रदर्शन के दम पर आईसीसी विमेंस टी-20 इंटरनेशनल बल्लेबाजी रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है। मंगलवार को शेफाली बल्लेबाजों की सूची में छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। शेफाली ने श्रीलंका के खिलाफ लगातार 3 फिफ्टी लगाई। उन्होंने 69*, 79* और 79 रन की पारी खेली।

स्मृति का तीसरा स्थान बरकरार

टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने भी चौथे टी-20 में 80 रन की शानदार पारी खेली और रैंकिंग में अपना तीसरा स्थान बरकरार रखा है। वहीं, जेमिमा रॉड्रिग्ज एक पायदान नीचे खिसककर 10वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

दीप्ति नंबर-1 बॉलर

भारत की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा गेंदबाजों की रैंकिंग में अब भी नंबर-1 बनी हुई हैं। तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर ने भी श्रीलंका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया है और आठ स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। उन्होंने तीसरे टी-20 में 4 विकेट लेकर भारत को सीरीज जिताने में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा, बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी और वैष्णवी शर्मा की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। चरणी ने श्रीलंका के खिलाफ शुरुआती चार मैचों में चार विकेट लिए हैं, जिससे उनकी रैंकिंग में 17 स्थान का सुधार हुआ और वह अब 52वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

विमेंस टी-20 बॉलर्स रैंकिंग

रैंक	टीम	प्लेयर्स	रेटिंग
1	भारत	दीप्ति शर्मा	738
2	ऑस्ट्रेलिया	एनाबेल सदरलैंड	736
3	पाकिस्तान	सादिया इकबाल	732
4	इंग्लैंड	सोफी एक्लस्टन	727
5	इंग्लैंड	लॉरेन बेल	714
6	साउथ अफ्रीका	नॉनकुलेलेको म्लाबा	705
7	भारत	रेणुका सिंह ठाकुर	705
8	ऑस्ट्रेलिया	जॉर्जिया वेयरहम	704
9	इंग्लैंड	चार्ली डीन	704
10	वेस्टइंडीज	अफी फ्लेचर	702

'बिहार में प्रतिभा की कमी नहीं, खिलाड़ी की क्षमता अंतरराष्ट्रीय स्तर की' : साइना नेहवाल

पटना, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। दिग्गज भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने कहा कि बिहार में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है और बेहतर प्रशिक्षण के जरिए यहां से भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार किए जा सकते हैं। साइना ने कहा कि राज्य में आधारभूत संसाधन मौजूद हैं और सही मार्गदर्शन से खिलाड़ी वैश्विक मंच पर अपनी पहचान बना सकते हैं।

साइना ने पाटलिपुत्र खेल परिसर में पत्रकारों को बताया कि बिहार के प्रतिभावान बैडमिंटन खिलाड़ियों का चयन कर उन्हें प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बिहार में खेलों के विकास, विशेषकर बैडमिंटन की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की।

इससे पहले साइना ने बिहार की खेल मंत्री श्रेयसी सिंह से मुलाकात की। इस अवसर पर खेल मंत्री ने अंगवस्त्र और प्रतीक चिह्न भेंट कर उनका अभिनंदन किया। साइना ने कहा कि बिहार खेल के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के आयोजन के जरिए पहले ही वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना चुका है।

साइना ने कहा, 'मैंने अपनी पहली राष्ट्रीय चैंपियनशिप पटना में ही जीती थी इसलिए बिहार से मेरा गहरा भावनात्मक जुड़ाव है।' साइना ने कहा कि बिहार के खिलाड़ियों के विकास के लिए वह हर संभव सहयोग देने को तैयार हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि सरकार की सकारात्मक खेल नीति, खेल विभाग और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के कुशल मार्गदर्शन से आने वाले समय में राज्य से अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकलेंगे।

उल्लेखनीय है कि साइना नेहवाल पद्मश्री, पद्म भूषण और राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित हैं। वह ओलंपिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। उन्होंने लंदन ओलंपिक 2012 में कांस्य पदक जीता था और विश्व नंबर एक रैंकिंग हासिल करने वाली एकमात्र भारतीय महिला खिलाड़ी भी रही हैं। उन्होंने 2010 और 2018 के राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक सहित कई अंतरराष्ट्रीय खिताब अपने नाम किए हैं।

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्रण शंकरण ने बताया कि साइना 10 दिन तक बिहार में रहेंगी और विभिन्न क्षेत्रों में जाकर प्रतिभावान खिलाड़ियों का चयन करेंगी। चयनित खिलाड़ियों को सरकार की 'प्रेरणा' छात्रवृत्ति योजना के तहत बैडमिंटन के लिए निर्धारित एकलव्य राज्य आवासीय प्रशिक्षण केंद्र में खेल उपकरण और प्रशिक्षण की सुविधा दी जाएगी।

नीरू ढांडा ने निशानेबाजी चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण, महिला ट्रैप स्पर्धा में लहराया परचम

नई दिल्ली, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। एशियाई चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता नीरू ढांडा ने नई दिल्ली के कर्णी सिंह रेंज में चल रही राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिला ट्रैप स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता। हाल में कजाखस्तान में महाद्वीपीय प्रतियोगिता में शीर्ष स्थान हासिल करने वाली 25 साल की नीरू ने फाइनल में 41 हिट के साथ खिताब जीता। नीरू को दिल्ली की कीर्ति गुप्ता से कड़ी टक्कर मिली जिन्होंने 40 सटीक निशानों के साथ रजत पदक हासिल किया। नीरू की मध्य प्रदेश की साथी निशानेबाज प्रगति दुबे ने 32 निशाने सही लगाकर कांस्य पदक जीता।

नीरू की मध्य प्रदेश की साथी निशानेबाज प्रगति दुबे ने 32 निशाने सही लगाकर कांस्य पदक जीता। इससे पहले क्वालीफिकेशन में प्रगति 117 अंक के साथ शीर्ष पर रहीं, जबकि नीरू ने 114 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। जूनियर पुरुष ट्रैप में आर्यवंश त्यागी ने 42 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। पंजाब के केशव चौहान और उत्तर प्रदेश के जुहैर खान ने 37 और 30 अंक के साथ क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते। जुहैर इससे पहले क्वालीफिकेशन दौर में 120 के स्कोर के साथ शीर्ष पर रहे। आर्यन सिंह ने 118 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। आर्यवंश ने 115 अंक जुटाकर फाइनल में जगह बनाई। मध्य प्रदेश ने महिला ट्रैप टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता। प्रगति, नीरू और मनीषा कीर की मध्य प्रदेश की टीम 339 अंक के साथ शीर्ष पर रही। दिल्ली ने 333 अंक के साथ रजत, जबकि पंजाब ने 319 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। हरियाणा ने अर्जुन, लक्ष्य अत्री और परीक्षित आर्य की बदौलत 336 अंक जुटाकर जूनियर पुरुष ट्रैप स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता।

बाबर आजम ने टीम इंडिया की जर्सी पर दिया ऑटोग्राफ, बुरी तरह लताड़ा गया

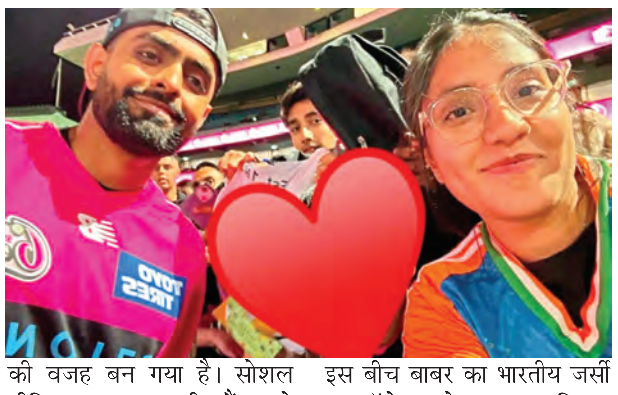

मेलबोर्न, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के बल्लेबाज बाबर आजम ने ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर कुछ ऐसा कर दिया है जिसके बाद भारतीय फैंस बेहद नाराज हो रहे हैं। दरअसल बाबर आजम ने बिग बैश लीग के मैच के दौरान टीम इंडिया की एक फैन को ऑटोग्राफ दिया। इस फैन ने टीम इंडिया की जर्सी पहनी हुई थी और बाबर ने उसी जर्सी पर अपना ऑटोग्राफ दिया। यही नहीं बाबर आजम ने उस फैन के साथ सेल्फी भी ली और उसके बाद से ये तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है।

बाबर आजम के ऑटोग्राफ पर हंगामा

बाबर आजम का टीम इंडिया की जर्सी पर ऑटोग्राफ देना बवाल की वजह बन गया है। सोशल मीडिया पर कुछ भारतीय फैंस इसे टीम इंडिया की जर्सी का अपमान बता रहे हैं। बाबर आजम को इसके लिए काफी ज्यादा लताड़ा जा रहा है। बता दें भारत और पाकिस्तान के रिश्ते काफी तल्ख चल रहे हैं। खिलाड़ी एक-दूसरे से हाथ तक नहीं मिला रहे हैं और इस बीच बाबर का भारतीय जर्सी पर ऑटोग्राफ देना एक नए विवाद को जन्म दे सकता है। पीसीबी उनपर कार्रवाई तक कर सकती है।

बाबर का बुरा हाल

बता दें बाबर आजम को श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए पाकिस्तानी टीम में सेलेक्ट नहीं किया गया। ये खिलाड़ी सिडनी सिक्सर्स के लिए बिग बैश लीग में खेल रहा है, वहां भी उनका प्रदर्शन अबतक निराशाजनक रहा है। बाबर आजम ने 4 मैचों में सिर्फ 71 रन ही बनाए हैं, उनका औसत 17।7 का रहा है। बाबर का स्ट्राइक रेट भी 110 का ही है। 4 में से 3 पारियों में तो वो दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके हैं।

बाबर-रिजवान बाहर

बाबर और मोहम्मद रिजवान दोनों श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज में नहीं खेलेंगे। पाकिस्तान ने जिस 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया है उसमें शादाब खान की वापसी हुई है वहीं सलमान अली आगा टीम की कमान संभावेंगे।

मुंबई इंडियंस ने क्रिस्टन बीम्स को कोचिंग स्टाफ में शामिल किया

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर को स्पिन बॉलिंग कोच की जिम्मेदारी दी

मुंबई, 30 दिसंबर (एजेंसियां)। डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग 2026 के लिए पूर्व ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर क्रिस्टन बीम्स को स्पिन बॉलिंग कोच नियुक्त किया है। 41 साल की बीम्स ऑस्ट्रेलिया के लिए तीनों फॉर्मेट में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुकी हैं।

क्रिस्टन बीम्स इससे पहले विमेंस बिग बैश लीग, द हंड्रेड और ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 महिला टीम में कोचिंग की भूमिका निभा चुकी हैं। बतौर खिलाड़ी उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 1 टेस्ट, 30 वनडे और 18 टी-20 मैच खेले थे।

मुंबई इंडियंस के कोचिंग स्टाफ में अब हेड कोच लिसा कीटली (MI के साथ उनका पहला सीजन, इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स की कोच), बॉलिंग कोच और मेंटर झूलन गोस्वामी, बैटिंग कोच देविका पलशिकर और फील्डिंग कोच निकोल बोल्टन के साथ क्रिस्टन बीम्स भी शामिल हो गई हैं।

बीम्स बोलीं-झूलन गोस्वामी के साथ काम करना गर्व की बात

एमआई के इंस्टाग्राम पोस्ट में क्रिस्टन बीम्स ने कहा, 'यह मेरे लिए एक शानदार अवसर है। झूलन गोस्वामी जैसी दिग्गज खिलाड़ी के साथ काम करना बेहद खास है। मैंने उनके खिलाफ खेला है और अब उनके साथ काम करना मेरे लिए गर्व की बात है।

मुंबई इंडियंस ने एक मजबूत जीतने वाली संस्कृति बनाई है और यह टीम एक परिवार की तरह है।'

एमआई के दो डब्ल्यूपीएल खिताब

मुंबई इंडियंस ने अब तक हुए तीन डब्ल्यूपीएल सीजन में से दो में खिताब जीता है। डब्ल्यूपीएल 2026 की शुरुआत 9 जनवरी से होगी, जिसमें एमआई का पहला मुकाबला 2024 की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से होगा। यह 28 दिन का टूर्नामेंट नवी मुंबई और वडोदरा में खेला जाएगा।

पहली बार डब्ल्यूपीएल जनवरी-फरवरी की विंडो में आयोजित किया जा रहा है। पिछले महीने हुई नीलामी में एमआई ने ज्यादातर खिलाड़ियों को रिटेन किया और कुछ को दोबारा खरीदा। क्रिस्टन बीम्स के जुड़ने से टीम की स्पिन बॉलिंग और मजबूत होने की उम्मीद है।

तेलंगाना में सड़क दुर्घटनाएं बढ़ीं अपराध में गिरावट : डीजीपी

> साइबर अपराध से जुड़े मामलों में 246 करोड़ की वसूली

हैदराबाद, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) शिवधर रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि वर्ष 2025 में राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में रही। वर्ष 2024 की तुलना में कुल अपराध दर में 2.33 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई, जबकि सड़क दुर्घटनाओं में 5.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

तेलंगाना पुलिस वार्षिक रिपोर्ट-2025 जारी करते हुए डीजीपी ने बताया कि इस वर्ष राज्य में 2,28,269 मामले दर्ज हुए, जबकि 2024 में यह संख्या 2,34,158 थी। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत दर्ज मामलों में भी 1.45 प्रतिशत की गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि सजा दर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जो 2024 में 35.63 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 38.72 प्रतिशत हो गई। इस वर्ष चार मामलों में अदालतों ने मृत्युदंड सुनाया, जबकि 216 मामलों में 320 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा दी गई। 2025 की तुलना 2024 से करते हुए डीजीपी ने बताया कि कई गंभीर अपराधों में कमी आई है। डीजीपी ने कहा कि हत्या 8.76 प्रतिशत की कमी, बलात्कार 13.45 प्रतिशत की कमी, लाभ के लिए हत्या: 15.66 प्रतिशत की कमी, डकैती 27.17 प्रतिशत की कमी, चोरी 9.1 प्रतिशत की कमी आई है। हालांकि, डकैती के मामलों में 24.14 प्रतिशत और विश्वासघात के मामलों में 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिन पर पुलिस कड़ी नजर रख रही है। महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर पांच वर्षीय तुलनात्मक आंकड़े प्रस्तुत करते हुए डीजीपी ने कहा कि 2025 में मिश्रित रुझान देखने को मिले है। डीजीपी ने बताया कि दहेज हत्या कोई बदलाव नहीं, दहेज मृत्यु 0.79 प्रतिशत की वृद्धि, दहेज उत्पीड़न 2.01 प्रतिशत की कमी, बलात्कार 13.45 प्रतिशत की कमी, अपहरण 10.61 प्रतिशत की कमी, महिलाओं की हत्या 2.90 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पॉक्सो अधिनियम के तहत 141 मामलों में 154 आरोपियों को आजीवन कारावास और तीन मामलों में मृत्युदंड दिया गया। एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत 28 मामलों में 53 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा दी गई। डीजीपी ने सड़क सुरक्षा पर चिंता जताते हुए कहा कि 2025 में सड़क दुर्घटनाएं 5.6 प्रतिशत बढ़ीं। वर्ष के दौरान 509 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया, जिनमें 23 तेलंगाना से थे। राज्य में साइबर अपराध के मामलों में 3 प्रतिशत की कमी आई, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर इनमें वृद्धि हुई। तेलंगाना मोबाइल फोन रिकवरी में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी रहा, जहां प्रतिदिन औसतन 111 मोबाइल फोन बरामद किए गए। साइबर अपराध से जुड़े मामलों में 246 करोड़ की वसूली की गई, जबकि 159.65 करोड़ रुपये की राशि 24,498 पीड़ितों को वापस की गई। पुलिस की उपलब्धियां की चर्चा करते डीजीपी ने बताया कि तेलंगाना पुलिस ने पंचायत चुनाव, मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता, फुटबॉलर लियोनेल मेसी से जुड़े अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम और निजामाबाद व कामारेड्डी जिलों में आई बाढ़ जैसी बड़ी घटनाओं का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया, जिसमें किसी की जान नहीं गई। तेलंगाना पुलिस ने झारखंड में आयोजित 68वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट में 18 पदक और वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स में 10 पदक जीते।

चार आईपीएस अधिकारियों का तबादला, नई तैनाती

हैदराबाद, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने सोमवार को चार आईपीएस अधिकारियों का तबादला कर उन्हें नई जगहों पर तैनात किया। जी. सुधीर बाबू को नवगठित फ्यूचर सिटी आयुक्तालय का पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया है। अविनाश मोहंती को राचकौंडा के पुनर्गठन द्वारा निर्मित मलकाजगिरि का पुलिस आयुक्त बनाया गया है। डॉ.एम. रमेश को साइबराबाद के संगठन के तहत पुलिस आयुक्त के रूप में तैनात किया गया है। वहीं, अक्षंश यादव को पहले याद्द्री भोंगिर जोन और राचकौंडा आयुक्तालय के हिस्से रहे याद्द्री भुवनगिरी जिले का एसपी नियुक्त किया गया है। पिछले कुछ हफ्तों में जीएचएमसी की सीमा में पुलिस आयुक्तों के पुनर्गठन को लेकर कई बैठकें आयोजित की गई थीं। अधिकारियों ने बताया कि जीएचएमसी क्षेत्र के विस्तार और शहर के बढ़ते जनसंख्या घनत्व को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के तबादलों का निर्णय लिया गया।

वैष्णव एकादशी पर मुख्यमंत्री ने तिरुमला में किए दर्शन

तिरुमला, 30 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता)। वैष्णव एकादशी के अवसर पर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को आंध्र प्रदेश के तिरुमला का दौरा किया और भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन किए। उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों के साथ भगवान की पूजा-अर्चना की।

मंदिर पहुंचने पर टीटीडी चेयरमैन बी.आर. नायडू और अन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। मंदिर अधिकारियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए उन्हें दर्शन के लिए ले जाया। दर्शन के बाद, रंगनायकुला मंडपम में मंदिर के पुजारियों ने मुख्यमंत्री को रेशमी वस्त्र भेंट किए और भगवान का प्रसाद प्रदान किया। वैष्णव एकादशी के अवसर पर केंद्रीय मंत्री राममोहन नायडू, तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गद्दम प्रसाद कुमार, अभिनेता चिरंजीवी अपने परिवार के साथ, भारत बायोटेक के एमडी कृष्णा एल्ला, टीटीडी बोर्ड सदस्य सुचित्रा एल्ला, अभिनेता नारा रोहित और उनकी पत्नी, क्रिकेटर तिलक वर्मा, फिल्म निर्माता डीवीवी दनय्या सहित कई अन्य गणमान्य लोगों ने भी तिरुमला पहुंचकर भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन किए। वैष्णव एकादशी के दिन वैकुंठ द्वारम (द्वार) खोला गया, जो 10 दिनों बाद यानी 8 जनवरी को बंद किया जाएगा। इस पावन अवधि को छोड़कर पूरे वर्ष वैकुंठ द्वारम नहीं खोला जाता।

तेलुगु राज्यों में मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

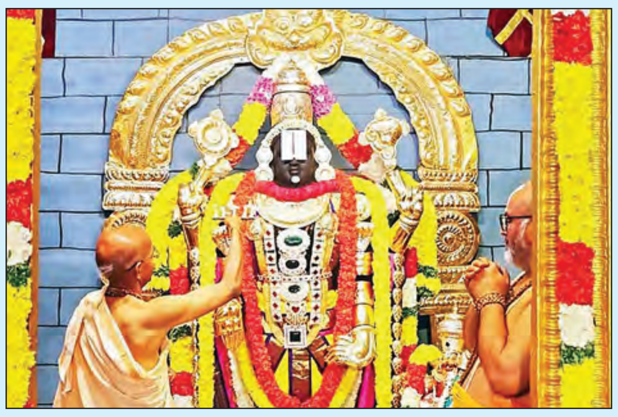

हैदराबाद, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वैष्णव एकादशी के पावन अवसर पर तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के तिरुमला, श्रीशैलम, सिम्हाचलम, यादाद्री, भद्राचलम और वेमुलवाड़ा जैसे प्रमुख मंदिरों में उत्तर द्वार दर्शन के लिए भारी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। विशाखापट्टनम जिले के सिम्हाचलम मंदिर में उत्तर द्वार दर्शनम की भव्य शुरूआत हुई। भगवान सिंहाद्री स्वामी ने वैकुंठ नारायण के रूप में भक्तों को दर्शन दिए।

मंदिर के वंशानुगत ट्रस्टी पुसापति अशोक गजपति राजू की पुत्री अदिति गजपति राजू ने पहला दर्शन किया। इसके बाद आम श्रद्धालुओं के लिए दर्शन खोले गए। भीमिली विधायक गंटा श्रीनिवास राव और सरकारी व्हिप पी. गणबाबू ने भी दर्शन किए। तेलंगाना के यादाद्री मंदिर में बंदोबस्त मंत्री कोंडा सुरेखा, मुख्य सचिव रामकृष्ण राव और अन्य अधिकारियों ने भगवान श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी के दर्शन किए। जगतियाल जिले के धर्मपुरी कस्बे में श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर में भी वैष्णव एकादशी समारोह भव्य रूप से आयोजित किए गए। सुबह 3 बजे मुख्य देवताओं के लिए महा क्षीराभिषेक और अन्य अनुष्ठान किए गए।

मंत्री अदलूरी लक्ष्मण कुमार ने अभिषेक में भाग लिया। जिला कलेक्टर सत्यप्रसाद और उनकी पत्नी भी अनुष्ठानों में शामिल हुए। विशेष पूजा के बाद वैकुंठ द्वारम खोला गया, जहां हजारों श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। राजन्ना सिरसिल्ला जिले के वेमुलवाड़ा मंदिर में भी वैष्णव एकादशी समारोह धूमधाम से मनाया गया। इसमें भगवान की शोभायात्रा, प्रातःकालीन पूजा और पालकी में विराजमान कर विशेष पूजाएं की गईं, जिसके बाद श्रद्धालुओं ने वैकुंठ द्वार दर्शन किए।

जंगली जानवरों के हमले से निपटने को पेशेवर बचाव दल बनाएगा वन विभाग

हैदराबाद, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में जंगली जानवरों के मानव बस्तियों में प्रवेश की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए वन विभाग अब पेशेवर बचाव दल गठित करने की योजना बना रहा है। इसका उद्देश्य ऐसी स्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटना और जानवरों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। अधिकारियों ने बताया कि अन्य राज्यों में इस तरह की बचाव टीमें पहले से कार्यरत हैं। एक बचाव दल तैयार करने में करीब 60 से 65 लाख रुपये का खर्च आता है और इसमें ट्रैंक्विलाइज़र सहित अन्य उपकरणों के संचालन के लिए पांच से छह विशेष रूप से प्रशिक्षित कर्मी होते हैं। वर्तमान में वन विभाग के पास कोई पेशेवर बचाव दल नहीं है। किसी भी जंगली जानवर के रिहायशी इलाकों में आने, घायल होने या मरने की स्थिति में नेहरू चिड़ियाघर से पशु चिकित्सकों की टीम को भेजा जाता है।

इससे चिड़ियाघर में सेवाएं प्रभावित होती हैं और दूर-दराज क्षेत्रों में पहुंचने में समय भी अधिक लगता है। इसके अलावा जंगली जानवरों को पकड़ने के लिए पिंजरे लगाने और उन्हें बेहोश करने की जिम्मेदारी भी वन कर्मियों पर रहती है। मौजूदा पिंजरे भारी होते हैं और उनकी संख्या भी सीमित है। जानवर के पकड़े जाने के बाद पिंजरे को चिड़ियाघर ले जाना और उपचार के बाद दोबारा जंगल में छोड़ना कर्मचारियों के लिए चुनौतीपूर्ण हो जाता है। इन समस्याओं के समाधान के लिए प्रस्तावित बचाव दलों के पास विशेष रूप से तैयार वाहन होंगे। इन वाहनों में विशेष पिंजरा, हाइड्रोलिक सिस्टम, 200 लीटर पानी की टंकी, चिकित्सा किट, दस्ताने, बेहोश करने वाली दवाएं, जाल और कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए विशेष वर्दी उपलब्ध होगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शुरूआती चरण में तीन बचाव दल गठित किए जाएंगे। इन्हें अमराबाद टाइगर रिजर्व, कावल टाइगर रिजर्व और वारंगल में तैनात किया जाएगा। अमराबाद में तैनात बचाव दल मार्च 2026 से पहले काम शुरू कर देगा।

जीप ने ऑटो को टक्कर मारी, छह छात्र घायल

मंचेरियल, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को लक्सेट्टीपेट कस्बे में नहर के किनारे संकरी सड़क पर एक जीप ने ऑटो रिक्शा को टक्कर मार दी, जिसमें छह सरकारी स्कूल के छात्र सवार थे। इस घटना में सभी छात्र घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, टक्कर से चार छात्रों के हाथ और पैरों में फ्रैक्चर हो गया, जबकि दो छात्रों को मामूली चोटें आईं।

घायल छात्रों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया और शाम तक उन्हें छुट्टी दे दी गई। एक छात्र के माता-पिता की शिकायत पर जीप चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। अभिभावकों ने आरोप लगाया कि संकरी सड़क के कारण नियमित रूप से दुर्घटनाएं हो रही हैं।

ईगल फोर्स की बड़ी कार्रवाई 107 बैंक खाते जब्त

हैदराबाद, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की मादक पदार्थों की रोकथाम एजेंसी ईगल फोर्स ने इस वर्ष देश के कई राज्यों में अभियान चलाकर मादक पदार्थों के तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान तस्करों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे कुल 107 बैंक खातों को जब्त किया गया। हाल ही में नई दिल्ली में स्थानीय पुलिस के सहयोग से संयुक्त अभियान चलाया गया। इस अभियान में कई स्थानीय नागरिकों के साथ कुछ दक्षिण अफ्रीकी नागरिकों को भी गिरफ्तार किया गया। मिलावटी ताड़ी के सेवन से हुई मौतों के बाद शुरू किए गए ऑपरेशन कल्लू के तहत ईगल फोर्स ने 42.98 करोड़ रुपये मूल्य का अल्प्राज़ोलम जब्त किया। साथ ही तेलंगाना और महाराष्ट्र में चल रहे संबंधित कारखानों को बंद कराया गया। ईगल फोर्स ने वर्ष भर में राज्य भर में 571 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। कॉलेजों में नशा-विरोधी समितियां बनाई गईं और स्कूलों में 20,989 प्रहरी क्लबों का गठन किया गया। अब तक राज्य में 47,881 लोग नशा-विरोधी सैनिक के रूप में पंजीकरण करा चुके हैं।

आयुक्त ने नलगोंडा 'एक्स' रोड्स-कॉरिडोर कार्यों के प्रगति की समीक्षा की

हैदराबाद, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के आयुक्त आर.वी. कर्णन ने मंगलवार को दक्षिण हैदराबाद में यातायात जाम को कम करने के उद्देश्य से विकसित किए जा रहे नलगोंडा एक्स रोड्स-सैदाबाद-आईएस सदन-ओवैसी जंक्शन व्यापक विकास कॉरिडोर के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। यह कॉरिडोर एक कन्फ्लिक्ट-फ्री ट्रैफिक कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जा रहा है। परियोजना के तहत 2,530 मीटर लंबा मुख्य फ्लाईओवर बनाया जा रहा है, जिसकी अनुमानित लागत 620 करोड़ रुपये है। यह कार्य ईपीसी/टर्नकी मोड में किया जा रहा है। अधिकारियों ने आयुक्त को बताया कि परियोजना का लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। मैदानी स्तर पर निरीक्षण के दौरान आयुक्त आर.वी. कर्णन ने इंजीनियरों और ठेकेदारों को शेष कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए और कहा कि कॉरिडोर को अप्रैल तक हर हाल में चालू किया जाए। उन्होंने सैदाबाद से धोबीघाट जंक्शन के बीच महत्वपूर्ण हिस्से में कार्यों को निर्बाध रूप से पूरा करने के लिए आवश्यक यातायात डायवर्जन की अनुमति शीघ्र प्राप्त करने के निर्देश भी दिए। सुगम और निर्बाध यातायात व्यवस्था पर जोर देते हुए आयुक्त ने कहा कि सर्विस रोड्स के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को भी जल्द से जल्द पूरा किया जाए, ताकि कॉरिडोर के जनता के लिए खुलने के बाद यातायात सुचारु रूप से संचालित हो सके। निरीक्षण के दौरान चारमीनार जोनल आयुक्त श्रीनिवास रेड्डी, कार्यकारी अभियंता बी. गोपाल सहित जीएचएमसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आभूषण के लिए मकान मालकिन की हत्या

महिला का शव गोदावरी नदी में पाया गया

हैदराबाद, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नाचाराम, हैदराबाद में एक भयानक घटना में मकान मालिक सुजाता (65) की सोने के लिए किरायेदार ने हत्या कर दी। नाचाराम पुलिस ने मामले को सुलझा लिया है। पुलिस ने पहले ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसकी तलाश के लिए आंध्र प्रदेश के डॉ.बी.आर. अंबेडकर कोनसेमा जिले में गई। उन्होंने आरोपी अंजी बाबू को लेकर गोदावरी नदी की खोजबीन की। खोज के दौरान मंगलवार सुबह अप्पनपल्ली और के. एंगुपल्ली के बीच, ममिडीकुडुरु के पास, सुजाता का शव गोदावरी नदी में पाया गया। सीआई धनंजय के अनुसार, सुरेदी सुजाता बाबानगर इलाके, मल्लापुर में रहती थीं, जो नाचाराम पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आता है। उनके पति और बेटे की मृत्यु के बाद वह अकेली रह रही थीं।

एम. अंजीबाबू, आंध्र प्रदेश के कोथापल्ली गांव, पेरावली मंडल, डॉ.बी.आर. अंबेडकर कोनसेमा जिले के निवासी, ड्राइवर के रूप में काम करने हैदराबाद आए। उन्होंने दो महीने पहले सुजाता के घर में एक कमरा किराए पर लिया। 19 दिसंबर की रात उन्होंने उनकी हत्या कर दी और उनके पास मौजूद 11 तोले सोना चोरी कर लिया। अंजीबाबू ने घर को बंद कर दिया और शव अंदर छोड़ दिया। अंजीबाबू ने यह बात अपने दोस्त युवराजु (18) से, जो पेरावली मंडल के कंदवली का रहने वाला है, और अपने दोस्त दुर्गाराव (35) से, जो अमलापुरम मंडल के वेमवमरा का रहने वाला है, बताई और फिर अपने गांव चले गए। 20 दिसंबर को तीनों ने एक कार किराए पर ली और मल्लापुर, हैदराबाद पहुंचे। शव को कार में कोनसेमा जिले के कृष्णालंका ले जाया गया और गोदावरी नदी में फेंक दिया गया। सुजाता की बहन, सुवर्णलता, जो मोइनाबाद में रहती हैं, 24 दिसंबर को अपनी बहन के घर गईं।

हैदराबाद में पुलिस व्यवस्था में बड़ा बदलाव

चार नए आयुक्तालय स्थापित

हैदराबाद, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और आसपास के इलाकों में पुलिस व्यवस्था को नया रूप दिया जा रहा है। इस योजना के तहत चार अलग-अलग पुलिस आयुक्त कार्यालय बनाए जा रहे हैं- हैदराबाद, साइबरबाद, मलकाजगिरि और फ्यूचर सिटी। ये पहले के रचाकोंडा आयुक्तालय की जगह लेंगे। अधिकारियों ने बताया कि शहरी विस्तार, बढ़ती जनसंख्या और विभिन्न क्षेत्रों में विशेष पुलिसिंग की आवश्यकता के कारण यह कदम उठाना जरूरी हो गया था। हैदराबाद कमिश्नरेट शहर के प्रमुख क्षेत्रों और संवेदनशील प्रतिष्ठानों पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिनमें सरकारी कार्यालय और आरजीआईए जैसी महत्वपूर्ण अवसंरचनाएं शामिल हैं। साइबरबाद कमिश्नरेट आईटी कॉरिडोर और औद्योगिक क्षेत्रों की निगरानी करेगा।

पूर्ववर्ती रचाकोंडा आयुक्तालय का पुनर्गठन कर इसे मलकाजगिरि आयुक्तालय के रूप में बदल दिया गया है, जिसमें शहर के कई पूर्वी और उत्तरपूर्वी उपनगर शामिल हैं। साथ ही, याद्द्री-भुवनगिरी को आयुक्त प्रणाली से बाहर कर एक अलग जिला पुलिस इकाई बना दी गई है, जिसका नेतृत्व पुलिस अधीक्षक रैंक के आईपीएस अधिकारी द्वारा किया जाएगा।

बंजारा हिल्स के हरे कृष्णा स्वर्ण मंदिर में वैकुंठ एकादशी उत्साह से मनाई गई

हैदराबाद, 30 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स स्थित हरे कृष्णा स्वर्ण मंदिर में वैकुंठ एकादशी का पर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। मंदिर परिसर में सुबह से ही आध्यात्मिक माहौल बना रहा और बड़ी संख्या में भक्तों ने दर्शन किए। उत्सव की शुरूआत सुबह 5.15 बजे वैकुंठ द्वार की प्रतिष्ठा के साथ हुई। इसके बाद भक्तों को उत्तर द्वार से मंदिर में प्रवेश की अनुमति दी गई, जिसे मोक्ष का द्वार माना जाता है। सबसे पहले वैकुंठ द्वार के दर्शन विश्वगुरु श्रील प्रभुपाद को कराए गए।

इसके बाद भक्तों ने स्वयंभू श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी और श्री राधा गोविंदा के दर्शन किए, जिन्हें विशेष लक्ष्मी नारायण अलंकार में सजाया गया था। उत्तरी द्वार पर स्थापित श्री श्रीनिवास गोविंदा की प्रतिमा आज के आयोजन का मुख्य आकर्षण रही। हरे कृष्णा आंदोलन के अध्यक्ष श्री सत्य गौरा चंद्र दास प्रभुजी ने कहा कि वैकुंठ एकादशी के दिन वैकुंठ द्वार से दर्शन करने पर भक्तों को भगवान की विशेष कृपा प्राप्त होती है और उनकी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। उत्सव का समापन शाम को श्री राधा गोविंदा और श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी की महा आरती और शयन आरती के साथ हुआ।

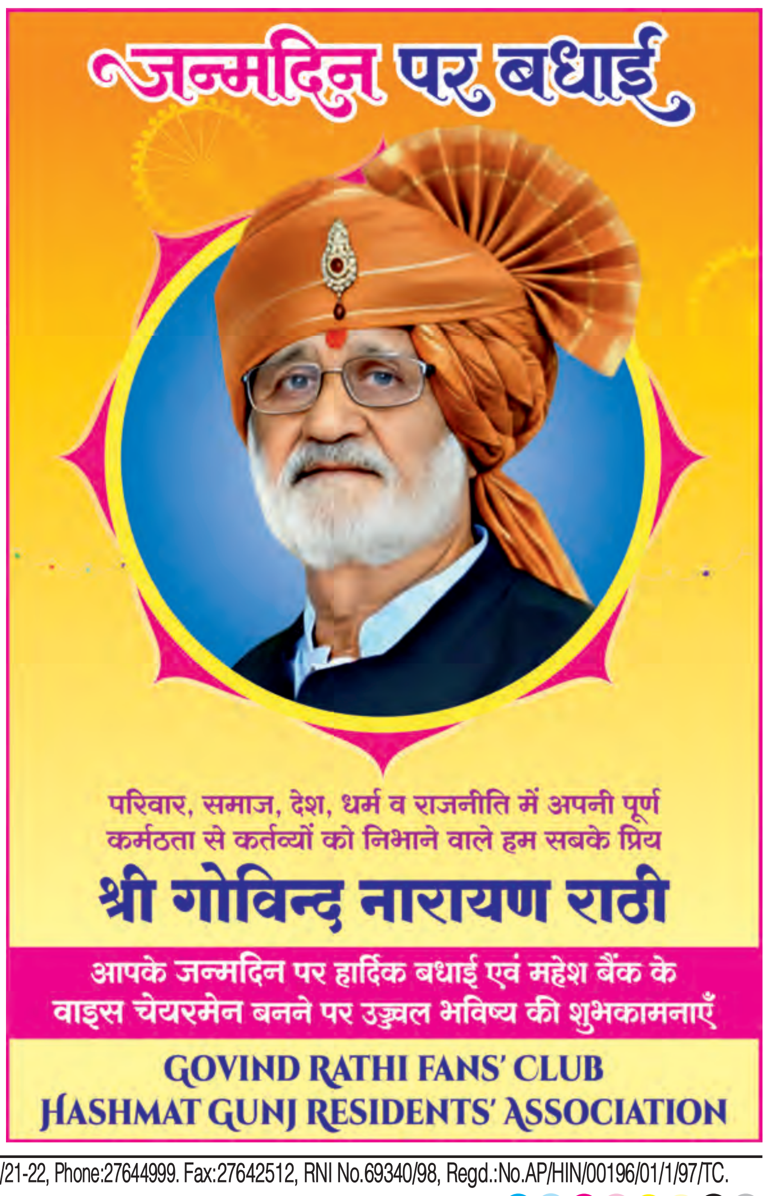

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.